THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 255 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.7 2080 सोमवार, 4 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बुके देने पर डीजीपी सस्पेंड

> ईसी ने आचार संहिता के खिलाफ माना > 65 सीटों के साथ कांग्रेस सरकार बनना तय

तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को सुबह डीजीपी अंजनी कुमार (बाएं) ने जीत की बधाई दी। रेवंत रेड्डी सीएम की रेस में आगे हैं।

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमार को सस्पेंड कर दिया है। अंजनी कुमार पर आदर्श आचार संहिता के नियमों के उल्लंघन का आरोप है।

दरअसल, सुबह रुझानों में कांग्रेस को बढ़त मिलने के बाद डीजीपी अंजनी कुमार कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी से मिलने उनके घर पहुंच गए। एडिशनल डीजीपी भी उनके साथ थे। तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के पार पहुंच चुकी है।

मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को भाजपा ने हराया

कामारेड्डी सीट से मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) चुनाव हार गए हैं। उन्हें भाजपा के केवी रमना ने हराया है। इसी सीट से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और सीएम के चेहरे रेवंत रेड्डी भी चुनाव लड़ रहे थे। वे तीसरे स्थान पर रहे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री केसीआर कामारेड्डी के अलावा गजवेल से भी चुनाव लड़ रहे थे। वे अपनी पारंपरिक सीट गजवेल से चुनाव जीत गए हैं। वहीं रेवंत रेड्डी भी कोडांगल और कामारेड्डी दो सीटों से चुनाव मैदान में थे। वे भी अपनी दूसरी सीट कोडांगल से जीत चुके हैं।

भाजपा के तीनों सांसद पीछे

भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए तीन मौजूदा सांसदों में करीमनगर विधानसभा सीट से राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष बंदी संजय कुमार, कोरात्ला से निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद और बोथ से आदिलाबाद के सांसद सोयम बापू राव पीछे चल रहे हैं। गोशामहल से भाजपा के टी राजा सिंह जीत गए हैं। बड़े चेहरों में मुख्यमंत्री के बेटे और राज्य के मंत्री केटीआर सिरसिल्ला सीट से जीत गए हैं। असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरूद्दीन ओवैसी चंद्रयानगुट्टा सीट से जीत गए हैं। कांग्रेस के जुबली हिल्स से कैंडिडेट पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन हार गए हैं।

कांग्रेस ने ताज होटल में कमरे बुक किए

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में संभावित जीत को देखते हुए ताज होटल में कमरे बुक किए हैं। होटल के बाहर 3 लग्जरी बसें भी खड़ी हैं। कांग्रेस किसी भी तरह की हॉर्स ट्रेडिंग से बचने के लिए अपने विधायकों की बाड़ेबंदी कर रही है। जीतने के बाद सभी विधायकों को हैदराबाद आने का निर्देश दिया गया है। खरीद-फरोख्त की स्थिति में जीते हुए विधायकों को फौरन बेंगलुरू शिफ्ट किया जाएगा। कर्नाटक के डिप्टी सीएण डीके शिवकुमार को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। बेंगलुरू में उनका एक रिसॉर्ट भी है, जिसमें विधायकों को रखा जा सकता है।

तेलंगाना में 9 साल से बीआरएस की सरकार

राज्य की 119 विधानसभा सीटों पर 30 नवंबर को 70.66 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। यह 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के मुकाबले 2.76 प्रतिशत कम है। तब 73.37 प्रतिशत मतदान हुआ था। जून 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना नया राज्य बना था। इसी साल राज्य में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ। इसमें तेलंगाना को अलग राज्य बनाने के लिए आंदोलन करने वाली पार्टी टीआरएस (तेलंगाना राज्य समिति, जो अब भारत राष्ट्र समिति बीआरएस हो गई है) को बहुमत मिला। टीआरएस को तब 63, कांग्रेस को 21, टीडीपी को 15 और अन्य को 20 सीटें मिलीं। तेलंगाना की अलग मांग को लेकर आंदोलन करने वाले के. चंद्रशेखर राव राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने।

2018 में दूसरी बार हुए विधानसभा चुनाव में केसीआर और मजबूती के साथ उभरे। इस बार उनकी पार्टी को 88 सीटें मिलीं। यानी पिछली बार के मुकाबले 25 सीटें ज्यादा। कांग्रेस को दो सीटों के नुकसान के साथ 19, एआईएमआईएम को 7 और भाजपा को एक सीट पर जीत मिली।

रेवंत रेड्डी सीएम पद के दावेदार

पूर्व केंद्रीयमंत्री जयपाल रेड्डी के दामाद हैं

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद रेवंत रेड्डी को तेलंगाना का डीके शिवकुमार बोला जाता है। कांग्रेस की ओर से उन्हें सीएम पद का दावेदार माना जा रहा है। महबूबनगर जिले के कोंडारेड्डी पल्ली में जन्मे 54 साल के रेवंत का पूरा नाम अनुमुला रेवंत रेड्डी है। उस्मानिया यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट रेवंत ने राजनीतिक करियर की शुरूआत भाजपा की स्टूडेंट विंग एबीवीपी से की थी। 2007 में वे निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी चुने गए।

बाद में आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायुडू के न्योते पर वे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए। 2009 में उन्होंने टीडीपी के टिकट पर आंध्र प्रदेश के कोंडगल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और कांग्रेस के पांच बार के विधायक गुरुनाथ रेड्डी को हराया। नायुडू ने उन्हें विधानसभा में पार्टी का नेता भी बना दिया।

टीडीपी में इस बात की चर्चा होने लगी कि रेवंत कांग्रेस से नजदीकी बढ़ा रहे हैं। 2017 में टीडीपी ने उन्हें अपने नेता सदन के पद से हटा दिया। कुछ दिनों बाद ही रेवंत कांग्रेस में शामिल हो गए। 2018 के चुनाव में रेवंत फिर कोडंगल से लड़े और हार गए।

2019 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने मल्काजगिरी सीट से चुनाव लड़ा और पहली बार संसद पहुंचे। जून 2021 में कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें सीनियर नेता एन. उत्तम रेड्डी की जगह तेलंगाना की कमान सौंपी। इससे एक खेमा काफी असंतुष्ट था।

रेवंत कैश फॉर वोट मामले में जेल में भी रहे। उन पर एलएलसी चुनावों में पैसे देकर वोट खरीदने का आरोप लगा। मौजूदा चुनावों में भी उन पर पैसे लेकर पार्टी टिकट देने के आरोप लग रहे हैं। तेलंगाना सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री के बेटे केटीआर ने तंज कसते हुए रेवंत से पूछा था कि क्या रेट (टिकट का) चल रहा है रेड्डी?

रेवंत का विवाह संयुक्त आंध्र प्रदेश के कद्दावर नेता जयपाल रेड्डी की भतीजी गीता से हुआ है। गीता के परिवार के शुरूआती विरोध के बावजूद रेवंत अपने प्यार को शादी के बंधन तक पहुंचाने में कामयाब रहे।

जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे : मोदी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया आई है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भारतीय जनता पार्टी में है।

पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को नमन करते हुए कहा कि भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं। साथ ही यह भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे।

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में पार्टी कार्यकर्ताओं की भी हौसलाफजाई की है। पीएम ने कहा, इस अवसर पर पार्टी के सभी परिश्रमी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से आभार! आप सभी ने अद्भुत मिसाल पेश की है। भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमें ना रुकना है, ना थकना है। हमें भारत को विजयी बनाना है। आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है।

तीनों राज्यों में बीजेपी पूर्ण बहुमत के साथ बनाएगी सरकार :

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में एकतरफ जीत दर्ज की है। मध्य प्रदेश में पार्टी 160 से अधिक सीटों पर आगे है तो वहीं छत्तीसगढ़ में 57 सीटों पर बीजेपी को बढ़त है। राजस्थान में भी 117 सीटों पर भाजपा आगे है। तीनों ही राज्यों में बीजेपी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

तीन राज्यों में भगवा लहर तेलंगाना में कांग्रेस

	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत/सीटें
मध्य प्रदेश	164	65	01	116/230
राजस्थान	115	68	16	100/199
छत्तीसगढ़	55	35	00	46/90

सीटें: 119 बहुमत: 60	तेलंगाना	कांग्रेस	बीआरएस	भाजपा	अन्य
		64	39	08	08

माकपा ने कांग्रेस पर बोला हमला

मौजूदा चुनाव नतीजे अकेले चुनाव लड़ने का परिणाम

तिरुवनंतपुरम (केरल), 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को मतगणना हुआ है। इनमें हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा जीत की बढ़ती हुई नजर आ रही है। इस बीच, केरल में सत्तारूढ़ माकपा ने कहा है कि भगवा पार्टी को हराने के लिए अकेले चुनाव लड़ने का कांग्रेस का फैसला मौजूदा नतीजों की एकमात्र वजह है।

'इंडिया' गठबंधन में शामिल माकपा ने यह भी आरोप लगाया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के भीतर की कलह, सत्ता की भूख और उसके कुछ नेताओं का भाजपा के अंडरकवर एजेंट के रूप में काम करना, इन सभी वजहों से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मौजूदा परिणाम सामने आए हैं। दूसरी ओर, केंद्रीय विदेश राज्य

मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि चुनावी नतीजे (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी के सुशासन का परिणाम हैं।

वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां नवा केरल सदस कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इन तीन राज्यों में भाजपा जैसे दुश्मन का सामना करते समय यथासंभव संयुक्त मोर्चा सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के बजाय कांग्रेस ने सोचा कि वह पहले ही जीत चुकी है और यह एक बड़ी ताकत है और कोई भी इसे हरा नहीं सकता है। यही वह सोच है जो इसे पतन की ओर ले गया है। उन्होंने कहा कि उन राज्यों में चुनावों की घोषणा के बाद सभी गणनाओं ने संकेत दिया कि लोग नहीं चाहते थे कि भाजपा वहां सत्ता में आए और भगवा पार्टी के लिए एक बड़ा झटका सुनिश्चित करना संभव था। लेकिन, कांग्रेस सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करने के लिए तैयार नहीं थी, और इस रुख के कार मौजूदा स्थिति पैदा हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सांप्रदायिक कृत्यों का विरोध नहीं किया और इसके बजाय भाजपा का समर्थन करके मध्य प्रदेश में उसकी बी टीम के रूप में काम किया। उन्होंने कहा, यह सोचना कि नरम हिंदुत्व का रुख अपनाने से चरम हिंदुत्व को हराने में मदद मिलेगी।

कर्नाटक की सभी सीटों पर जीतेगी भाजपा : येदियुरप्पा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के नतीजे आज घोषित किए गये। इसके लिए कड़ी सुरक्षा में मतगणना शुरू हुई है। फिलहाल, भाजपा ने चार में से तीन राज्यों में महत्वपूर्ण बढ़त बनाई हुई है। इस बीच, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को दावा किया कि भाजपा अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल गई है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। ऐसे में, येदियुरप्पा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनावों में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को बधाई दी। >14

52% आबादी पर बीजेपी की सत्ता

कांग्रेस महज 3 राज्यों में सिमटी, 10 साल में कैसे बदला बीजेपी का शासन

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे साफ हो गए हैं। नतीजों के बाद देश के कुल 28 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में से 16 में अब बीजेपी गठबंधन सरकार होगी। इनमें 12 राज्यों में बीजेपी अकेले अपने दम पर सत्ता में रहेगी। कांग्रेस महज 3 राज्यों तक सिमट गई है। गठबंधन के साथ कांग्रेस कुल 5 राज्यों की सत्ता में बची है।

फिलहाल देश में 30 विधानसभाएं हैं। इनमें 2 केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और पुडुचेरी भी हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नतीजों के बाद अब 16 प्रदेशों की सत्ता में बीजेपी आ जाएगी। यहां देश की करीब 52% आबादी रहती है। इनमें अपने बूते 12 प्रदेशों में और बाकी 4 प्रदेशों में गठबंधन साथियों के साथ। इनमें से कोई भी दक्षिण भारत का राज्य नहीं। बीजेपी के अकेले अपने दम पर सरकार बनाने वाले राज्यों में उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, गोवा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। गठबंधन वाले राज्यों में महाराष्ट्र, मेघालय, नगालैंड और सिक्किम हैं।

कांग्रेस अपने दम पर सिर्फ 3 राज्यों में सत्ता में है- कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश। इसके अलावा बिहार और झारखंड की सत्ता के गठबंधन में शामिल है। अगर देश को 6 हिस्सों में वर्गीकृत करके देखें तो दक्षिण और पूर्वी भारत को छोड़कर बाकी 4 जगह बीजेपी बेहद ताकतवर नजर आती है।

पूर्वोत्तर भारत (सिक्किम समेत): बीजेपी का दबदबा

नॉर्थ ईस्ट के 8 राज्यों में कुल 498 विधायक हैं। इनमें से बीजेपी के 206 विधायक हैं, यानी 41.3%। इसी तरह नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों से कुल 25 सांसद आते हैं। इनमें बीजेपी के 15 सांसद हैं, यानी 60%।

पश्चिम भारत (महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान): बीजेपी का दबदबा

महाराष्ट्र में शिंदे की शिवसेना के साथ बीजेपी सरकार है। गुजरात में बीजेपी की पूर्ण बहुमत सरकार है और अब राजस्थान में भी बीजेपी को बहुमत मिलता दिख रहा है। इन तीनों प्रदेशों के 670 विधायकों में से 331 बीजेपी के पास थे। यानी 49%। 3 दिसंबर को राजस्थान के नतीजों के बाद बीजेपी विधायकों की संख्या 30 से 40 बढ़ सकती है। यानी यहां 50% से ज्यादा विधायक बीजेपी के हो जाएंगे। इसी तरह इन प्रदेशों के कुल 99 सांसदों में से 73 बीजेपी के हैं, यानी 72%।

पूर्वी भारत (बिहार, बंगाल, झारखंड, ओडिशा): बीजेपी और कांग्रेस दोनों का असर नहीं

बिहार में महागठबंधन की सरकार है, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, झारखंड में जेएमएम की सरकार और ओडिशा में बीजेडी की सरकार है। यानी पूर्वी भारत में कहीं भी बीजेपी की सरकार नहीं है। यहां कुल 722 विधायकों में से 196 बीजेपी के हैं, यानी 27%। इसी तरह इन प्रदेशों के कुल 11% सांसदों में से 54 बीजेपी के हैं, यानी 46%।

उत्तर भारत (दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, यूपी, उत्तराखंड): बीजेपी और आम आदमी पार्टी का दबदबा

उत्तर भारत में हरियाणा, यूपी और उत्तराखंड में बीजेपी की सरकार है। उत्तर भारत से कुल 818 विधायक चुने जाते हैं, जिनमें से बीजेपी के कुल 377 विधायक हैं यानी 46%। इसी तरह कुल 189 सांसदों में से बीजेपी के 98 सांसद हैं, यानी 52%। >14

मिचौंग तूफान के चलते 144 ट्रेन कैंसिल

तमिलनाडु में एसडीआरएफ के 100 जवान तैनात, 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश में साइक्लोन का लैंडफॉल

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आंध्र प्रदेश और उससे सटे तमिलनाडु तटों के लिए चक्रवात का अलर्ट जारी किया है। इस तूफान का नाम मिचौंग रखा गया है। आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र 2 दिसंबर को डीप डिप्रेशन में बदल गया। अगले 12 घंटों में यह तूफान में बदल जाएगा। 4 दिसंबर की दोपहर तक यह आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों के नजदीक पहुंच जाएगा। जिसके बाद यह 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश में लैंडफॉल करेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 3 से 5 दिसंबर तक आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साइक्लोन को देखते हुए साउथ सेंट्रल रेलवे ने 144 ट्रेन कैंसिल कर दी हैं। इसमें 118 ट्रेन लॉन्ग रूट की हैं। वहीं तमिलनाडु में एसडीआरएफ के 100 जवान तैनात किए गए। मौसम विभाग के मुताबिक, 5 दिसंबर की सुबह तूफान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तट के बीच लैंडफॉल करेगा। उस समय तूफान की स्पीड 80-90 किमी प्रति घंटे होगी। यह 100 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। तूफान के चलते सेंट्रल रेलवे ने 3 से 7 दिसंबर के बीच चलने वाली 144 ट्रेन को रद्द किया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, तमिलनाडु, बेंगलुरू, हैदराबाद, नई दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ, विशाखापट्टनम, तिरुपति, पुडुचेरी सहित अन्य रूट पर चलने वाली ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में विजयवाड़ा जनशताब्दी (ट्रेन नंबर 12077 और 12078), निजामुद्दीन चेन्नई दुरंतो (ट्रेन नंबर 12269 और 12270), गया चेन्नई एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12389 और 12390) और बरौनी-कोयंबटूर स्पेशल (ट्रेन संख्या 3357 और 3358) शामिल हैं।

अजित पवार ने 'इंडिया' गठबंधन पर साधा निशाना

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उन्हें आश्चर्य नहीं होगा अगर कुछ लोग हायतौबा मचाते हैं और विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका यह बयान तब आया है, जब चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना हो चुकी है।

भाजपा मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे हिंदी पट्टी के राज्यों में सत्ता हासिल कर चुकी है। छत्तीसगढ़ में भी उसने बढ़त हासिल की हुई है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को सत्ता से बाहर करने के लिए तैयार है। पवार ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की लोग सराहना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर इंडिया गठबंधन के लोग नतीजों के लिए ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) को दोष देना शुरू कर दें। उन्होंने आगे कहा कि यह हायतौबा मचाने जैसा होगा। >14

नितिन गडकरी : लोगों ने पीएम मोदी की नीतियों का किया समर्थन

गांधीनगर (गुजरात), 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की रविवार को मतगणना जारी है। इनमें से तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अधिकांश सीटों पर आगे चल रही है। जबकि, तेलंगाना में कांग्रेस सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से आगे है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का समर्थन किया है और भाजपा को वोट दिया है। गडकरी ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनने से तेजी से विकास होगा। उन्होंने नतीजों के लिए प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा और स्थानीय पार्टी नेतृत्व के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा, देश की जनता ने चुनाव के जरिए अपना मूड बताया है, खासकर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में। इन तीनों राज्यों को बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। एक तरह से लोगों ने मोदीजी के नेतृत्व में हमारी सरकार की नीतियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है।

तेलंगाना से कांग्रेस को मिली संजीवनी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के लिए तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे किसी बुरे सपने से कम नहीं है। कांग्रेस को पूरी उम्मीद थी कि राजस्थान में रिवाज बदला जाएगा, छत्तीसगढ़ में सत्ता वापसी के साथ इतिहास रचा जाएगा और एमपी में शिवराज के कमल को राज्य से उखाड़ फेंक दिया जाएगा। लेकिन राजस्थान से गुड न्यूज आई, ना एमपी में सम्मानजनक सीटें मिली और छत्तीसगढ़ में तो सबसे बड़ा उलटफेर हो गया। अब इस निराशा के बीच कांग्रेस के लिए सिर्फ एक उम्मीद की किरण रही- तेलंगाना। तेलंगाना चुनाव में कांग्रेस ने प्रचंड जीत दर्ज कर ली है। अभी तक पार्टी के खाते में 63 सीटें चल रही हैं, वहीं केसीआर की बीआरएस को 40 से संतोष करना पड़ रहा है।

नकली नोट मामले में एनआईए का 4 राज्यों में छापा

महाराष्ट्र में 2, कर्नाटक, बिहार और यूपी में एक-एक जगह पर रेड डाली

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। नकली भारतीय मुद्रा नोट रैकेट का भंडाफोड़ करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 4 राज्यों में 5 जगहों पर छापा मारा। इस दौरान एजेंसी ने नकली नोट, करेंसी पेपर, प्रिंटर, डाई व डिजिटल गैजेट जब्त किए हैं। एनआईए ने महाराष्ट्र में 2, कर्नाटक, बिहार व यूपी में एक-एक जगह पर छापेमारी की है।

जानकारी के मुताबिक एनआईए ने बिहार के रोहतास जिले में छापेमारी के दौरान शशि भूषण को हिरासत में लिया। उससे 6 घंटे पूछताछ की गई। जिले में छापेमारी के दौरान एजेंसी को कई दस्तावेज, नकली नोट बनाने की सामग्री भी मिली है।

सूत्रों के मुताबिक शशिभूषण के नकली नोट रैकेट से जुड़े होने की जानकारी कोलकाता और उत्तर प्रदेश से एनआईए को मिली थी। इसके बाद से एजेंसी की टीमें उसकी तलाश में थीं। पिछले 48 घंटे से लगातार मॉनिटरिंग के बाद शनिवार सुबह एनआईए ने शशिभूषण के घर पर छापेमारी की।

इसके साथ ही एनआईए ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर और यवतमाल जिलों में राहुल तानाजी पाटिल उर्फ जावेद और शिवा पाटिल भीमराव, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में विवेक ठाकुर उर्फ आदित्य सिंह, कर्नाटक के बेल्लारी जिले में महेंद्र के ठिकानों पर भी छापेमारी की। जांच में पता चला है कि राहुल तानाजी पाटिल नकली नोटों की सप्लाई के लिए फर्जी पते पर लिए सिम कार्ड का उपयोग कर रहा था। एनआईए इस मामले में आरोपियों से पूछताछ और जांच के बाद इससे जुड़े और लोगों पर कार्रवाई कर सकती है। बिहार में इससे पहले भी एनआईए की टीम ने पूर्वी चंपारण से 25.43 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए थे।

जिस मामले में एक दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें 6 लोगों को सजा मिल चुकी है। पूर्वी चंपारण में जब्त नकली नोट के तार पाकिस्तान से जुड़े थे। नकली नोट का नेटवर्क संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक संचालित कर रहा था। उनके लिये कैरियर का काम पश्चिम बंगाल के रईसुद्दीन और नेपाल के अबी मोहम्मद अंसारी कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक इस मामले में एनआईए ने 24 नवंबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में आईपीसी की धारा 120बी, 489बी, 489सी और 489डी के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसको लेकर एनआईए की टीम ने देश के चार राज्यों में स्थित 5 जिलों में छापेमारी की।

यह मामला सीमा पार एफआईसीएन की तस्करी और भारत के विभिन्न राज्यों में इसके प्रसार को बढ़ावा देने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा रची गई एक बड़ी साजिश से संबंधित है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के विवेक ठाकुर उर्फ आदित्य सिंह के घर से 6600 रुपये (500 रुपये, 200 रुपये और 100 रुपये के नोट), नोट छपाई के कागजात के साथ जब्ती की। विवेक ठाकुर, शिवा पाटिल उर्फ भीमराव और अन्य के साथ मिलकर पूरे भारत में प्रचलन के लिए सीमावर्ती देशों से नकली मुद्रा और इसकी छपाई का सामान खरीदता था।

बृजभूषण शरण सिंह ने गोंडा में बाबा रामदेव को लेकर दिया बड़ा बयान

क्यों गिनाये दिव्यांगता के कारण

गोंडा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मैं, बाबा रामदेव के खिलाफ कोई अभियान नहीं चला रहा हूं। आम लोगों को नकली दूध और दूध उत्पाद से बचने की जरूरत है, इसलिए घर में गाय पालन कर शुद्ध उत्पादों का प्रयोग करें। ये बात रविवार को गोंडा के पीएसी ग्राउंड में आयोजित दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल व उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कही। बृजभूषण कहा कि कुछ लोग जन्म से दिव्यांग हैं तो कुछ लोग माता-पिता की लापरवाही से दिव्यांग हो जाते हैं। आए दिन हो रहे सड़क हादसे भी दिव्यांगता का कारण हैं। सांसद ने कहा कि आजकल देररात तक डीजे और तेज आवाज में वाद्य यंत्र बजने से लोग सो नहीं पा रहे हैं। नींद पूरी न हो पाने की वजह से हादसे बढ़ रहे हैं। सांसद ने मंच से अपील की ऐसे लोग जनहित और सामाजिक हित में डीजे व तेज आवाज में वाद्य यंत्र बजाना बंद करें। सांसद ने पीएम नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा की मोदी जी के पीएम बनने से पहले सीएसआर फंड का सही उपयोग नहीं होता था लेकिन, अब ऐसे धन का सदुपयोग हो रहा है। सांसद ने दिव्यांग जन सशक्तिकरण, बेसिक शिक्षा विभाग व पावर ग्रिड कॉरपोरेशन आफ इंडिया के संयुक्त कार्यक्रम में सीएसआर फंड से दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड, सामान्य ट्राई साइकिल व उपकरण वितरित किए।

विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद 6 दिसंबर को होगी इंडिया गठबंधन की अगली बैठक

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले लिटमस टेस्ट माने जाने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में से 4 पर आज परिणाम घोषित होंगे। वोटों की गिनती जारी है, रुझानों के मुताबिक तीन राज्यों में बीजेपी को बंपर बढ़त मिली है। राजस्थान-मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार गठन की ओर आगे बढ़ रही है। ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से बीजेपी को उखाड़ फेंकने की मंशा लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया को झटका लगा है। ऐसे में इंडिया गठबंधन की रणनीति में फेरबदल की तैयारियां भी शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया है कि सोमवार (4 दिसंबर) को पांच राज्यों के चुनाव परिणाम स्पष्ट हो जाने के बाद, छह दिसंबर को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होगी।

लोकसभा चुनाव की रणनीति पर होगी चर्चा

सूत्रों ने बताया है कि विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद लोकसभा चुनाव को लेकर इस बैठक में गहन चर्चा होनी है। यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर होगी। इसमें इंडिया गठबंधन के प्रमुख 14 दलों के नेता शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया है कि बैठक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सहयोगी दलों के नेताओं से बात की है। माना जा रहा है कि इस बैठक में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हो सकती है।

गठबंधन के संयोजकों की होगी बैठक

आपको बता दें कि विधानसभा चुनाव के समय ही कांग्रेस अध्यक्ष ने साफ किया था कि 5 राज्यों मे चुनाव नतीजे आने के बाद विपक्षी गठबंधन की बैठक बुलाई जाएगी। वैसे तो इस गठबंधन में 26 पार्टियां हैं, लेकिन 14 दलों को मिलाकर जो संयोजक समिति बनी है, उन्हीं की बैठक होनी है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव जीतने के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी और बीजेपी के खिलाफ टूट पड़ने में विपक्षी गठबंधन कोई भी कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहता।

गठबंधन में शामिल हैं कौन-कौन से दल

बीजेपी के नेतृत्व में केंद्र में चल रही एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस, टीएमसी, राजद, जदयू, आप, सपा, डीएमके समेत 26 विपक्षी दल एक साथ आए हैं। इन विपक्षी दलों के गठबंधन को 'इंडिया ' नाम दिया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के सुझाव पर 'इंडिया ' गठबंधन की पहली बैठक पटना में हुई थी। जबकि दूसरी बैठक बेंगलुरु और तीसरी बैठक मुंबई में आयोजित की गई थी।

अभिनेत्री सोनाक्षी के सलाहकार समेत चार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

पुलिस पकड़कर कोर्ट में करेगी पेश

मुरादाबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद की कोर्ट ने फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के सलाहकार समेत चार लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। साथ ही एसएसपी मुरादाबाद को आदेशित किया है कि 21 दिसंबर तक चारों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। कटघर के शिवपुरी कॉलोनी निवासी प्रमोद शर्मा कटघर थाने में 22 फरवरी 2019 अभिनेत्री सोनाक्षी व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें प्रमोद ने बताया था कि वह फिल्मी हस्तियों को बुलाकर कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इसी प्रकार के एक इवेंट के लिए उन्होंने सोनाक्षी से भी एक कार्यक्रम के लिए समय मांगा था। कार्यक्रम दिल्ली में 30 सितंबर 2018 होना था। इसके लिए प्रमोद ने सोनाक्षी सिन्हा के सहयोगी अभिषेक सिन्हा, मालविका पंजाबी, धूमिल ठक्कर व एडगर सकारिया को तय रकम भी दी थी। अंत समय में सोनाक्षी व उनके सलाहकार ने आयोजन में आने के लिए मना कर दिया था, जबकि इन्होंने पूरी फीस प्रमोद से ले ली थी। मुकदमे की सुनवाई अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम सचिन दीक्षित की अदालत में की जा रही है। शनिवार को पत्रावली अदालत में पेश हुई। जिसमें प्रमोद के वकील ने बताया कि सोनाक्षी हाईकोर्ट इलाहबाद से स्टे ले आई थीं लेकिन अन्य आरोपी न तो कोर्ट में हाजिर हुए न अपनी जमानत के लिए किसी प्रकार की पैरवी की।

चीन में नई बीमारी से टेंशन कोरोना जैसे लक्षण, हजारों बच्चे हो रहे अस्वस्थ

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया में तनाव पैदा कर दिया है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था।

क्या कहा राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता ने

राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए हैं, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं।

लॉकडाउन का हटना बीमारी फैलने की बड़ी वजह

इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह में लगा सख्त लॉकडाउन का हटना है। तब से यह वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है। फिर 5 वर्ष की आयु के बाद संक्रमण की दर कम हो जाती है। तो चीन में जो बच्चे लॉकडाउन के कारण अपने घरों से बाहर नहीं निकल पाए, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं हुई है, जिसके कारण वे संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं।

ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का आदेश देने वाले जज के भाई को मिली सुरक्षा, एसपी को लिखा था पत्र

वाराणसी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का आदेश देने वाले दीवानी जज (सीनियर डिविजन) रवि कुमार दिवाकर के भाई को शाहजहांपुर पुलिस ने सुरक्षा उपलब्ध कराई है। दीवानी जज सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर ने पत्र लिखकर शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की मांग की थी। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने रविवार को पीटीआई-भाषा से पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर में तैनात दीवानी जज सीनियर डिवीजन दिनेश कुमार दिवाकर ने पत्र लिखकर सुरक्षा मुहैया कराने का आग्रह किया था। पत्र में बताया था कि बड़े भाई रवि कुमार दिवाकर ने वाराणसी में ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई की थी। दीवानी जज रहते हुए उन्होंने वर्ष 2022 में ज्ञानवापी परिसर के वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के आदेश दिए थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पत्र में दीवानी जज ने इस बात का जिक्र किया है कुछ दिन पहले लखनऊ में उनके आवास के पीछे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का एक एजेंट भी पकड़ा गया था। लिहाजा उन्हें तुरंत सुरक्षा मुहैया कराई जाए। पत्र में आगे कहा गया कि हाईकोर्ट ने उन्हें और उनके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूर्व में आदेश भी दिया था। सिविल जज दिनेश कुमार दिवाकर को सुरक्षा की मांग शनिवार को पूरी करा दी गई है। दीवानी जज दिनेश कुमार दिवाकर के भाई रवि कुमार दिवाकर ने वर्ष 2022 में ज्ञानवापी परिसर का वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के आदेश दिए थे। सर्वेक्षण में वजूखाने से एक आकृति मिली थी। हिंदू पक्ष ने आकृति के शिवलिंग होने का दावा किया था। मुस्लिम पक्ष फौव्वारा बताते हुए हिंदू पक्ष के दावे पर आपत्ति जता रहा है।

श्रीनगर: गिरफ्तार सात छात्रों से यूएपीए हटाया

कोर्ट ने दी जमानत, विश्वकप फाइनल में हार का जश्न मनाने का आरोप

श्रीनगर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व कप फाइनल में कथित तौर पर आपत्तिजनक नारे लगाने और भारतीय क्रिकेट टीम की हार का जश्न मनाने के आरोप में यूएपीए के तहत गिरफ्तार सात छात्रों पर से आतंकवाद विरोधी कानून के हटाए जाने के बाद शनिवार को एक अदालत ने जमानत दे दी। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के शुहामा में शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (स्कॉस्ट)-कश्मीर के छात्रों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) गांदरबल की अदालत ने छात्रों को जमानत दे दी। इसकी पुष्टि छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील शफीक अहमद भट ने दी। उन्होंने कहा कि छात्रों को शनिवार देर शाम रिहा कर दिया गया। वकील ने कहा कि छात्रों के खिलाफ यूएपीए के आरोप हटा दिए गए हैं। भट्ट ने कहा, पुलिस ने सीजेएम अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश की, जिसमें यूएपीए के आरोप हटा दिए गए।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों के माता-पिता के आश्वासन के बाद विचार विमर्श के बाद यूएपीए के आरोप हटा दिए गए। कश्मीर पुलिस महानिरीक्षक वीके बिर्दी ने कहा कि छात्रों के माता-पिता ने आश्वासन दिया है कि उनके बच्चों से किसी और को कोई नुकसान नहीं होगा। इसके बाद जांच जारी रखने पर विचार किया गया। पुलिस द्वारा एक गैर-स्थानीय छात्र की शिकायत की जांच शुरू करने के बाद छात्रों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने छात्रों पर यूएपीए की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया था, जो किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को उकसाने या सलाह देने से संबंधित है और सात साल की जेल की सजा है। छात्रों पर आईपीसी की धारा 505 और 506 भी लगाई गईं, जो सार्वजनिक शरारत और आपराधिक धमकी से संबंधित हैं।

इसके तहत दोषी पाए जाने पर जेल की सजा पांच साल तक हो सकती है। यूएपीए के तहत छात्रों पर मामला दर्ज करने की राजनीतिक दलों ने कड़ी आलोचना की थी। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आखिरकार अच्छी समझदारी की जीत हुई और उनका भविष्य खतरे से बच गया।

सैनिक फार्म में घुसे तेंदुआ को पकड़ने में जुटीं कई टीमें, लोगों से कहा- रेस्क्यू होने तक घरों में ही रहें

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में हाल ही में तेंदुआ देखा गया था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस और वन विभाग की कई संयुक्त टीमें लगाई गईं हैं। अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों की टीम रेस्क्यू में लगी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इलाके के लोगों से कहा गया है कि जानवर की किसी भी गतिविधि के बारे में पता चले तो तुरंत पुलिस को फोन कर जानकारी दें। पुलिस वन विभाग के साथ मिलकर तेंदुए को पकड़ने की कोशिश कर रही है। तेंदुआ 2 दिसंबर को सैनिक फार्म क्षेत्र में देखा गया था। इसके बाद उसे पकड़ने के लिए दो पिंजरे लगाए गए। तेंदुआ को पिंजरे में कैद करने के लिए तैनात की गईं दो टीमें वन विभाग (असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य) के एक बीट अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया

'गगनयान' से 4 अंतरिक्ष यात्री जाएंगे स्पेस में

इसरो चीफ ने बताया- क्या है सबसे बड़ा चैलेंज

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस। सोमनाथ ने यहां कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन 'गगनयान' के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री तैयार हैं और 2025 का इंतजार कर रहे हैं। 'गगनयान' कार्यक्रम का लक्ष्य 2025 में तीन दिवसीय मिशन के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है।

क्या है मिशन की सबसे बड़ी चुनौती?

सोमनाथ ने कहा कि इसरो इस मिशन को संभव बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले मिशन के लिए हमने उनमें से चार को चुना है, और हमारा प्रयास है कि उन्हें 2025 तक अंतरिक्ष में भेज दिया जाए और फिर सुरक्षित वापस लाया जाए। उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर लाना इस मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।'

हम दिन-रात काम कर रहे

सोमनाथ ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के 11वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'इसे संभव बनाने के लिए आने वाले दिनों में बहुत सारी तकनीक विकसित करने की जरूरत है। इसरो में हम इसे साकार करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इसके लिए कई तकनीकों को नए सिरे से विकसित और सफल बनाया गया है। उन्होंने कहा, 'आने वाले दिनों में हम मानव रहित कई मिशन देखेंगे और फिर अंततः भारतीय को अंतरिक्ष में भेजेंगे। अंतरिक्ष यात्री पहले से ही तैयार हैं'। उन्होंने कहा कि इसरो एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने पर भी विचार कर रहा है, जो वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति तथा उद्योगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए जरूरी है।'चंद्रयान-3' के बारे में बात करते हुए सोमनाथ ने कहा कि भारत के पास अब इस श्रेणी की ''उच्च प्रौद्योगिकी'' परियोजनाओं को पूरा करने का आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा, ''हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग वाला पहला देश बन गए, और हम चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गए।'इसरो ने गत 23 अगस्त को अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने में सफलता हासिल की थी।

सुजय भद्र की आवाज जांच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन लटका

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता की एक विशेष अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद, पश्चिम बंगाल में स्कूल भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी सुजय कृष्ण भद्र के आवाज के नमूने के परीक्षण के लिए केंद्र संचालित ईएसआई अस्पताल में एक विशेष मेडिकल बोर्ड के गठन को लेकर जटिलताएं जारी हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने न्यूरोलॉजिस्ट की भारी कमी के कारण पूर्ण-चिकित्सा बोर्ड बनाने में असमर्थता व्यक्त की है। इसलिए, फिलहाल, अस्पताल के अधिकारियों ने इसके गठन के लिए आवश्यक चिकित्सा विज्ञान की अन्य धाराओं के डॉक्टरों के साथ एक उपलब्ध मेडिकल बोर्ड बनाने का निर्णय लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बिना किसी न्यूरोलॉजिस्ट के इस उपलब्ध मेडिकल बोर्ड के गठन के लिए अस्पताल अधिकारियों को उसी विशेष अदालत से अनुमति भी मिल गई है। विशेष बोर्ड के 24 नवंबर के आदेश के अनुसार, मेडिकल बोर्ड में एक हृदय रोग विशेषज्ञ, एक न्यूरोलॉजिस्ट और एक ईएनटी विशेषज्ञ को शामिल किया जाना था। आदेश में कहा गया है कि अगर एक बार मेडिकल बोर्ड भद्र की आवाज-नमूना परीक्षण करने के लिए हरी झंडी दे देता है, तो इसे एक फोरेंसिक विशेषज्ञ, एक सामान्य चिकित्सक और एक स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में किया जाना चाहिए। अगस्त में उनकी बाईपास सर्जरी के बाद से भद्र को वर्तमान में दक्षिण कोलकाता में सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रखा जा रहा है। मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बार-बार अस्पताल अधिकारियों पर भद्र की आवाज का नमूना परीक्षण करने में असहयोग करने का आरोप लगाया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मामले की जांच 31 दिसंबर तक समाप्त करने के निर्देश के बाद अब आवाज का नमूना परीक्षण अनिवार्य हो गया है। हाल ही में, पश्चिम बंगाल विधानसभा में ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) के एकमात्र प्रतिनिधि नौशाद सिद्दीकी ने भद्र के जीवन को खतरे पर आशंका व्यक्त की थी।

सिद्दीकी ने कहा, भद्र की आवाज इस संबंध में बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि उनकी आवाज की मदद ईडी के अधिकारी राज्य के शीर्ष प्रभावशाली लोगों के आवासों तक पहुंचने में सक्षम हो सकते हैं।

उमेश पाल हत्याकांड : अशरफ की पत्नी जैनब का घर पुलिस ने किया कुर्क, हटवा में मुनादी कराकर की गई कार्रवाई

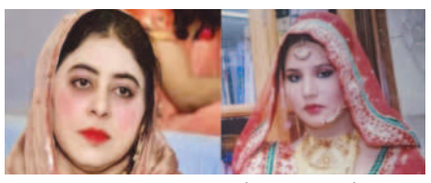

प्रयागराज, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अशरफ की पत्नी जैनब के घर की रविवार को कुर्की की गई। बड़ी संख्या में फोर्स के साथ धूमनगंज के हटवा पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जैनब के घर की कुर्की की। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से अशरफ की पत्नी फरार है। हाल ही में जैनब सहित उसके घर वालों पर वक्फ की प्रॉपर्टी बेचने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी बमबाज गुड्डू उर्फ गुड्डू मुस्लिम और शूटर साबिर के घर की कुर्की पुलिस ने शनिवार को किया था। गुड्डू मुस्लिम के चकिया स्थित चकनिरातुल और धूमनगंज के मरियाडीह स्थित साबिर के घर की कुर्की की गई थी। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर की गई। विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके दो सुरक्षा कर्मियों की दिनदहाड़े गोली मारकर 24 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। जिसमें माफिया अतीक अहमद का बेटा असद के साथ ही गुड्डू मुस्लिम, गुलाम हसन, साबिर और अरमान भी नजर आए थे। असद और गुलाम हसन को पुलिस ने झांसी में एनकाउंटर में मार गिराया था। गुड्डू मुस्लिम, अरमान और अरमान फरार चल रहे हैं। तीनों के ऊपर पुलिस ने पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है। अतीक और अशरफ की 15 अप्रैल, 2023 को मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय काल्विन अस्पताल के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल रात में अतीक अहमद और अशरफ को प्रयागराज में मेडिकल कॉलेज के पास मेडिकल के लिए ले जाया जा रहा था। अतीक और अशरफ मीडिया से बात कर रहे थे। तभी मीडियाकर्मी बनकर पहुंचे हमलावरों ने अतीक के सिर के पास गन सटाकर गोली मार दी थी। इस दौरान हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की थी। गोली लगते ही अतीक और उसका भाई अशरफ जमीन पर गिर पड़े थे और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

ढाका में देसी बम विस्फोटों में बैंक अधिकारी सहित दो घायल

ढाका, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। काम के बाद मोटरसाइकिल से घर जा रहे बांग्लादेश बैंक के एक अधिकारी समेत दो लोग घायल हो गए, क्योंकि अज्ञात बदमाशों ने राजधानी के व्यस्त फार्मगेट इलाके में दो देशी बम विस्फोट किए। घटना शाम करीब सवा सात बजे फार्मव्यू सुपर मार्केट के सामने हुई। घायलों में बांग्लादेश बैंक के संयुक्त निदेशक 56 वर्षीय मोहम्मद इमदादुल हक खान और समीद ग्रुप के 38 वर्षीय इंजीनियर मोहम्मद नजमुस शहादत आलम हैं। तेजगांव पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर (जांच) सरवर आलम खान ने कहा कि उन्होंने विस्फोट के बारे में सुना। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है।

पंजाब में बदला सभी स्कूलों का समय, सोमवार से लागू होगा नया टाइम टेबल, अब कितने बजे खुलेंगे

चंडीगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के कई जिलों में पड़ रही धुंध के कारण बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी, एडेड, मान्यता प्राप्त व निजी स्कूलों के समय में बदलाव किया है। अब स्कूल सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुलेंगे। यह आदेश सोमवार से लागू होंगे। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश पर यह कदम उठाया है। यह आदेश सारे प्राइमरी, मिडिल, हाई व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में लागू होंगे।

छाएगी घनी धुंध, येलो अलर्ट जारी

पंजाब में रात के तापमान में गिरावट जारी है। शनिवार को 0.9 डिग्री की कमी दर्ज की गई। इस तरह से दो दिनों में तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। उधर, मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इसके तहत पंजाब के ज्यादातर हिस्सों में खास तौर से सुबह के समय घनी धुंध छाई रहेगी। मौसम विभाग ने इस दौरान लोगों को वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है।

विभाग के मुताबिक घनी धुंध के कारण आने वाले दिनों में पंजाब में रात के तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। शनिवार को सबसे कम 8.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान मोगा के बुध सिंह वाला का रहा है। पंजाब के प्रमुख शहरों में अमृतसर का न्यूनतम तापमान 10.0, लुधियाना का 11.8, पटियाला का 11.0, पठानकोट का 10.4, बठिंडा का 9.6, फरीदकोट का 8.5, गुरदासपुर का 10.5, बरनाला का 9.2, फिरोजपुर का 9.0, जालंधर का 10.7, मोहाली का 12.6 और रोपड़ का 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में धूप खिली रहने के कारण अधिकतम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई लेकिन फिलहाल यह सामान्य के नजदीक ही बना है। सबसे अधिक 26.4 डिग्री सेल्सियस तापमान फरीदकोट का दर्ज किया गया। विभाग ने अगले चार दिन पंजाब में मौसम शुष्क बने रहने की भविष्यवाणी की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 3

युविचार

फिक्र में रहोगे तो खुद जलोगे,
बेफिक्र रहोगे तो दुनिया जलेगी !

प्रगति भवन को डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर प्रजा भवन कहा जाएगा : रेवंत

यह जीत तेलंगाना के शहीदों को समर्पित है

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि वह कांग्रेस पार्टी की जीत को तेलंगाना के शहीदों को समर्पित कर रहे हैं।

पार्टी की भारी जीत के बाद यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं को सोनिया गांधी को धन्यवाद देने का मौका देने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया। इस फैसले के माध्यम से, लोगों की आकांक्षाओं को लागू करने के लिए कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। 3 दिसंबर को तेलंगाना की जनता ने लोकतंत्र बहाल किया। तेलंगाना में भारत जोड़ो यात्रा 21 दिनों तक चली, राहुल गांधी ने राज्य के लोगों को आश्वासन दिया कि किसी भी कठिनाई की स्थिति में वह उनके साथ खड़े रहेंगे। राहुल ने मुझे और भट्टी विक्रमार्क को बहुत प्रोत्साहित किया।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का तेलंगाना से पारिवारिक रिश्ता है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं भट्टी विक्रमार्क, उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, श्रीधर बाबू, हनुमंत राव और अन्य की मदद से कांग्रेस पार्टी ने चुनाव जीता। हम प्रोफेसर कोदंडराम की सलाह और सुझाव लेंगे और आगे बढ़ेंगे। जनता ने कांग्रेस की जीत का स्पष्ट आकलन किया। केटीआर ने कांग्रेस की जीत का स्वागत किया। मैं उनकी प्रतिक्रिया का स्वागत करता हूं, एक विपक्षी दल के रूप में, मुझे उम्मीद है कि बीआरएस पार्टी हमारे साथ सहयोग करेगी, उन्होंने कहा, अब से सीएम कैंप कार्यालय प्रगति भवन को डॉ. बाबा साहब अंबेडकर प्रजा भवन के रूप में जाना जाएगा।

उन्होंने राज्य में कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने के लिए तेलंगाना जन समिति पार्टी के संस्थापक-अध्यक्ष प्रोफेसर कोदंडाराम, सहयोगी सीपीआई और पूर्व सीपीआई राज्यसभा सदस्य अजीज पाशा को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रगति भवन को लोगों की संपत्ति बताया और कहा कि इसका उपयोग लोगों के लाभ के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कल के भविष्य के लिए काम करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में 2004 से 2014 के बीच मिला जनता का शासन दिया जायेगा। उन्होंने बीआरएस नेतृत्व से एक विपक्षी दल के रूप में जिम्मेदारी से कार्य करने और रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया। उन्होंने सोनिया गांधी, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके भाईचारे और प्रेरणा के लिए और प्रियंका गांधी को पार्टी के चुनाव अभियान में समान रूप से भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव में अपनी ताकत दिखाई है और उन्होंने खम्मम और नलगोंडा जिलों में पार्टी को जीत दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

यह कहते हुए कि तेलंगाना के कार्यकर्ता श्रीकांत चारी 3 दिसंबर 2009 को शहीद हो गए थे, उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने श्रीकांत चारी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए एक अविश्वसनीय फैसला दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने पार्टी की भारी जीत सुनिश्चित करके उन्हें अधिक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने कहा कि वे राज्य में लोकतंत्र बहाल करेंगे और कहा कि कांग्रेस पार्टी विपक्षी दलों को कांग्रेस सरकार के फैसलों पर बहस करने का मौका देगी। उन्होंने कहा कि वे अपनी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए सभी विपक्षी राजनीतिक दलों को आमंत्रित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे चुनाव में पार्टी द्वारा किये गये सभी छह गारंटियों को लागू करेंगे।

केसीआर ने राज्यपाल को भेजा अपना इस्तीफा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस द्वारा बहुमत सीटें जीतने के बाद रविवार को राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को अपना इस्तीफा भेज दिया।

जब साफ हो गया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सत्ता बरकरार नहीं रखेगी, केसीआर ने एक अधिकारी के माध्यम से राजभवन को अपना इस्तीफा भेज दिया। उम्मीद थी कि केसीआर अपना इस्तीफा सौंपने राजभवन खुद जाएंगे। वह निजी कार में चुपचाप मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास प्रगति भवन से निकल गए, लेकिन राजभवन नहीं पहुंचे। बाद में पता चला कि उन्होंने अपना इस्तीफा एक अधिकारी के माध्यम से भेजा है।

बताया गया है कि मुख्यमंत्री मेदक जिले के एर्रावल्ली गांव स्थित अपने फार्महाउस के लिए रवाना हो गए हैं। केसीआर के इस रुख ने कई लोगों को चौंका दिया, वो काफिले में नहीं गए और यहां तक कि मार्ग की मंजूरी के बिना एक आम व्यक्ति के रूप में चले गए।

तेलंगाना : पेपर लीक से लेकर किसानों तक, कांग्रेस ने ऐसे रोका केसीआर का विजयरथ, पांच वजहों से समझें सबकुछ

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ तेलंगाना की तस्वीर अब स्पष्ट हो गई है। यहां विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस को पछाड़कर कांग्रेस आगे निकल गई है। 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस 60 सीटों के जादुई आंकड़े को पार कर गई है और सरकार बनाने जा रही है।

ऐसे में लोगों के मन में सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिर वो कौन से मुद्दे थे, जो बीआरएस के लिए भारी पड़ गए? कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन की वजह क्या है?

कांग्रेस ने सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाया :

2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होने के बाद तेलंगाना में पहली सरकार बनाई थी। वहीं, 2018 में पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला। दोनों बार पार्टी 'स्वर्णिम तेलंगाना' बनाने के वादे पर राज्य में सत्ता में आई थी। हालांकि, किसानों, युवाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए वादों को न पूरा करने पर बीआरएस की पकड़ कमजोर हुई और यह केसीआर के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर बनकर उभरी। वहीं, विपक्ष में कांग्रेस ने जनता के बीच इस असंतोष का फायदा उठाया। इसके साथ ही कांग्रेस ने राज्य में बेरोजगारी, कृषि संकट, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विकास की कमी के मुद्दों को जनता के सामने रखा।

बेरोजगारी की समस्या भी राज्य में केसीआर सरकार की पकड़ को कमजोर करने की एक बड़ी वजह रही। वहीं, कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दे उठाए। 2014 में पहली बार सत्ता में आने वाली बीआरएस ने युवाओं को रोजगार देने का वादा किया, लेकिन पिछले 10 सालों में आपेक्षित नौकरियां उपलब्ध नहीं करा पाईं। भर्तियों के मुद्दे पर राज्य में आए दिन बेरोजगार धरना-प्रदर्शन होते रहे। भर्तियों में देरी और इंटर, पीएससी परीक्षाओं का लीक होना और ग्रुप परीक्षाओं का स्थगन बीआरएस को युवाओं से दूर करता गया।

पिछले विधानसभा चुनाव में बीआरएस सरकार ने बेरोजगारों को भत्ता देने का एलान भी किया गया था, जिसको लागू नहीं करने से युवाओं में गुस्सा देखा गया। यही कारण है कि युवाओं को रिझाने के लिए बीआरएस ने चुनाव से कुछ महीने पहले 'विद्यार्थी और युवजन' जैसे कार्यक्रम शुरू किए। हालांकि, मंत्री केटीआर का दावा है कि राज्य सरकार ने दो लाख युवाओं को नौकरियां देने का अपना काम किया।

योजनाओं में अनियमितता से टूटा लोगों का भरोसा :

राज्य में केसीआर सरकार ने कई योजनाएं शुरू कीं, लेकिन इनमें लोगों की अनियमितता की शिकायत रही। सरकार की ओर से एक पोर्टल 'धरणी' बनाया गया था, जिसको लेकर आरोप लगाया गया कि पोर्टल के कारण बटाईदार किसानों और काश्तकारों को काफी नुकसान हुआ। लोगों ने शिकायत की कि इससे केवल जमींदारों को लाभ हुआ है। कई स्थानों पर लोगों को वितरित की गई जमीनें असल में जमींदारों के नाम पर भी हैं।

केसीआर सरकार ने दलित समाज के लिए दलितबंधु योजना शुरू की थी। आरोप लगाए गए कि योजना का दुरूपयोग किया गया। केवल सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों और खासकर विधायकों से जुड़े लोगों को ही दलित बंधु योजना का फायदा मिला है, जिसमें कट-कमीशन के भी आरोप लगे।

बीआरएस सरकार के गठन के बाद डबल बेडरूम घर नाम से एक योजना शुरू की गई थी जो सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है। आरोप लगे कि सरकार गरीबों और वंचित तबकों को डबल बेडरूम का घर देने में सफल नहीं हो पाई। इसके अलावा महत्वाकांक्षी कालेश्वरम परियोजना में मेदिगड्डा बैराज में भ्रष्टाचार के आरोप लगे है। इसमें गुणवत्ता संबंधी खामियां भी बताई गईं।

कर्नाटक के बाद तेलंगाना में काम आईं कांग्रेस की गारंटियां

इस चुनाव में राज्य में महिलाओं, आदिवासियों और किसानों से जुड़े मुद्दे भी हाबी रहे। इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने जहां सरकार को घेरा तो वहीं सरकार में आने पर सभी वर्गों के लिए काम करने का वादा किया। खासकर महिला वोटर को साधने के लिए कर्नाटक की तरह तेलंगाना में कांग्रेस ने गारंटियों की बात की।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कई मौकों पर कर्नाटक विधानसभा में पार्टी द्वारा किए गए चुनावी वादों का जिक्र किया।

इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मतदाताओं को लुभाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं और लोकलुभावन वादे पेश किए। इनमें से महिलाओं के लिए महालक्ष्मी, इंदिरम्मा और गृहज्योति जैसे योजनाएं शुरू करने का वादा किया।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक सिकंदराबाद स्थित अग्रसेन भवन में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा ट्रस्ट के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी

देते हुए बताया कि सर्व प्रथम अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। पिछली मीटिंग की मिनट्स सर्व सम्मति से पारित किए गए। बैठक में भवन को वस्तु के हिसाब से ठीक करने हेतु एक कमेटी बनाई गई जिसमे मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल सम्मिलित थे।

उनकी रिपोर्ट के अनुसार उत्तर पूर्व दिशा में प्रवेश द्वार बनाने का निर्णय लिया गया तथा वास्तु अनुसार ज़मीनी लेवल ठीक करवाने हेतु निर्णय लिया गया। यह कार्य 31 दिसंबर तक पूर्ण करने हेतु कमेटी से आग्रह किया गया । शनिवार 18 नवम्बर 2023 को दीपावली मिलन अन्नकुट प्रसाद एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमे क़रीब 500 से ज़्यादा सम्माननीय सदस्य उपस्थित हुए। इस प्रकार के प्रथम आयोजन हेतु सभी ने ट्रस्ट की सराहना की। बैठक में डायलिसिस सेंटर लगाने हेतु विचार किया गया। इसके लिए नरेंद्र कुमार गोयल, गोपाल चंद अग्रवाल, गोविंद गुप्ता, प्रमोद कुमार आगरा वाले की कमेटी बनाई गई तथा रिपोर्ट अगली मीटिंग में देने का आग्रह किया गया।

बैठक में चेयरमैन अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी गण श्री किशन अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, कैलाश चंद अग्रवाल आदि उपस्थित थे। मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

कोदंडराम ने पार्क स्मारक में श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा विधानसभा की अधिकांश सीटों पर जीत हासिल करने के तुरंत बाद, टीजेएस पार्टी प्रमुख प्रोफेसर कोदंडराम ने खुशी व्यक्त की और विधानसभा भवन के सामने गन पार्क तक मार्च किया और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। इस बीच, उग्र कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली में टीजेएस कार्यालय में इस अवसर पर जश्न मनाया।

हैट्रिक पारी को तोड़, पहली बार खिला कमल

निर्मल, मुधोल में कार पंचर, मोदी का चला जादू

निर्मल, 3 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के तीसरे विधान सभा चुनाव के परिणाम आ चुके है। 30 दिसंबर गुरुवार को हुई वोटिंग की रविवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना की गई, जिसमे सभी निर्वाचन के 14 टेबल 22 राउंड किए गए। निर्मल जिले के तीन निर्वाचन क्षेत्र से कुल 78.48 प्रतिशत की वोटिंग की गई है जिसमें निर्मल निर्वाचन क्षेत्र से कुल 77.28 प्रतिशत (1,95757), खानापुर में 78.18 प्रतिशत (1,72,412), मुधोल निर्वाचन क्षेत्र से कुल 80.56 प्रतिशत (2,01,044) वोटिंग हुई है। निर्मल निर्वाचन से

भाजपा उम्मीदवार एलेटी महेश्वर रेड्डी ने 50,086 (26.16 प्रतिशत) से सबसे अधिक बहुमत के साथ बीआरएस उम्मीदवार मंत्री आइके रेड्डी पर जीत हासिल की है। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पवार रामराव पटेल ने 23,585 (12.50 प्रतिशत) के भारी बहुमत बीआरएस पार्टी उम्मीदवार गड्डीकारी विट्ठल रेड्डी पर जीत हासिल की। खानापुर में कांटे की टक्कर देखने को मिली से कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार वेदमा बोज्जू ने 4,289 (2.5 प्रतिशत) के बहुमत से बीआरएस पार्टी उम्मीदवार झांसन नायक भुक्य और भाजपा उम्मीदवार रमेश राठौड़ दोनों उम्मीदार पर जीत हासिल की है। निर्मल के तीन निर्वाचन क्षेत्र से (2) निर्मल, मुधोल पर भाजपा ने किया कब्जा किया एक पर कांग्रेस पार्टी ने कब्जा किया। जिले में भाजपा की जीत पर खुसी की लहर है। निर्मल में पॉलीटेक्निक कॉलेज से बाहर आने पर भाजपा उम्मीदवारों के सात पार्टी नेता कार्यकर्ताओं का जन सैलाब उमड़ा हुआ था। निर्मल से भैंसा तक सभी गांव में डीजे पर कार्यकर्ता नाचते, आतिशबाजी करते, मिठाइयां बांटते नजर आए।

कांग्रेस पार्टी की जीत का स्वागत : तम्मिनेनी वीरभद्रम

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव तम्मीनेनी वीरभद्रम ने आज हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत का स्वागत किया। एक बयान में उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी चुनाव हार गयी है. उन्होंने कहा कि नतीजों से पता चला है कि लोगों ने बीआरएस पार्टी के पिछले 10 वर्षों के शासन के अलोकतांत्रिक और अवसरवादी रवैये को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि नतीजों से पता चलता है कि बीजेपी के वोटों और सीटों में बढ़ोतरी से राज्य में कट्टरता का खतरा कम नहीं हुआ है। उन्होंने राज्य की धर्मनिरपेक्ष ताकतों को अधिक सतर्क रहने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के आखिरी चरण में सीपीआई (एम) को अकेले ही मैदान में उतरना पड़ा। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा कि दो राजनीतिक दलों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा, करोड़ों रुपये के धन के प्रवाह और अंतिम समय में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने के दबाव के कारण पार्टी का मतदान कुछ हद तक बाधित हुआ। हालांकि, हम परिणामों पर गहराई से गौर करेंगे और त्रुटियों को सुधारने का प्रयास करेंगे।

गवर्नमेंट हाईस्कूल में शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई गई

'साथी हाथ बढ़ाना' संस्था आगे आई

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'साथी हाथ बढ़ाना' संस्था द्वारा इसमिया बाज़ार स्थित सरकारी विद्यालय में प्राइमरी कक्षा से हाई स्कूल तक के 300 विद्यार्थियों को शिक्षा से संबंधित आवश्यक सामग्री में लॉन्ग नोट बुक्स, पेंस, बैठने के लिए शतरंजियां भेंट की गई। साथी हाथ बढ़ाना संस्था के संस्थापक राम गोपाल गुप्ता ने बताया कि भविष्य में आगे भी हर संभव सहायता करने का काम जारी रखेंगे। गोविंद अग्रवाल के नेतृत्व में इस सेवा कार्य को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस कार्य में शारदा गुप्ता, गणेश अग्रवाल, राखी अग्रवाल, मंजेश्वरी गुप्ता, सरला अग्रवाल, आरती अग्रवाल ने भी इस अवसर पर सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर गवर्नमेंट हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक के सीताराम शास्त्री, चेयरमैन दुर्गाबाई ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बजरंग सेना तेलंगाना टीम ने एन.आर.लक्ष्मण राव अध्यक्ष बजरंग सेना तेलंगाना के नेतृत्व में गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा विधायक सीट और तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, में भाजपा की जीत पर जश्न मनाते हुए सूर्या शुक्ला, सुनील अग्रवाल, करण वोरा, मधु चौधरी, संकेत सोनी, अरुण सिंह, शक्ति, आशीष, विजय मुदिराज, राहुल रचेरला, शिवा, सतीश, पवन, आनंद, पवन पुरोहित, और समस्त बजरंग सेना टीम।

तिरुमला में कार्तिक स्नान तिरुमंजनम आयोजित

तिरुमाला, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक वनभोजनम के मद्देनजर रविवार को तिरुमाला के वैभवोत्सव मंडपम में उत्सव देवताओं के लिए स्नैपना तिरुमंजनम आयोजित किया गया। आमतौर पर, टीटीडी परुवेता मंडपम में कार्तिक के शुभ महीने में वनभोजनम मनाता है। लेकिन चक्रवात की चेतावनी के मद्देनजर, इस वर्ष आयोजन स्थल को तिरुमाला मंदिर के सामने वैभवोत्सव मंडपम में स्थानांतरित कर दिया गया। स्नैपनम के बाद भक्तों को अन्न प्रसाद वितरित किया गया। टीटीडी ने इस घटना को देखते हुए आज के लिए अर्जित सेवा रद्द कर दी है। मंदिर के उप निदेशक लोकनाथम, मंदिर के पेशकार श्रीहरि, पोटू पेशकर श्रीनिवासुलु और अन्य भी उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, T.SUJATHA, Legally wedded spouse of Ex Hav Thati Ganesh, R/o:30-647/1/3/7, 2nd floor, Simhadri Nagar, Malkajgiri, Hyderabad-500056 havechanged my name from T.Sujatha to THATI SUJATHA and My DOB is :15-07-1983 vide affidavit dt.01/12-23, duly signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी गोकशी मामलों की डिटेल, कहा- गंभीरता से देखें

प्रयागराज, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को निर्देश दिये कि प्रदेश के विभिन्न थानों में दर्ज गोकशी के मामलों को गंभीरता से देखें। इसके अलावा, अदालत ने पुलिस आयुक्त को एक प्रगति रिपोर्ट भी दाखिल करने का निर्देश दिया जिसमें यह जानकारी हो कि गोकशी के कितने मामले प्रयागराज जिले में दर्ज हैं, कितने मामलों में जांच चल रही है और कितने मामलों में आरोपपत्र एवं अंतिम रिपोर्ट दाखिल की गई है। सैफ अली खान नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने अगली तारीख 18 दिसंबर 2023 निर्धारित की है। सैफ अली खान पर गोकशी

का आरोप है और 2019 में उसके पास से 1.5 क्विंटल गोमांस बरामद किया गया था। प्रयागराज के पुलिस आयुक्त रमित शर्मा अदालत में पेश हुए और गोकशी के मामले रोकने के लिए उठाये गए कदमों के संबंध में जानकारी देते हुए एक हलफनामा दाखिल किया।

कोर्ट ने असंतोष किया जाहिर

अदालत ने इस हलफनामे को रिकॉर्ड में लिया, लेकिन पुलिस अधिकारियों द्वारा गोकशी को रोकने के लिए किये गये प्रयासों पर असंतोष जाहिर किया। हालांकि, राज्य सरकार के वकील के अनुरोध पर अदालत ने दोबारा से हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह की मोहलत दी। इसके साथ ही अदालत ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को अगली तिथि पर व्यक्तिगत रूप से पेशी से छूट दी।

पुलिस कमिश्नर को किया था तलब

सैफ अली खान की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत अर्जी पर इससे पहले कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को तलब किया था। इस दौरान याची के खिलाफ चार सालों से विवेचना पूरी न होने पर नाराजगी जताई थी। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने बिना शर्त माफी मांगते हुए हलफनामा दाखिल कर जानकारी मुहैया कराई थी। इसे कोर्ट ने संतोषजनक नहीं माना। इसके बाद अपर महाधिवक्ता पीके गिरि ने बेहतर हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा। समय देते हुए कोर्ट ने केस की सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तिथि तय कर दी है। जस्टिस शेखर कुमार यादव की सिंगल बेंच ने आदेश दिया।

पुलिकर्मियों ने बिजनेसमैन का कराया अपहरण और मांगी फिरौती, ऐसे खुला मामला

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बदमाशों के साथ मिलकर दो पुलिसकर्मियों ने एक कपड़ा कारोबारी को अगवा कर उसे बंधक बनाकर फिरौती मांगने की घटना को अंजाम दिया। मिली जानकारी के मुताबिक,बिजनौर के कपड़ा व्यापारी इश्तियाक से अगवा कर उसे बंधक बनाकर फिरौती मांगने के मामले में लखनऊ के दो पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि हिस्ट्रीशीटर के साथ मिलकर दोनों पुलिसकर्मियों ने घटना को अंजाम दिया। बता दें कि बिजनौर के रहने वाले इश्तियाक कपड़े का व्यापार करते हैं और इसी के चलते वह विगत 29 नवंबर को आजमगढ़ में कपड़ा बेचने गए थे।

विधानसभा चुनावों की काउंटिंग के बीच अनुप्रिया पटेल ने यूपी में सीट शेयरिंग पर किया बड़ा दावा, बीजेपी की बढ़ी मुश्किल

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के चार राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना) के विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी किए जा रहे हैं। इन चुनावों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल करार दिया जा रहा है। जिसे देखते हुए सियासी हलचल भी तेज है। इसी बीच केंद्रीय राज्य मंत्री और अपना दल (एस) की नेता अनुप्रिया पटेल ने सीट शेयरिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए बीजेपी के साथ सीट-बंटवारे समझौते के सवाल पर केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो सीटों पर हमारे सांसद हैं। हमने सीट बंटवारे पर अभी तक बीजेपी के साथ चर्चा नहीं की है। इस संबंध में सही समय पर चर्चा की जाएगी। हम एनडीए के एक महत्वपूर्ण घटक हैं और हमने चार चुनाव (2014, 2017, 2019, 2022) एक साथ लड़े हैं और भविष्य में भी गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। अपना दल (सोनेलाल) प्रमुख अनुप्रिया पटेल जाति जनगणना के पक्ष में भी हैं। उन्होंने शनिवार को कहा था कि उनकी पार्टी जाति जनगणना के सपोर्ट में है और उनके सहयोगी इसके बारे में जानते हैं। अपना दल (एस) ने संसद और एनडीए की बैठकों में हर मंच पर जाति जनगणना के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए हैं।

अनुप्रिया पटेल ने और क्या कहा?

उन्होंने आगे कहा कि हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि हम जाति जनगणना के पक्ष में हैं, हम यह चाहते हैं और हमारी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी इस बात से पूरी तरह अवगत है। ये पूछे जाने पर कि क्या अपना दल (एस) मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के प्रयास कर रहा है, पटेल ने कहा कि उनकी पार्टी सामाजिक न्याय की राजनीति करती रही है। हम पिछड़े और कमजोर वर्गों के लिए काम कर रहे हैं।

झोपड़ी में आग लगने से तीन बच्चे जिंदा जले, पिता की हालात नाजुक

फिरोजाबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में देर रात एक झोपड़ी तीन बच्चों की चिता बन गई। घटना फिरोजाबाद जिले के जसराना थानाक्षेत्र के गांव खड़ीत स्थित बंजारों की बस्ती की है। देर रात झोपड़ी में आग लगने के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। लोगों ने झोपड़ी के अंदर फंसे परिवार को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक तीन बच्चे और उनके पिता गंभीर रूप से झुलस चुके थे। हालांकि गांव वालों ने काफी मशक्कत के बाद बच्चों की मां को बाहर निकाल लिया। वह मामूली रूप से झुलसी हैं। दरअसल, फिरोजाबाद जिले के जसराना थाना क्षेत्र के गांव खड़ीत में शनिवार रात करीब 11 बजे बंजारों की बस्ती की एक झोपड़ी में आग लग गई। इस दौरान उसमें सो रहे परिवार को बाहर निकलने का भी मौका नहीं मिला। हादसे में तीन बच्चों की जिंदा जलने से मौत हो गई। जबकि पिता की हालत भी गंभीर है। बताया जा रहा है कि डेरा बंजारा में रहने वाले शकील शनिवार रात को खाना खाकर पत्नी नेमजादी, बच्चे अनीश, सामना और रेशमा के साथ झोपड़ी में सोए थे। इसी दौरान देर रात अज्ञात कारणों से लगी आग ने पूरी झोपड़ी को अपने आगोश में ले लिया। आग की तेज लपटें उठने पर जागे परिवार ने बचने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन इसमें वे कामयाब नहीं हो पाए। घटना में नेमजादी को छोड़कर चारों गंभीर रूप से झुलस गए। उनकी चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए। उन्होंने किसी तरह आग बुझाई और एंबुलेंस बुलाकर सभी को ट्रामा सेंटर लेकर आए।

यहां अनीश और सामना को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। आगरा में रेशमा की भी मौत हो गई। शकील के परिवार को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था। झोंपड़ी के पास ही मकान बन रहा था। दीवारें खड़ी हो गई थीं। लिंटर पड़ना बाकी थी। इसीलिए परिवार झोंपड़ी में सो रहा था। एसपी ग्रामीण कुमार रणविजय ने बताया कि रात एक बजे अस्पताल प्रशासन से सूचना मिलने पर पुलिस को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम गांव पहुंची। पिता की हालत गंभीर है, मां ज्यादा नहीं झुलसी है

हांफ रही नीतीश सरकार

केंद्र से नहीं मिली समग्र शिक्षा की पूरी राशि, इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य बाधित

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य में शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार लाने की जतन में जुटी नीतीश सरकार वित्तीय मोर्चे पर हांफ रही है। धन मुहैया कराने के मामले में केंद्र सरकार ने बेरुखी अख्तियार कर रखी है। समग्र शिक्षा अभियान में स्वीकृत राशि देने के प्रश्न पर केंद्र और राज्य सरकार के बीच पत्राचार की जंग छिड़ी हुई है। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा में बिहार के लिए 8796 करोड़ 52 लाख रुपये की स्वीकृति दे रखी है, लेकिन इसके विरुद्ध 787 करोड़ रुपये ही मिला है। इसमें राज्यांश 524 करोड़ 73 लाख रुपये को मिलाकर शिक्षकों के वेतनादि पर खर्च हो चुके हैं। असली संकट सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना का निर्माण कार्य ठप होना है जिसके लिए केंद्र सरकार ने अब तक कोई राशि नहीं दी है।

साढ़े पांच लाख शिक्षकों को वेतन भुगतान के लिए आकस्मिक निधि सहारा

इस साल सेंट्रल प्रोजेक्ट एप्रुवल बोर्ड ने समग्र शिक्षा अभियान में प्रदेश को कुल 12,211.62 करोड़ रुपये की स्वीकृति दे रखी है। इसमें राज्यांश 3415 करोड़ 10 लाख रुपये शामिल है। शिक्षा विभाग के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि केंद्रांश राशि नहीं मिलने से विद्यालयों के लिए नये भवनों का निर्माण एवं पुराने भवनों की मरम्मत समेत अन्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना संबंधी विकास कार्य प्रभावित हो रहा है।

4.27 लाख शिक्षकों के लिए आकस्मिक निधि का इंतजाम

अभी तक चार लाख सताइस हजार शिक्षकों को वेतन भुगतान के लिए राज्य सरकार ने आकस्मिक निधि के तहत पैसे का इंतजाम किया है, लेकिन यह कब तक चलेगा, कहना मुश्किल है। ऊपर से बिहार लोक सेवा आयोग से नवंबर में नियुक्त किए गए एक लाख दस हजार शिक्षकों को वेतन भुगतान भी किया जाना है। जाहिर, शिक्षकों को वेतन भुगतान का संकट गहराने की संभावना है। बहरहाल, सरकार राज्य योजना मद से निधि का इंतजाम करने में जुटी है। शिक्षकों को प्रशिक्षण मद में भी नहीं कराई गई राशि उपलब्ध : राज्य सरकार केंद्रांश की राशि को लेकर केंद्र सरकार के साथ पत्राचार तो कर रही है, लेकिन उसका कोई खास रिस्पांस नहीं मिल रहा। इसके चलते सरकारी विद्यालयों में इफ्रांस्ट्रक्चर का कार्य ठप है। शिक्षण कार्य में गुणात्मक सुधार के लिए केंद्र सरकार द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए भी राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह राशि समग्र शिक्षा अभियान से ही जुड़ी है। इसके लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्य प्रभावित है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि समग्र शिक्षा अभियान में केंद्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत तय है। फिर भी केंद्र सरकार हर साल तय राशि को भी घटाती जा रही है।

माध्यमिक शिक्षकों के वेतन में भी नहीं मिला पैसा

चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार ने माध्यमिक शिक्षा में 664.42 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दे रखी है, लेकिन अब तक महज 87.31 करोड़ रुपये उपलब्ध कराया गया है। जबकि नवंबर,2023 तक राज्य सरकार माध्यमिक शिक्षा में विकास कार्यों पर 145.51 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। पिछले साल केंद्र सरकार से मध्यामिक शिक्षा में स्वीकृत राशि 1105 करोड़ रुपये में 35 प्रतिशत राशि की कटौती कर दी गई थी। इसका असर माध्यमिक विद्यालयों के भवनों के निर्माण एवं मरम्मत पर पड़ा है।

महिला को जूता से मारने की दी थी धमकी, कौशांबी में कोतवाल पर कोर्ट की कार्रवाई, केस दर्ज

कौशांबी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में महिला को जूता से मारने की धमकी देना कोतवाल पर भारी पड़ गया। ढाई माह पहले ससुरालियों की ओर से उत्पीड़न की शिकायत लेकर महिला करारी थाना पहुंची थी। इस दौरान कोतवाल ने विवाहिता को जूता मार कर भगाने की धमकी दी। केस दर्ज करने से मना कर दिया। इस मामले को लेकर कोर्ट पहुंची विवाहिता की शिकायत को गंभीरता से लिया गया। कोतवाल के मामले को कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कड़ी नसीहत दी है। संवैधानिक पद पर बैठ कर महिलाओं की उपेक्षा और अभ्रदता को गंभीर अपराध मानते हुए कोर्ट ने एसपी को आदेश दिया कि तत्कालीन कोतवाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सीओ स्तर के अफसर से जांच कराएं। क्या है पूरा मामला? करारी थाना क्षेत्र के रहीमपुर मोलानी गांव की विवाहिता अनीश फात्मा ढाई माह पहले ससुरालियों की ओर से किए जा रहे उत्पीड़न की शिकायत लेकर करारी कोतवाली गई थी। अनीश फात्मा के मुताबिक, 27 जनवरी 2023 को गांव के ही मो। रजा से शादी होने के बाद ससुरालियों की ओर से दहेज के लिए परेशान किया गया। उसका का मुकदमा इन दिनों न्यायालय के अधीन है। 16 सितंबर की रात लगभग 9।30 बजे वह अपनी दो बहनों व मां के साथ पड़ोसी लाला पुत्र अवसाफ के यहां मजलिस में सामिल होने गई थी। उसी समय मो। रजा अपने घर वालों के साथ आकर उसे गाली गलौच देने लगा। इसका विरोध करने पर उसे मारा पीटा गया। आरोप है कि मो। रजा ने गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके पिता के साथ पिटाई भी की गई। इसकी शिकायत लेकर विवाहिता 17 सितंबर की सुबह थाने गई थी। इसी समय तत्कालीन कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह ने उसे गाली गालौच करते हुए जूतों से पीटने और जेल भेजने की धमकी दिया। इस पूरे मामले का आडियो रिकार्डिंग भी सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ। हालांकि, एसपी ने कोतवाल को थाना से हटाकर साइबर क्राइम प्रभारी बना दिया। लेकिन, कोतवाल को उसके किए की सजा देने की जिद पर अड़ी विवाहिता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी को कोतवाल गणेश प्रसाद के खिलाफ केस दर्ज कर जांच सीओ स्तर के अधिकारी से कराने के निर्देश दिए हैं।

यूपी के कासगंज में धारा 144 लागू, डीएम ने जारी किए आदेश

बिना अनुमति के लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर बैन

कासगंज, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला मजिस्ट्रेट सुधा वर्मा ने शांति व्यवस्था और जन सुरक्षा बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञाएं पारित की है, जो 22 जनवरी तक प्रभावी रहेगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही निर्धारित डेसीबल से अधिक आवाज पर डीजे या लाउडस्पीकर नहीं बजा सकते हैं।

अफवाहें फैलाने वालों पर एक्शन

सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से झूठी अफवाहें फैलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा कार्यक्रम या अन्य माध्यमों से सांप्रदायिक सद्भाव व सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का

प्रयास नहीं किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति आग्नेय अस्त्र या विस्फोटक पदार्थ लेकर नहीं चलेगा और न ही लाइसेंसी अस्त्र और शस्त्रों का प्रदर्शन करेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस की परखी हकीकत

संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाले मामलों को निस्तारण में लापरवाही पर मंडलायुक्त रविंद्र झल्ला उठे। ढोलना क्षेत्र के गांव किनावा के एक मामले को लेकर न सिर्फ थाना प्रभारी को लताड़ा, राजस्व निरीक्षक को तो प्रतिकूल प्रविष्टि दे दी। और भी कुछ ऐसे ही मामलों में थाना प्रभारी और राजस्व निरीक्षकों को उन्होंने झिड़का।

पुराने निस्तारित मामले देखे

तहसील सदर पर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे मंडलायुक्त ने पिछले दिवसों में निस्तारित किए गए मामलों को अवलोकन किया। किनावा के मामले में उन्हें जानकारी हुई कि जिस भूमि पर पुलिस और राजस्व टीम ने पहुंचकर कब्जा हटवाया था और पत्थर लगाकर चिह्नांकन किया था, वहां आरोपित पक्ष ने फिर से कब्जा कर लिया और पत्थरों को उखाड़ दिया। इस पर उन्होंने शिकायतकर्ता को बुलाकर पूछताछ की। फिर थाना प्रभारी को लताड़ा। इसके बाद राजस्व निरीक्षक राजकुमार गौतम को परतिकूल प्रविष्टि के आदेश कर दिए। दिए निर्देश इसी के साथ निर्देश दिए कि मामला का जल्द निस्तारण कर दोषी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जाए। ऐसे और भी कुछ मामले उनके सामने आए। इन पर उन्होंने संबंधित थाना प्रभारी और राजस्व निरीक्षको को झिड़का। साथ ही चेतावनी दी कि यह मामले तो ठीक से निस्तारित हों ही, आगे इस तरह की कोई शिकायत न मिले। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 115 शिकायतें पहुंचीं, इनमें से सात का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। इस असर पर मंडलायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस जनता की समस्या और शिकायतों को गंभीरता से सुनें और गुणवत्तापरक तरीके से निस्तारण करें।

सख्त हिदायत दी

किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इसके बाद उन्होंने शिकायत पंजिका का अवलोकन किया। शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक कर जनता को लाभांवित कराना है। इस यात्रा को सफल बनाने में सभी लोग तन्मयता के साथ काम करें। समाधान दिवस में कब्जा, बंटवारा, पैमाइश, चकरोड, उत्पीड़न, पेंशन, राशन कार्ड, विद्युत आदि से संबंधित मामले आए। इस दौरान डीएम सुधा वर्मा, एसपी सौरभ दीक्षित, सीडीओ सचिन, सीएमओ डा। राजीव कुमार, एसडीएम संजीव कुमार, सीओ अजीत सिंह चौहान उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार से हावड़ा जा रही थी चंबल एक्सप्रेस, अचानक दो हिस्सों में बंट गई,

बांदा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा में दोपहर झांसी बांदा प्रयागराज रेल रूट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां चंबल एक्सप्रेस सुपरफास्ट ट्रेन कप्लर टूटने की वजह से चलते चलते दो हिस्सों में बंट गयी। ट्रेन के दो हिस्सों में बंटा देख यात्रियों में थोड़ी देर के लिए अफरातफरी का माहौल हो गया। इसके बाद सूचना पर तत्काल तकनीकी टीम मौके पर पहुचीं और कप्लर को बनाकर ट्रेन को वहां से रवाना किया। झांसी डीआरएम के पीआरओ मनोज कुमार ने बताया कि कप्लर बनने के बाद ट्रेन को सकुशल रवाना कर दिया गया। इस घटना में जानमाल की कोई क्षति नहीं हुई है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि ट्रेन नम्बर 12176 चंबल एक्सप्रेस जो ग्वालियर से हावड़ा जा रही थी। अचानक 3 बजे के आसपास बांदा से कुछ किलोमीटर पहले खैरार रेलवे स्टेशन के पास बोगी नम्बर एस6- एस7 के बीच का कप्लर टूट गया।

सीएम का फर्जी हस्ताक्षर कर भेजा पत्र

बुलंदशहर की महिला को गोरखपुर पहुंचने पर हुई जानकारी; जालसाजी का केस दर्ज

गोरखपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर की महिला को नारी शक्ति मिशन का पदाधिकारी बनाए जाने की जानकारी देकर जालसाज ने गोरखपुर बुलाया। यहां पहुंचने पर पता चला कि मुख्यमंत्री का हस्ताक्षरयुक्त पत्र फर्जी है। महिला ने जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मिलकर जालसाजी की जानकारी दी। कैंट थाना पुलिस नारी शक्ति मिशन का सचिव बता पत्र जारी करने वाले दिनेश चौधरी के विरुद्ध जालसाजी का मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। बुलंदशहर के शेखूपुर, रौरा की रहने वाली रीना चौधरी ने प्रार्थना पत्र में लिखा है कि दिनेश चौधरी-प्रधान सचिव (नारी शक्ति मिशन 2024) की तरफ से उनको पत्र भेज 30 नवंबर को दिन में एक बजे गोरखपुर मठ कार्यालय पर बुलाया गया था। यही नहीं नारी शक्ति विशेष पदाधिकारी के रूप में उन्हें 30 नवम्बर की शाम 4.30 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा चार केन्द्रीय व सात राज्य कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में होने वाली बैठक में शामिल होने की जानकारी दी गई। पत्र में लिखा गया था कि 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जब बुलंदशहर दौरे पर गए थे उस दौरान आप का नाम (रीना चौधरी) ब्लाक की तरफ से भारतीय जनता पार्टी में विशेष जिम्मेदारी देने के लिए आया था, लेकिन समयाभाव में ऐसा नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही 30 नवंबर को इस जिम्मेदारी को ग्रहण करने के लिए बुलाया जा रहा है। गोरखपुर पहुंचने पर उन्हें जालसाजी किए जाने की जानकारी हुई। एसएसपी डा। गौरव ग्रोवर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने सरकार पर साधा निशाना, कहा-जनता की अधिकारी नहीं सुनते

कौशाम्बी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कौशाम्बी में सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कौशांबी में कुछ दिनों पहले सामूहिक हत्या हुई। इसके बाद दुष्कर्म पीड़िता को मार डाला गया। यहां के अधिकारी जनता की नहीं सुनते हैं। सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। आने वाला समय और खराब होगा। व्यापारी परेशान किए जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि अब सरकार का अधिकारियों पर नियंत्रण पूरी तरह से समाप्त हो गया है। इसी

वजह से हर ओर वसूली की जा रही है। कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़ समेत पूरे प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। कहा कि कौशाम्बी में संविधान दिवस पर बाबा साहब की प्रतिमा खंडित कर दी गई। अधिकारियों के मन से सरकार का खौफ मिट गया है।

सफारी पार्क में पैरालाइज बब्बर शेर केसरी की मौत:पूंछ में पड़ गई थी गांठ

खून को रोकने के लिए करना पड़ा था डाक्टर्स को ऑपरेशन

इटावा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इटावा सफारी पार्क से एक और बुरी खबर आई है। यहां लंबे समय से बीमार बब्बश शेर केसरी की मौत हो गई। केसरी ने इटावा सफारी पार्क में 15 अप्रैल 2020 को जन्म लिया था। शेर की तीन साल सात महीने 17 दिन की आयु में मौत हो गई। सफारी प्रशासन ने बब्बर शेर केसरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए आईवीआरआई बरेली भेज दिया है। बताया जा रहा है कि केसरी की पूंछ में अप्रैल में घाव हो गया था। जिसकी सर्जरी के बाद से पैरों

में ड्रैगिंग देखी गई। इसके बाद से लगातार वह बीमार चल रहा था। सफारी पार्क के साथ-साथ अन्य संस्थानों के विशेषज्ञ लगातार निगरानी कर रहे थे। लेकिन चल फिर ना पाने के कारण आखिर में केसरी की मौत हो गई। लगातार वन्यजीवों की मौतों को लेकर सपा प्रमुख ने एक्स (ट्वीट) कर हमला बोला है। सफारी पार्क के प्रजनन केंद्र में शेर मनन और शेरनी जेनिफर से 15 अप्रैल 2022 को शेर केसरी का जन्म हुआ था। 25 अप्रैल 2023 से केसरी का स्वास्थ्य खराब चल रहा था। पूंछ में उसकी गांठ पड़ गई थी। वहां पर घाव हो जाने के कारण रक्तश्राव को रोकने के लिए सर्जरी करनी पड़ी थी। डॉक्टरों को उसकी पूंछ काटनी पड़ी। इसके बाद केसरी के पीछे का हिस्सा ड्रैगिंग (लकवाग्रस्त) बीमारी से ग्रस्त हो गया था। सफारी पार्क की चिकित्सा टीम लगातार उसका इलाज कर रही थी। साथ ही मथुरा वेटनरी, आईवीआरआई बरेली समेत कई संस्थानों के विशेषज्ञ भी केसरी के स्वास्थ्य को लेकर लगातार सलाह दे रहे थे। इसके बावजूद दो दिसंबर देर शाम 7 बजे बब्बर शेर केसरी ने दम तोड़ दिया। इटावा सफारी पार्क के प्रभारी निदेशक डीएफओ अतुल कांत शुक्ला ने बताया बब्बर शेर केसरी का शव पोस्टमार्टम के लिए आईवीआरआई बरेली भेजा गया है। उन्होंने कहा है कि सफारी प्रशासन इस घटना से अत्यन्त आहत है। उधर, सफारी में शेर की मौत पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करके सफारी की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं।

यह बात सामने आ रही है कि जब केसरी की पूंछ का ऑपरेशन किया जा रहा था, तब उसको क्लैंप की मदद से दबाया गया था। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि वो हिले नहीं। इस दौरान वो काफी झपटा, जिसकी वजह से उसकी रीढ़ की हड्डी की कोई नस दब गई। इसके बाद केसरी पैरालिसिस का शिकार हो गया। उसकी देख-रेख में लगे कर्मी बताते हैं कि केसरी की 24 घंटे निगरानी की जा रही थी। उसके बेड़े में सीसीटीवी लगाया गया है। इसके माध्यम से उसकी हर एक गतिविधि को देखा जा रहा है। फिलहाल, वो चल-फिर पाने में पूरी तरह से असमर्थ था। बता दें अभी 21 दिन पहले 12 नवंबर को गुजरात के जूनागढ़ से लाई गई शेरनी जेनिफर की मौत हो गई थी। सफारी निदेशक दीक्षा भंडारी ने बताया कि जेनिफर कोविड से ग्रस्त हो गई थी।

चक्रवात तूफान 24 घंटे में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तटों से टकराएगा, भारी बारिश और भूस्खलन का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर बन रहे चक्रवात 'माइचौंग' के मजबूत होने के कारण अलर्ट जारी किया है। चक्रवात मिचौंग के चेन्नई से निकलकर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच मंगलवार की सुबह 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ टकराने की आशंका है। चक्रवात के अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद,

यह 4 दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश और निकटवर्ती उत्तरी तमिलनाडु तटों से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जाएगा। अलर्ट ने पुडुचेरी सरकार को पुडुचेरी, कराईकल और यानम क्षेत्रों के कॉलेजों में छुट्टी घोषित करने और अन्य राज्य सरकारों को अपनी प्रतिक्रिया टीमों को स्टैंडबाय पर रखने के लिए प्रेरित किया है। दक्षिणी रेलवे ने 3-6 दिसंबर के बीच तमिलनाडु में 118 ट्रेनों को रद्द कर दिया है, जिनमें राज्य के अंदर की लंबी दूरी की ट्रेनें भी शामिल हैं। विशाखापत्तनम चक्रवात चेतावनी केंद्र की प्रबंध निदेशक सुनंदा ने कहा, बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 18 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और 2 दिसंबर, 2023 को उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। अक्षांश 10.6° उत्तर और देशांतर 83.6° पूर्व के निकट, पुडुचेरी से लगभग 440 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 450 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 580 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, बापटला से 670 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व और 670 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में मछलीपट्टनम।

केंद्र की प्रबंध निदेशक सुनंदा ने कहा, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और दक्षिण आंध्र प्रदेश और निकटवर्ती उत्तरी तमिल से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा। नाडु 4 दिसंबर की दोपहर तक तट पर पहुंच जाएगा। केंद्र की प्रबंध निदेशक सुनंदा ने कहा इसके बाद, यह लगभग उत्तर की ओर, लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के करीब बढ़ेगा और 5 दिसंबर की पूर्वाह्न के दौरान 80-90 की अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ एक चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों को पार करेगा।

किमी प्रति घंटे, 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है।" चेन्नई के मौसम विज्ञान के उप-महानिदेशक एस बालचंद्रन ने कहा, बंगाल की दक्षिण पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक दबाव है। यह लगातार उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और अगले 24 घंटों में चक्रवात के और अधिक केंद्रित होने की संभावना है। यह उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा और दिसंबर को दक्षिण आंध्र की पश्चिम-मध्य खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तट पर पहुंचेगा। फिर यह उत्तर दिशा में तट के समानांतर चलेगा।'

पशु-पक्षियों की सेहत भी खराब कर रहा है प्रदूषण

ऊंची उड़ान मुश्किल और प्रजनन क्षमता प्रभावित

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर की प्रदूषित हवाओं से पशु-पक्षियों की प्रजनन क्षमता प्रभावित हुई है। वहीं, सांस की बीमारी (क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज) ने भी घेरा है। इससे इस वक्त भोजन की तलाश में ऊंचाई तक उड़ान भरना भी संभव नहीं है। नतीजतन इनको पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। उधर, अस्पतालों में प्रदूषण से बीमार होने वाले पशु-पक्षियों की संख्या में इजाफा हुआ है। हर दिन 8 से 10 घायल पक्षियों को अस्पताल लाया जा रहा है। यही स्थिति वन्य जीवों की भी है। इसमें बंदरों की संख्या अधिक है। पशु-पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार वायु प्रदूषण इनके व्यस्क होने के स्तर पर प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में प्रदूषण का प्रकोप इंसानों को ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों को भी प्रभावित कर रहा है पुरानी दिल्ली में दिगंबर जैन लाल मंदिर में स्थित पक्षियों के धर्मार्थ चिकित्सालय में सबसे अधिक पक्षी लाए जा रहे हैं। अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर हरअवतार सिंह कहते हैं कि प्रदूषण का असर पशु-पक्षियों में अचानक और लंबे समय बाद दोनों देखने को मिलता है। इसमें कबूतर और कौवा की संख्या अधिक है। वह कहते हैं कि उनके पास इस मौसम में अब तक 12 से 15 पक्षी ऐसे लाए गए हैं, जिनके फेफड़ों में प्रदूषण का गहरा असर है। उन्होंने बताया कि स्मॉग की वजह से पक्षियों में फोटो पीरियड (वह समय जब पक्षी अपना दिन के उजाले में भोजन जुटाते हैं) कम होने से सेहत पर सबसे खतरनाक असर पड़ रहा है।

प्रजनन क्षमता और विकास दर पर असर

प्रदूषण से पक्षियों की प्रजनन क्षमता और विकास दर पर भी असर पड़ रहा है। पक्षी विशेषज्ञ और भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ। रिशेंद्र वर्मा कहते हैं कि जैसे इंसानों को प्रदूषण की वजह से सांस लेने में परेशानी होती है, उससे कहीं ज्यादा पक्षियों को सांस लेने में दिक्कत होती है। इसकी वजह पक्षियों की श्वसन प्रक्रिया इंसानों की अपेक्षा कई गुना ज्यादा होती है। प्रदूषण के कण उनके अंदर पहुंचते हैं, जो भविष्य में उनकी मौत का कारण बनते हैं। यही नहीं इससे इनकी प्रजनन और विकास दर पर भी असर पड़ता है।

प्रवास व भोजन हो रहा प्रभावित

जहां एक ओर पक्षियों की सेहत पर असर पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर बढ़ते प्रदूषण से सर्दियों में आने वाले साइबेरियन प्रवासी पक्षियों की संख्या में कम हो रही है। दिल्ली में हजारों मीलों का सफर तय कर प्रवासी पक्षी आते हैं। डीडीए बायोडायवर्सिटी पार्क के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ। फैयाज खुदसर ने बताया कि पशुओं पर प्रदूषण के असर पर अभी कोई ठोस शोध नहीं हुआ है। लेकिन, प्रवासी पक्षियों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। वह कहते हैं कि प्रदूषण व धुंध से पक्षी अपने पर्यावास का गलत चुनाव कर सकते हैं। इन्हें एक जगह पर रहने के लिए लंबा समय बिताना पड़ता है, अगर उस जगह पानी की कमी होगी तो यह आने वाले वर्षों में उस क्षेत्र व इलाके में नहीं आएंगे। वह कहते हैं कि उन्होंने महसूस किया है कि प्रदूषण के बढ़ने से स्थालीय जीवों के भोजन की समस्या उत्पन्न होती है।

काबुल हाउस पर चला धामी सरकार का बुलडोजर 75 साल बाद 400 करोड़ की संपत्ति अतिक्रमण मुक्त

देहरादून, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के काबुल हाऊस पर धामी सरकार का बुलडोजर चला है। यहां राजधानी के बीचों बीच ईस्ट कैनाल पर शत्रु संपत्ति घोषित किए गए ऐतिहासिक काबुल हाउस को देहरादून जिला प्रशासन ने शनिवार को ध्वस्त कर दिया। 1947 में विभाजन के बाद से यहां 17 परिवार रह रहा था। इन परिवारों से ये जगह दो दिन पहले ही खाली करवा लिया गया था। बताया जा रहा है कि मौजूदा वक्त में अतिक्रमण मुक्त कराए गए काबुल हाउस की बजार कीमत 400 करोड़ रुपए से ज्यादा है। देहारदून जिलाधिकारी सोनिका की कोर्ट ने 17 अक्टूबर को काबुल हाउस को 15 दिनों के अंदर खाली करने का आदेश दिया था। तब तय समय पर खाली नहीं करने पर प्रशासन ने दो नवंबर को भारी पुलिस बल के साथ जबरन काबुल हाउस के भवन खाली करा लिए थे। इस दौरान ज़िला प्रशासन के द्वारा संपत्ति को सील भी किया गया था। उस दौरान काबुल हाउस में रहने वाला आठ परिवार त्योहारी सीजन पर बेदखली के विरोध में हाई कोर्ट चले गए थे। तब कोर्ट ने उन्हें कुछ दिनों की राहत देते हुए मानवीय आधार पर एक दिसंबर तक कि मोहलत दी थी। इसके बाद कोर्ट द्वारा तय अवधि से एक दिन पहले ही परिवारों ने काबुल हाउस की संपत्ति खाली कर दी थी। जिसके बाद सरकार ने इसपर बुलडोजर चलवा दिया है। देहरादून जिलाधिकारी सोनिका ने बताया कि काबुल हाउस पर अब सरकार ने पूर्ण स्वामित्व प्राप्त कर लिया है। इस जगह का इस्तेमाल अब सरकार जनहित में करेगी।

दहेज के लिए जिंदा जलायाः मरने से पहले विवाहिता ने दिया बयान, सास-ससुर और पति ने पेट्रोल छिड़क लगाई आग

लखीमपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। खीरीलखीमपुर खीरी के मैगलगंज क्षेत्र के गांव मुबारकपुर निवासी विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में जलकर हो गई। उसकी मौत के चार दिन बाद उसके बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में विवाहिता ने सास-ससुर और पति पर पेट्रोल डालकर जलाने का आरोप लगाया।

यह वीडियो इलाज के दौरान का है। उधर, मामले में पुलिस पूर्व में ही ससुरालियों पर केस दर्ज कर चुकी है। मैगलगंज के मुबारकपुर निवासी मुदित अर्कवंशी की पत्नी मीरा (20) सोमवार की रात संदिग्ध परिस्थिति में जल गई थी। परिजनों का कहना था कि घटना के समय मीरा घर में अकेली थी। इलाज के लिए उसे आनन-फानन लखनऊ ले जाया गया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता रविंद्र अर्कवंशी ने दामाद और ससुरालियों पर बेटी को जलाकर मार देने का आरोप लगाया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया था। वहीं, अब विवाहिता की मौत के चार दिन बाद इलाज के समय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में विवाहिता कहती है कि पति और सास-ससुर ने उसे जला दिया। जलाने का कारण दहेज कम मिलना बताया। कहती है कि उसके पिता दहेज में कुछ नहीं दे पाए। मामले में थानाध्यक्ष अमित भदौरिया का कहना है कि बयान के वायरल वीडियो की उन्हें जानकारी नहीं है। घटना के बाद ही मामले में पति मुदित, ससुर धर्मेंद्र, सास पिंकी व ननद बिट्टू पर केस दर्ज कर लिया गया गया था।

जानबूझकर की दोस्ती फिर कई बार किया दुष्कर्म, गर्भवती होने के बाद खुदखुशी के लिए मजबूर

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ नवी मुंबई पुलिस ने एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बार-बार बलात्कार करने, उसे गर्भवती करने और खुदखुशी के लिए उकसाने के आरोप में 23 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

कपूरथला में कार में मिली आप नेता की लाश, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

कपूरथला, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला में संदिग्ध परिस्थितियों में एक आप नेता का शव कार में मिला है। थाना भुलत्थ पुलिस को मामले की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने कपूरथला के सिविल अस्पताल के शवगृह में शव रखवा दिया है। भुलत्थ थाने के एसएचओ हरजिंदर सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और मृतक की पहचान जालंधर के गिल गांव निवासी सुखबीर सिंह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार आप नेता सुखबीर सिंह बीते दिन सुल्तानपुर लोधी के गांव डल्ला में किसी परिचित की शादी में शामिल होने गए थे। मगर देर रात भुलत्थ के नजदीक उन्हीं की कार में सुखबीर सिंह का शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही थाना भुलत्थ की पुलिस मौके पर पहुंची। थाना भुलत्थ के एसएचओ हरजिंदर सिंह ने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे किसी राहगीर ने देखा कि उक्त व्यक्ति की कार रोड के नीचे खड़ी है। कार में एक व्यक्ति बेसुध था। इसके बाद राहगीरों ने सुखबीर का फोन खंगाला और उनके घर पर फोन कर मामले की सूचना दी। एसएचओ हरजिंदर सिंह ने यह भी बताया कि राहगीर सुखबीर को अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल आप नेता की मौत की वजह का पता नहीं चला है। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार का कोई निशान नहीं मिला। मौत की वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

दिल्ली में कारोबारी के घर पर गोलीबारी

पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़े दो बदमाश, एक निकला नाबालिग

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तरी पूर्वी जिला पुलिस ने वेलकम में एक स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी और उनके घर पर गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पकड़ा गया एक बदमाश नाबालिग है। घायल बदमाश गैंगस्टर हासिम बाबा का करीबी है। पकड़े गए बदमाश की पहचान हर्ष विहार निवासी अक्की के रूप में हुई है, वहीं दूसरे बदमाश की उम्र 16 साल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 नवंबर की रात एक बज पुलिस को वेलकम के एक स्क्रैप कारोबारी के घर पर गोलीबारी की सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि स्कूटी से आए दो बदमाशों ने कारोबारी अबरार अहमद के घर पर तीन गोली चलाकर भागे हैं। पुलिस को मौके से तीन खोखे मिले। कारोबारी ने बताया कि उनके मोबाइल पर फोन कर बदमाशों ने 50 लाख की रंगदारी मांगी थी और खुद को हासिम बाबा गैंग का बदमाश बताया था।

जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने निरीक्षक राहुल अधिकारी के नेतृत्व में जांच शुरू की। दो नवंबर की देर रात 3.20 बजे पुलिस ने तीसरे पुस्ते पर गश्त के दौरान स्कूटी से जा रहे दो युवकों को रोकने का प्रयास किया। दोनों बदमाश स्कूटी छोड़कर भागने लगे। एक बदमाश ने पुलिस टीम गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। दोनों बदमाश अंधेरे में भाग गए। कुछ देर की तलाशी के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। अक्की के पैर में गोली लगी थी, जिसे पुलिस ने तुरंत जग प्रवेश अस्पताल में भर्ती करवाया।

बदमाशों के पास से पुलिस को दो पिस्टल मिली है। पूछताछ में बदमाशों ने कारोबारी के घर पर गोलीबारी करने की बात कबूल की है। 50 लाख की रंगदारी मांगने और कारोबारी को डराने के लिए गोलीबारी की थी। पुलिस ने बताया कि अक्की पर हत्या का प्रयास, वसूली और जुआ अधिनियम सहित कई मामले दर्ज है। वहीं मौजपुर का रहने वाला नाबालिग का यह पहला अपराध है। वह 12 वीं तक पढ़ा है। पुलिस बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

पंजाब में नशे से तीन युवकों की मौत, जालंधर में घर में मिली लाश, बठिंडा और जालंधर में दो की गई जान

पटियाला, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में नशे की ओवरडोज से तीन युवकों की जान चली गई। ये मौतें पटियाला, जालंधर और बठिंडा जिले में हुई हैं। पटियाला के समाना के नजदीकी गांव कादराबाद में नशे की ओवरडोज से 25 साल के युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पिता के बयान पर कार्रवाई करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया है। युवक ने मोबाइल बेचकर नशा खरीदा था। मृतक की पहचान मोहम्मद आसिम के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक युवक के पिता हीरा लाल ने बताया कि उनका बेटा नशे की लत का शिकार था। 12वीं की पढ़ाई करने के बाद वह विदेश जाने की तैयारी में था। हाल ही में नशा छुड़ाओ केंद्र से उसका इलाज भी कराया था। वहां से वापसी के बाद वह छिप-छिप कर नशे की गोलियों का सेवन करने लगा था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को नशे की लत को पूरा करने के लिए उसने अपने मोबाइल को बेच दिया और फिर मिले पैसों से नशा कर लिया। ज्यादा मात्रा में नशा लेने से उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। बठिंडा जिले के सदर थाना अंतर्गत बीड तलाब बस्ती नंबर दो के एक युवक की चिटटे से मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने किसी के खिलाफ कोई कारवाई नहीं करवाई और कुछ समय बाद ही युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। बीड तलाब के रहने वाले विजय कुमार ने बताया कि बस्ती नंबर दो का एक युवक चिटटे का आदी था। उसने बताया कि उक्त युवक की चिटटे से मौत हो गई। विजय के अनुसार मृतक युवक के परिजनों ने कोई भी पुलिस कारवाई करवाने से इंकार कर दिया और शनिवार को ही मृतक युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। उधर, जालंधर में शहीद बाबा दीप सिंह नगर में 20 वर्षीय युवक की नशे का टीका लगाने से मौत हो गई। आसपास के लोगों को घर से बदबू आई। इसके बाद घर पर लगा ताला तोड़कर देखा तो युवक की सड़ी-गली लाश मिली।

महापौर शैली ओबेरॉय का ऐलान, ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाले रिहाइशी इलाकों को गृह कर से छूट दी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने एमसीडी के ग्रामीण क्षेत्राधिकार में वाले आवासीय इलाकों के लिए मकान या संपत्ति कर में छूट की घोषणा की। ओबेरॉय ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ग्रामीण क्षेत्रों में लाल डोरा या विस्तारित लाल डोरा संपत्तियों से कोई गृह कर वसूल नहीं करेगा। उन्होंने कहा, एमसीडी अपने ग्रामीण क्षेत्राधिकार में लाल डोरा या विस्तारित लाल डोरा के तहत आने वाले रिहाइशी इलाकों को न तो नोटिस भेजेगी और न ही संपत्ति कर वसूलेगी। दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से यह बड़ी राहत है।

हालांकि ओबेरॉय ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में वाणिज्यिक संपत्तियों पर लगाया गया कर यथावत रहेगा। दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में लगभग 2,168 सड़कें एमसीडी के तहत अधिसूचित हैं और इन सड़कों पर स्थित वाणिज्यिक संपत्तियों को संपत्ति कर का भुगतान करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए संपत्ति कर के मुद्दे पर चर्चा के लिए तीन सितंबर को दिल्ली के 360 गांवों की एक पंचायत आयोजित की गई थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है।

लोगों को ठगने के लिए बनाया बंगाल के डीजीपी का फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट

राजस्थान से गिरफ्तार

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक मनोज मालवीय का फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट खोलकर कथित तौर पर लोगों को ठगने का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति को राजस्थान में कोलाटा की बिधाननगर सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। धोखेबाज की पहचान पश्चिम बंगाल के अलवर जिले के रहने वाले रशिम खान के रूप में हुई है।सूत्रों ने बताया कि डीजीपी की फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर सबसे पहले बिधाननगर सिटी पुलिस की नजर पड़ी। प्रोफाइल की विस्तार से जांच करने पर इसकी प्रामाणिकता पर संदेह हुआ. इसलिए डीजीपी के कार्यालय से संपर्क किया गया और उन्होंने प्रोफ़ाइल के फर्जी होने की पुष्टि की। बिधाननगर सिटी पुलिस के एक सूत्र ने कहा, हमने राजस्थान से उस प्रोफाइल को संचालित करने वाले अपराधी का पता लगाया। हमारे लोगों की एक टीम राजस्थान गई, उसे गिरफ्तार किया और ट्रांजिट रिमांड पर वापस कोलकाता ले आई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने लोगों को ठगने और पैसे कमाने के इरादे से राज्य पुलिस के डीजीपी की फर्जी प्रोफाइल खोली थी। उसने यह भी स्वीकार किया कि हालांकि उन्होंने इस फर्जी प्रोफ़ाइल के माध्यम से पैसे के लिए कुछ लोगों को व्यक्तिगत संदेश भेजे थे, लेकिन केरल और कर्नाटक में कुछ को छोड़कर, शायद ही किसी ने उन संदेशों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। आरोपी शख्स गणित में ग्रेजुएट है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि वह इस खेल में अकेला नहीं है और शायद वह इसी तरह से लोगों को ठगने वाले बड़े रैकेट का हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को मानने को नहीं तैयार शिक्षण संस्थान

अब तक नहीं लौटाई कोरोना काल में ली गई 15 फीसद फीस

ग्रेटर नोएडा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना काल में शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान वसूली गई स्कूल फीस की 15 फीसदी राशि लौटाने और समायोजित करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ऊपर जिले के शिक्षण संस्थान हो गए है। माध्यमिक शिक्षा विभाग भी स्कूलों से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन कराने में फेल साबित हो रहा है। विभाग के अधिकारियों ने स्कूल के सामने घुटने टेक दिए है। सीबीएसई,आइसीएससी,यूपी बोर्ड सहित अन्य बोर्ड के करीब 350 स्कूल जिले में संचालित हो रहे है। कोर्ट के आदेश आने के बाद अब तक 70 स्कूलों की तरफ से ही 15 प्रतिशत फीस समायोजित की गई है। बाकी स्कूल फीस समायोजित करने में आनाकानी कर रहे है। विभाग की कार्रवाई भी नोटिस और दस्तावेज तक सिमट गई है। नामी स्कूलों के अभिभावक चक्कर काट रहे है,लेकिन उन्हें स्कूल के गेट से ही भागा दिया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले अभिभावक करण ने बताया कि कई बार स्कूल से फीस समायोजित करने के लिए संपर्क किया गया। हर बार स्कूल वाले कह देते हैं कि उन्हें कोई आदेश नहीं मिला है। अभिभावक बीएस त्रिपाठी ने बताया कि उनका बेटा स्कूल से पास आउट हो चुका है। स्कूल से कोरोना काल में ली गई 15 प्रतिशत फीस वापस करने के लिए कई बार स्कूल को मेल और लिखित में भी दिया। उसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कोर्ट का आदेश नहीं मनाने वाले 100 से अधिक स्कूलों के ऊपर एक एक लाख रुपये दंड लगाया था। कुछ स्कूलों को छोड़ कर किसी ने भी दंड की राशि जमा नहीं की थी। कड़ी कार्रवाई नहीं होने से स्कूल सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं कर रहे हैं। अभिभावकों का कहना हैं कि प्रशासन की कार्रवाई केवल दिखावे के लिए की गई थी,जिन स्कूलों के खिलाफ दंड लगाया गया। उनके नाम तक सार्वजनिक नहीं किये गए थे। इसके साथ ही दंड की राशि जमा करने वाले स्कूलों के नाम भी अभिभावकों को बताए जाए। फीस समायोजित नहीं करने वाले स्कूलों के खिलाफ अभिभावक इंटरनेट मीडिया पर अभियान चलाएंगे। अभिभावकों ने बताया कि जब तक फीस समायोजित नहीं की जाती तब तक स्कूलों के नाम के साथ अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों पर क्या कार्रवाई की गई उसका जवाब भी मांगा जाएगा। 70 स्कूलों की ओर से सूचना दी गई है कि उन्होंने फीस समायोजित व वापस कर दी है। स्कूलों को कोर्ट के आदेश भी भेज दिए गए है।

महाराष्ट्र के बिजनेसमैन ने घर में खेला खूनी खेल, पत्नी और बेटे की हत्या कर हुआ फरार

ठाणे, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बिजनेसमैन ने अपने 7 वर्षीय बेटे और पत्नी का गला घोंटकर क़त्ल कर दिया। तत्पश्चात, उसने खुदखुशी करने का प्रयास किया। आरोपी की कल्याण शहर में नानूज वर्ल्ड नाम से खिलौनों की 3 दुकानें हैं। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। दरअसल, दीपक गायकवाड़ पत्नी अश्विनी और 7 वर्षीय बेटे आदिराज के साथ कल्याण पश्चिम के रामबाग लेन नंबर 3 में ओम दिपावली बिल्डिंग में रहता था। शुक्रवार दोपहर उसने अपने रिश्तेदार को फोन किया। तत्पश्चात, पत्नी और बच्चे का क़त्ल कर दिया। फिर खुदखुशी का भी प्रयास किया मगर थोड़ी देर बाद घटनास्थल से फरार हो गया। वही रिश्तेदार जब उसके घर पहुंचे तो दंग रह गए।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 4 दिसंबर - 2023

प्रधानमंत्री के अधूरे मन की बात

रघु ठाकुर

रविवार के दिन प्रधानमंत्री जी देश से मन की बात करते हैं। वैसे तो वे चाहते या उनके मन में होता तो वे भी रविवार को संविधान दिवस पर संविधान की चर्चा कर सकते थे परन्तु उन्होंने उस दिन संविधान पर चर्चा के बजाय एक अलग ही विषय चुना। प्रधानमंत्री जी से अनेकों मतभेदों के बावजूद उनकी इस प्रतिभा या क्षमता की तारीफ करना होगी कि वे अपना लक्ष्य अपनी जरूरत के हिसाब से चुनते हैं और उसी आधार पर विषय और बातों का चयन करते हैं। 26 नवम्बर के रविवार को उन्होंने युवकों को देश में शादी करने का विषय चुना। निसंदेह यह विषय भी महत्वपूर्ण है परन्तु संविधान से महत्वपूर्ण नहीं है। बहुत संभव है कि प्रधानमंत्री जी ने बहुत सोच विचार कर संविधान पर चर्चा न की हो क्योंकि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ढंग से वे और उनकी सरकार आये दिन संविधान के प्रावधानों और उसकी आत्मा का हनन कर रहे हैं। इसीलिये उस विषय से बचना ही समझदारी है यह उनके विषय चयन का आधार रहा होगा। यह सही है कि पिछले दो-तीन दशक से शादियों में फिजूलखर्ची, दिखावा और अनेक प्रकार की विकृतियां शामिल हुई हैं। देश के सम्पन्न और चर्चित लोगों के शादी-विवाह को इतना स्थान मीडिया में मिलता रहा कि यह विकृति लोगों के मन में विकर्ण के बजाय आकर्षण पैदा करती है। पुराने जमाने में राजा, महाराजाओं की शादी-विवाह समूचे राज्य के लिये जश्न हो जाते थे और सामान्य आदमी भौचक्का होकर उनका सहभागी बनता था। अब मीडिया एक-एक सप्ताह पहले से इन धनपतियों, सत्ताधीशों के परिवारों जैसे नये राजाओं की शादियों को एक-एक बारीकी के साथ छापना शुरू कर देता है। कौन-कौन सेलिब्रेटी आये, कौन आयेंगे, कितना हवाई जहाज पर खर्चा होगा, कितने का खाना बनेगा, होटल पर कितना खर्च होगा, किसने कौन सा कपड़ा या ज्वेलरी पहनी, एक-दो पेज पर मेहमानों के साथ फोटो आदि छपते हैं और शादी-विवाह भी एक प्रकार से बाजार का विज्ञापन जैसा बन गया है। बाजार ने अपने व्यवसाय के लिये और भी कई प्रकार की मानसिक विकृतियां पैदा की है। जैसे आजकल शादी की वर्षगांठ मनाने का चलन शुरू हुआ है। जवान दंपति इसमें यथा संभव पैसा बर्बाद करते हैं होटल बाजी करते हैं और सोशल मीडिया भी इस प्रकार के कचरे से भरा रहता है। अब तो 70-80 साल के बुजुर्ग, वृद्धजन भी अपने नातियों व पोतों के साथ विवाह की वर्षगांठ मनाते हैं, और यहां तक की इन मृत्युनोमुख वृद्धों की पुनः बारात निकलती है और सज-धज कर घंटों दूल्हा दुल्हन बनकर सिंहासन पर बैठते हैं। भारतीय संस्कृति या परंपरा तो जीवन को चार खंडों में बांटती है और यह बताती है कि यह जो आयु का चौथा खण्ड है यह एक प्रकार से पारिवारिक जीवन और भौतिकताओं से मुक्ति का खण्ड है जिसे वानप्रस्थाश्रम कहा गया, याने इस कालखण्ड में घर छोड़कर वन की ओर प्रस्थान करना चाहिये। लोग इस कालखण्ड में घर और गृहस्थ जीवन को छोड़कर वनों, कंदराओं या घर परिवार से हटकर लगभग मोह मुक्त होकर जीवन जीना शुरू करें, यह भारतीय सांस्कृतिक परंपरा रही है। परन्तु संस्कृति के ठेकेदार ही अब इस परंपरा को नष्ट कर जीवन के चौथे खण्ड को विरक्ति के बजाय आशक्ति के मार्ग पर ले जा रहे हैं। बाजार के विलासी उत्पाद और विलासी उत्पादकों के विज्ञापनों ने इस भोगवृति व कुपरंपराओं को और आगे फैला दिया है। वैसे भी शादी-विवाह में दहेज और दिखावे की परंपरायें बहुत गहरी घर कर चुकी हैं और विशेषतः जो शादियां परिवार तय करते हैं, वह अमूमन जातियों में होती हैं। उनमें अपवाद छोड़कर यह दिखावटीपन और दहेज आदि का चलन अभी भी बहुत ज्यादा है। कितनी ही लड़कियां अभी भी इसलिये अविवाहित रह जाती हैं क्योंकि उनके माता-पिता के पास उतना दहेज देने की क्षमता नहीं होती। यह भी सही है कि, बढ़ती आबादी और महानगरों की सभ्यता के इस नये रूप में कुछ आर्थिक कारणों से और कुछ आवासीय कारणों से अब बड़ी संख्या में युवाओं ने लिव इन रिलेशनशिप में रहना शुरू कर दिया है और इससे परंपरागत शादियों का स्वरूप भी बदल रहा है तथा जातीय कट्टरता भी कम हो रही है और थोड़ी दरक भी रही है परन्तु अभी भी ऐसे मामलों की संख्या राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कम ही है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अब लड़कियों की नौकरियों में हिस्सेदारी बढ़ने से और आर्थिक निर्भरता बढ़ने से भी कुछ अंतर-जातीय शादियां बढ़ी है। लड़कियां अपने बारे में निर्णय लेने में समर्थ व सक्षम हो रही है और अब माता-पिता भी भले ही बेमन से पर कुछ-कुछ स्वीकार करने लगे हैं। क्योंकि एक भिन्न अर्थ में ऐसे विवाह दोनों पक्ष के माता-पिता को भी सुविधाजनक है। अगर लड़की पक्ष की बात करें तो उनके माता-पिता दहेज के संकट से मुक्ति पा लेते हैं और चयन करने की जवाबदारी से भी बच जाते हैं। अगर वर पक्ष की बात करें तो वे भी इसे फायदे का निर्णय समझते हैं और कहते हैं कि बहू नौकरी में हैं साल का 5 लाख कमाती है, 30 साल नौकरी करेगी तो डेढ़ करोड़ का दहेज हो जायेगा, अतः दहेज की चिंता नहीं है। पर ऐसी घटनायें अभी बहुत कम है। हर रविवार को देश के हिन्दी-अंग्रेजी के लगभग सभी अखबारों में वर-वधु चाहिये के विज्ञापन छपते हैं तो वे भारतीय समाज के बहुमत का असली चेहरा सामने लाते हैं। इन विज्ञापनों में जिन्हें क्लासीफाईड (वर्गीकृत) लिखकर छापा जाता है। उसमें बकायदा जातियों के खण्ड होते हैं याने किस जाति का लड़का या लड़की चाहिये और इन विज्ञापनों में गोत्र के भी खण्ड होते हैं। आजादी के 75 वर्ष बाद भी, इस तथाकथित वैश्वीकरण के तीन दशक बाद भी हम जाति, गोत्र, कुल, धर्म को ही विवाह का आधार मान रहे हैं। अच्छा होता कि प्रधानमंत्री जी को अगर युवकों की शादी की बात करना थी तो विदेशों में शादी के साथ-साथ इन कुपरंपराओं, विकृतियों को मिटाने पर भी चर्चा करते, परन्तु यह उनके लिये मुद्दा नहीं है। शायद इसलिये भी कि वे जिस राजनीति के प्रतिनिधि हैं वह तो कारपोरेट व बाजारवाद की राजनीति है। अतः वे अपनी राजनैतिक जननी के खिलाफ कैसे जा सकते हैं। इसलिये भी कि उनके पार्टी और जमात के लोग भी शादी विवाह में ऐसे ही दिखावे कर रहे हैं। कुछ समय पूर्व देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के बेटे का विवाह अहमदाबाद में हुआ था वह भी एक प्रकार का सरकारी जश्न था। देशभर के भा.ज.पा. के मुख्यमंत्री, मंत्री, सरकारी खर्चे से वहां पहुंचे थे। क्योंकि टिकिट के फैसलों में अमित शाह की गर्दन हिलना जरूरी है। कई दिनों तक पूरा शहर प्रशासनिक प्रतिबंधों के चलते कर्फ्यू और बंद जैसे हालात में था। अब कई नये चलन शुरू हुए हैं वे प्री वैडिंग या डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम से जाना जाता है। प्री वैडिंग में लड़के-लड़कियों के साथ उनके परिजन कहीं बाहर पर्यटन स्थल पर जाते हैं। कई दिन साथ रहते हैं उनके फोटो निकलते हैं फिल्म बनती है और शादी के दिन, वे टी.वी. पर दिखाये जाते हैं। इन पर भी काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। मेरे एक परिचित ने बताया कि उनने अपनी बेटी की शादी को 10 लाख में करने का अनुमान लगाया था परन्तु प्री वैडिंग या अन्य विकृतियों के चलते उन्हें 10 लाख रूपया का कर्ज लेना पड़ा और अब उन्होंने अपनी 2 एकड़ जमीन बेचकर यह कर्ज चुकाया। इसी प्रकार डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम से एक नया आकर्षक सिलसिला शुरू हुआ है। जिसमें सम्पन्न लोगों के बच्चे कहीं दूर के स्थानों पर विदेशों में जाकर पांच सितारा होटलों में शादियां करते हैं और करोड़ों रूपया खर्च करते हैं। नवम्बर 2023 में लगभग 150 शादियां अबू धाबी, इस्तांबुल, मस्कट, बैंकाक वाली आदि स्थानों पर हुई है तथा जुलाई 2024 तक 8 लगभग 850 शादियों के एग्रीमेंट हो चुके हैं।

पहले ही टेस्ट में गठबंधन फेल

राजनीतिक पंडित कहे जाने वाले लोग पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को सत्ता का सेमीफानल करार दे रहे थे। उनका मानना था कि इन पांचों राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) के जो भी नतीजे आएंगे, वो 2024 लोकसभा चुनाव का काफी हद तक रास्ता साफ कर देंगे। एक्जिट पोल भी बता रहे थे कि तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का आना तय है, जबकि राजस्थान व मध्य प्रदेश में भाजपा का। काफी हद तक एक्जिट पोल के नतीजे सार्थक भी रहे। सिर्फ छत्तीसगढ़ में एक्जिट पोल गलत साबित हुआ। लेकिन आज चार राज्यों के नतीजे सामने आ चुके हैं तो उसे देखकर कहा जा सकता है कि तीन राज्यों में बीजेपी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने में कामयाब रहा है। लेकिन दक्षिण के राज्य तेलंगाना में भाजपा की नहीं चली और कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने में सफल दिखाई दी। ऐसे में यह तो साबित हो गया कि इंडिया गठबंधन की आंच से छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान जरूर झुलस गए। गठबंधन के साथी ही उक्त राज्यों में बगावत कर अपने उम्मीदवार उतार दिए, जिसका नुकसान कांग्रेस को झेलना पडा। बता दें कि बेंगलुरु में जब यूपीए को खत्म करके कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन का नाम दिया तो सभी विपक्षी दलों ने एकजुट हो कर मोदी सरकार के खिलाफ खड़े होने की कसम खाई थी। तब सभी विपक्षी दलों ने एक साथ आकर चुनाव लड़ने पर बल दिया था, लेकिन जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की बात सामने आई तो उस वक्त इंडिया गठबंधन बिखरता चला गया। यहां तक की मध्य प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में सीटों के बंटवारे को लेकर जब खटपट हुई तो दोनों पार्टियों ने अपने उम्मीदवार उतार दिए। इतना ही नहीं कांग्रेस चीफ कमलनाथ और सपा चीफ एक-दूसरे पर निशाना साधने में भी कोई संकोच नहीं किया। आज उसका असर परिणामों पर स्पष्ट दिखाई दिया। इन सब आरोप-प्रत्यारोप के दरकिनार करते हुए भी अगर चुनाव नतीजे को देखें तो कहा जा सकता है कि इंडिया गठबंधन अपने पहले ही टेस्ट में फेल हो गया। क्योंकि हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं कांग्रेस छत्तीसगढ़ और राजस्थान, जहां वो पहले से ही सत्ता में थी। इन दोनों राज्यों से बेदखल हो चुकी है। दूसरी ओर रुझानों के नतीजों को देखने के बाद से ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अगले साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। खबरों के अनुसार मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की बैठक 6 दिसम्बर को राजधानी दिल्ली में बुलाई है। इस बैठक में पूरे घटक दलों के बजाय समन्वय समिति में शामिल दलों के नेता शामिल होंगे। जिसमें लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। गौर करने वाली बात यह है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस को फिर से धार देने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। उसमें जुट रही भीड को देखकर यही कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस एक बार फिर से मजबूत होगी। लेकिन आज के चुनावी नतीजों ने यह साबित कर दिया इन तीनों राज्यों में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा समेत राज्य कांग्रेस की वो सारी योजनाएं मोदी मैजिक के सामने दम तोड़ती नजर आईं। नतीजों में बीजेपी की बढ़त देखकर कांग्रेस के दिग्गज नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपनी ही पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी को सनातन का श्राप ले डूबा। जाहिर है दिन बीतने के साथ ही और भी कांग्रेसी नेता आगे आकर इसी तरह की बयानबाजी करेंगे।

टाइगर बहुत फुर्तीला है,भाजपा की बल्ले-बल्ले

ऋतुपर्ण दवे

निश्चित रूप से 3 दिसंबर को आए 4 विधानसभा चुनावों के नतीजों से अगर सबसे ज्यादा किसी में उत्साह होगा तो वह है भाजपा। उसमें भी मध्यप्रदेश के नतीजों ने तो जैसे भाजपा के उत्साह में सुनामी ला दी। अब भले ही नतीजों को लेकर भाजपा कहे कि हमें यही उम्मीद थी लेकिन हकीकत यही है कि शायद ही ऐसा सोचा होगा। बहरहाल यह मोदी मैजिक ही था जिसने हिन्दी पट्टी वाले राज्यों में विपक्ष या कहें कि नवगठित इण्डिया गठहबन्धन के लिए बहुत ही बड़ी चुनौती दे दी। माना कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना ने कमल के लिए कमाल का काम किया। लेकिन छत्तीसगढ़ में आखिर ऐसा क्या हुआ जो गाय, गोबर, गोठान, महतारी योजना, आत्मानन्द स्कूलों के बाद भी नतीजे एकदम उम्मीद से इतर आए? जबकि राजस्थान में जादूगर अशोक गलतोत का चलते दिख रहे जादू पर भाजपा का जादू भारी पड़ गया। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस को झोली में उम्मीद से ज्यादा हासिल मिला। शायद भारत की यही विविधता है। विश्लेषण के लिहाज से इन नतीजों के मायने काफी गहरे होंगे जिसे 2024 के आम चुनाव से जोड़ा जाएगा। चारों नतीजों में सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश की ही चर्चा होगी जिसे संघ की प्रयोगशाला भी कहा जाता है। जहां बढ़े मतदान के बाद तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। चुनावी घोषणा और चुनावों के दौरान जिस तरह से एन्टीइन्कम्बेंसी की बात फैली उसको लेकर उत्साही कांग्रेसियों के बाग-बाग चेहरे देखकर ऐसे नतीजों की उम्मीद तो हरगिज नहीं थी। लेकिन एक सच्चाई है जिसे स्वीकारना होगा कि मध्यप्रदेश में जिस शिवराज सिंह को लेकर शुरुआत में एक तरह से ऊहापोह की स्थिति बनी और कई तरह के संदेश फैले या फैलाए गए। उसे शिवराज ने अपने जादू से ऐसा धोया कि आज वो एक बार फिर अजेय बनकर भाजपा के सबसे अहम चेहरा बन गए। उन्हें एकदम से दरकिनार नहीं किया जा सकता था। समूचे मध्यप्रदेश ने शिवराज सिंह की जो मेहनत, जनता से सीधा संवाद व जुड़ाव देखा व ताबड़तोड़ दौरे देखे उससे उनकी छवि बेहद अलग बनी और वो मजबूत होते चले गए। अपराधियों खासकर महिलाओं, आदिवासियों और दलितों के उत्पीड़न करने वालों को तुरंत सजा देने का बुलडोजर वाला तरीका भी लोगों को खूब भाया। दरअसल उन्होंने अपने तौर तरीकों में 2018 के चुनावों में पिछड़ने के बाद ही काफी तब्दीली कर ली थी। उनका एक-एक दांव बहुत सोचा समझा और दूर की कौड़ी साबित हुआ। चाहे लाड़ली लक्ष्मी योजना हो या कन्या विवाह या फिर महिला आरक्षण और मेघावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, स्कूटी का प्रोत्साहन। हर कहीं शिवराज ने खूब लोकप्रियता लूटी। प्रदेश में मामा बनकर उन्होंने आम और खास सभी से जो कनेक्ट किया उसका नतीजा आज सामने है। बेशक लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में एक अण्डर करंट पैदा किया जिसे समूचा विपक्ष भी नहीं समझ पाया। अस्तित्व में आने के बाद से प्रदेश के अब तक के सारे के सारे मुख्यमंत्रियों से अलग उनकी मेहनतकश छवि और हर दौरे ने उन्हें मजबूत किया जिसे कोई भांप नहीं पाया। यह भी सही है कि मोदी की लोकप्रियता मध्यप्रदेश में भाजपा के लिए बड़ा टॉनिक थी। लेकिन इस बात को स्वीकारना ही पड़ेगा यदि मोदी मध्यप्रदेश के इस चुनाव में भाजपा के लिए खरा सोना थे तो शिवराज सुहागा से कम नहीं रहे। नतीजे सामने हैं दोनों को मिलाकर भाजपा के लिए सोने में सुहागा हो गया। निश्चित रूप से भाजपा मध्यप्रदेश में 18 बरसों की एन्टीइन्कम्बेन्सी को धोने तो छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की आपसी कलह और संगठन में बिखराव व दुराव का भरपूर फायदा ले गई और नतीजे अप्रत्याशित आए। इसके साथ ही सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को उतारने से भाजपा ने एक तीर से कई निशाने भी साधे। हालाकि कुछ असफलताएं भी हाथ लगीं लेकिन बड़ी सफलता के आगे इक्का-दुक्का महत्वपूर्ण असफलता बौनी हो जाती है। भाजपा के कई दिग्गजों को हार का सामना देखना पड़ा लेकिन ईमानदारी से बात की जाए तो इसमें भी भावी सरकार के लिए कांटे साफ होने जैसे बड़े संदेश छुपे हैं। आज मध्यप्रदेश के नतीजों के बाद शिवराज सिंह का वो बयान बार-बार याद आता है जिसमें उन्होंने कहा था कि टाइगर अभी जिन्दा है। लेकिन सच तो ये है कि टाइगर बहुत फुर्तीला है। कहने की जरूरत नहीं कि मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह फिर मुख्यमंत्री के प्रबल और पूरे 5 वर्षों के लिए दावेदार हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में सम्मानजनक स्थिति के बाद फैसला केन्द्रीय नेतृत्व के हाथों होगा। कमोवेश यही स्थिति राजस्थान में होगी। वहां वसुन्धरा या कोई और का सवाल अभी कई दिनों तक रहेगा। एक अकेले तेलंगाना में कांग्रेस को मुख्यमंत्री तय करने में कैसी चुनौती आएगी नहीं पता लेकिन इतना तो है कि गिरे मनोबल से वहां इस बार पुरानी चूकें नहीं दोहराई जाएंगी। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने भी सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने के लिए कोशिशें नहीं कीं। परन्तु सच्चाई यही है कि कांग्रेस संगठनात्मक तौर पर भाजपा के मुकाबले 19 नहीं बल्कि 8-10 ही रही। बरसों पुराने कार्यकर्ता, नई टीम का आभाव, लोगों से जुड़ाव पर ध्यान नहीं देना, हर गांव, शहर के छोटे से छोटे कार्यकर्ता का भोपाल कनेक्ट दिखाना और प्रदेश के कई नेताओं के अनजान कस्बों में लगे होर्डिंग से कांग्रेस वैसा कनेक्ट नहीं कर पाई जो स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता नगर, वार्ड, बूथ और पन्ना प्रमुख कर सके। बस यही वो तमाम कारण थे जिस कारण कांग्रेस जनता से कनेक्ट नहीं कर पाई। उल्टा सरकार विरोधी लहर के जुमले के सहारे मनगढ़ंत और झूठे सपने देख बड़े-बड़े ख्वाब देखना तथा प्रदेश चुनाव संचालन को दिल्ली की टीम के हवाले करना भी कांग्रेस को इतना मंहगा पड़ गया कि 2018 के आंकड़ों से भी पिछड़ गई और भाजपा 2003 जैसे सम्मानजनक स्थिति में पहुंच गई। लेकिन एक बात तो है कि हिन्दी पट्टी वाले राज्य जहां भाजपा पर भरोसा जताते हैं तो दक्षिण कांग्रेस व अन्य पर। ऐसे में देश में उत्तर-दक्षिण की नई बात जरूर होगी। फिलाहाल इण्डिया गठबन्धन की 6 दिसंबर की बैठक पर निगाहें हैं लोग यह कहने से भी नहीं चूकते हैं कि दिन कौन सा है? जुड़ाव का या विध्वंश का? बहरहाल अभी इस गठबन्धन का बिखराव का नतीजा सामने है।

लगातार बढ़ रही है भारतीय नौसेना की ताकत

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2023 के नौसेना दिवस का विषय है 'समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तत्परता और मिशन उपलब्धि', जो समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तैयारियों और मिशन की उपलब्धि को बनाए रखने, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुद्री खतरों के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना के समर्पण पर प्रकाश डालता है।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

शिक्षा से संस्कार, संस्कृति और साक्षरता से जागरूकता लाने के प्रयास के महीन अंतर की गहन मीमांसा

संजीव ठाकुर

सबसे पहले हमें शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को पहचानना होगा। शिक्षा जीवन के महत्व, संस्कार की संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैं। शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प है। जिसके अंतर्गत पढ़ना लिखना समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक है। साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता है। साक्षरता सदैव रोजगार मूलक पहलुओं से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता है। शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती है। ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा है। सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है।पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में है। ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाए। शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है। जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण है। महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है।

परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता है। पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है। पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती है। ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है। अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं,कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है।

हादसे कैसे कैसे

डॉ टी महादेव राव

किसी स्थान के लिए नेता चाहे सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का किसी दुर्घटना से कम नहीं होता। वैसे भी आजकल राजनीति और आदमी का एक-दूसरे में आत्मसात होना दुर्घटना से कम नहीं। नेता नामक दुर्घटना के साथ किसी अन्य नेता का टकराना निश्चय ही दुर्घटना होती, किन्तु किसी अदने से बस चालक का हमारे शहर जैसे अति प्रगतिशील औद्योगिक नगरी के संकीर्ण सड़क के किनारे रोकी गयी नेतायी गाड़ी के पीछे खड़े नेता को ठोकर मार देना निश्चय ही बस चालक के जीवन के लिए अजीबोगरीब दुखद दुर्घटना है। नेताजी का गंभीर रूप से घायल होना राजनीतिक दुर्घटना हुई। इस सारी दुर्घटना की जिम्मेदारी वे सत्ता पक्ष पर थोपेंगे। कारण स्पष्ट है कि जो भी शासकीय संस्थाएं हैं, वे सत्ता पक्ष की ही तो कहलाएंगी, साथ ही उसका अदना सा बस चालक भी। इस राजनीतिक दुर्घटना के बाद दुर्घटना यह कि चालक की निर्ममता से पक्ष, विपक्ष तथा अपक्ष (जो किसी भी पार्टी के नहीं हैं – अपक्ष) द्वारा पिटाई, बाद में थाने का घेराव यानी की दुर्घटना यदि एक हो तो तमाम संभावित दुर्घटनाओं का साम्य जुड़ जाता है उसके साथ। यह तो हुई एक जान-माने नेता के साथ बस चालक की दुर्घटना जिससे बेचारे चालक का ही अधिक नुकसान हुआ कहना होगा, क्योंकि नेताजी पैरों की हड्डियां तुड़वाकर सहानुभूति के बल पर और अधिक वोट बटोरेंगे। बाद में पूछना ही क्या? आम आदमी के जीवन की त्रासद दुर्घटना यह कि वह ऐसी संवेदनाओं से टकराकर, वोट देकर पांच वर्ष के लिए बुरी तरह घायल हो जाता है। इसी संदर्भ में एक वरिष्ठ पत्रकार से मैंने पूछा – ''आम आदमी जब दुर्घटनाओं में मरते हैं तो आप चंद सतरें छापते हैं और उस आदमी का नाम तक नहीं छापते ऐसा क्यों?'' उन्होंने कहा- ''अजी! हम तो शेक्सपीयर का यह कथन मानते हैं, नाम में क्या रखा है, जिसे हम गुलाब कहते हैं वह किसी और नाम से भी वैसी ही सुगंध देगा'' मैंने तुरंत सवाल दागा—''तो भई जब कोई नेता या सेठ घायल हो जाता है तो आप दुर्घटना विशेषांक कैसे छाप देते हैं?'' उनका कथन था- ''पता नहीं आप कैसे इक्कीसवीं सदी में हैं – इतना भी नहीं समझते। भाई साहब! क्या जाने कब कौन नेता, कोई सेठ इस स्थान, प्रदेश, देश का शक्तिशाली पद पा जाए कुछ से कुछ हो जाए, कौन जानता है। इसी संदर्भ के लिए ही तो नेपोलियन ने कहा – असंभव नाम की चीज ही नहीं है।'' मैं उनकी सूक्तियां अधिक न झेल सका, लौट आया। बस, ट्रेन, ट्रक, साइकिल, स्कूटर आदि की दुर्घटनाओं के लिये छोटा मोटा बक्सा छपता है जबकि विमान दुर्घटना होने पर विशेष समाचार। कारण स्पष्ट है कि विमान का किराया अन्य वाहनों की अपेक्षा अधिक है। जितना व्यय करेंगे उतना ही प्रचार पायेंगे - यही नीति दुर्घटनाओं के संदर्भ में लागू होती है।

कल मनाई जाएगी बाबा काल भैरव की जयंती

जानें सही तारीख और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में महादेव को कौन नहीं जानता। देवताओं और दानवों दोनों के वो देव हैं। इसलिए वह महादेव कहलाए जाते हैं। वैसे भगवान शिव के 11 रूद्र अवतार हुए हैं। जिनमें से पांचवा रूप उनका कालभैरव का है। जिनकी जयंती अगामी मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन मनाई जाएगी। भगवान शिव का अंश अवतार होने के नाते बाबा काल भैरव भोलेनाथ की आराधना करने वालों की सदैव रक्षा करते हैं और शत्रुओं का नाश करते हैं।

काल भैरव जयंती और तिथि

काल भैरव जयंती – 5 दिसंबर 2023 दिन मंगलवार

मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि प्रारंभ – 4 दिसंबर 2023 दिन सोमवार रात 9 बजकर 59 मिनट से शुरू।

मार्गशीर्ष कृष्ण मास की पक्ष अष्टमी तिथि समापन – 6 दिसंबर 2023 दिन बुधवार दोपहर 12 बजकर 37 मिनट पर समाप्ती।

पूजा के लिए दिन का समय – 5 दिसंबर 2023 दिन मंगलवार की सुबह 10 बजकर 53 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 29 मिनट तक।

पूजा के लिए रात का समय – 5 दिसंबर 2023 दिन मंगलवार की रात 11 बजकर 44 मिनट से लेकर रात 12 बजकर 39 मिनट तक।

4 या 5 दिसंबर डेट वाली कन्फ्यूजन को करें दूर

जैसा की आप जानते हैं। वैदिक पंचागं के अनुसार मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि 4 दिसंबर 2023 दिन सोमवार रात 9 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी और 6 दिसंबर 2023 दिन बुधवार दोपहर 12 बजकर 37 मिनट तक रहेगी। उसके बाद मार्गशीर्ष मास की नवमी तिथि लग जाएगी। हिंदू धर्म में कोई भी व्रत, पूजा एवं अनुष्ठान के लिए उदयातिथि को सबसे शुभ माना जाता है। ऐसे में बाबा काल भैरव की जयंती 5 दिसंबर 2023 दिन मंगलवार को उदयातिथि में मनाई जाएगी।

काल भारव कैसे हुए प्रकट

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार ब्रह्मा और भगवान विष्णु को लेकर यह बात चली की दोनों में से कौन श्रेष्ठ है। इस बात को लेकर सभी देवताओं के साथ ब्रह्मा जी और भगवान विष्णु शिव जी के पास पहुंचे। उस समय सभी देवताओं ने इस बात का आपस में बैठ कर यह निष्कर्ष निकाला कि महादेव सबसे श्रेष्ठ हैं। लेकिन ब्रह्मा जी को ये बात स्वीकार न हुई और उन्होंने शिव जी को श्रेष्ठ न बता कर साधारण देव कहा और अपशब्ध भी बोला। इस बात पर शिव जी को क्रोध आगया और उस क्रोध के कारण उनके पांचवें रूद्र अवतार काल भैरव की उत्पत्ती हुई और क्रोध से भरे काल भैरव ने भोलेनाथ के अपमान का बदला ब्रह्मा जी के पांच मुखों मे से एक मुख काट कर लिया। तब से ब्रह्मा जी के चार मुख ही हैं। इस तरह काल भैरव जी की उत्पत्ती हुई।

काल भैरव बाबा को इस तरह करें प्रसन्न

काल भैरव का आशीर्वाद पाने के लिए शनिवार के दिन काले कुत्तों को रोटी खिलाएं। ऐसा करने से वह शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

काल भैरव की पूजा करने से जीवन में शत्रु बाधा से मुक्ति मिलती है और ऐसे लोग शत्रु रहित होते हैं।

यदि आप काल भैरव जयंती के दिन उनकी विशेष पूजा अर्चना करते हैं। तो बाबा भैरव नाथ आप पर कभी भी आंच नहीं आने देंगे। काशी में तो बाब काल भैरव को कोतवाल कहा गया है। मान्यता है कि काशी में अगर आप आते हैं तो सबसे पहले बाबा भैरव नाथ के दर्शन कर उनसे काशी में रहने की और बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए अनुमती लेनी पड़ती है। जो भी काशी दर्शन करने जाते हैं पहले भैरव नाथ जी के दर्शन करते हैं। माना जाता है कि शिव की नगरी काशी की रक्षा करने के लिए बाबा भैरव नाथ पांच स्थानों पर तैनात रहते हैं। काशी में भैरव बाबा का एक भव्य मंदिर है। जहां सभी भक्त उनके दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पृथ्वी के गर्भ से प्रकट हुआ था स्वयंभू शिवलिंग

दिलचस्प है छपरा के ढ़ोढ़नाथ बाबा की कहानी

बिहार में कई ऐसे स्थान हैं जो अपने पौराणिक इतिहास के लिए जाने जाते हैं। उनमें से हीं एक स्थान है सारण स्थित ढ़ोढ़नाथ स्थान। यहां बाबा भोलेनाथ का एक शिवलिंग स्थापित है। सारण के जाने माने ज्योतिषाचार्य स्वामी संदीपाचार्य ने बताया कि इस शिवलिंग का इतिहास बहुत ही पुराना है। इसके बारे में कहा गया है कि यह शिवलिंग पृथ्वी के अंदर से प्रकट हुआ था। बलिया के व्यपारी ने इस स्वयंभू शिवलिंग को पृथ्वी के गर्भ से निकालकर स्थापित किया।

शिवलिंग को लेकर व्यापारी को आया था सपना

स्वामी संदीपाचार्य ने बताया कि पुरातन काल में बलिया के रहने वाले ढोढा शाह नाम के एक व्यापारी इस रास्ते से व्यापार के सिलसिले में कहीं जा रहे थे। उस दौरान संध्या हो जाने पर वो अपनी नाव खड़ी कर रात्रि विश्राम कर रहे थे। तभी उन्हें एक सपना आया कि इस स्थान पर एक शिवलिंग है। हालांकि वह व्यापारी अगले दिन सुबह में इस सपने को नजरअंदाज कर जाने लगे, लेकिन उनकी नाव आगे बढ़ ही नहीं रही थी। तब अचानक से उन्हें रात के सपने का ध्यान आया। इसके बाद उस स्थान पर खुदाई की गई तो सचमुच भगवान भोलेनाथ का एक शिवलिंग प्रगट हुआ। स्वामी संदीपाचार्य के मुताबिक इस शिवलिंग की गहराई अनंत है।

सपने में आते हैं गुजर चुके दादा दादी? क्या कहता है स्वप्न शास्त्र

दिनभर की दिमागी कहानियां अक्सर हमें सपनों में दिखाई पड़ती हैं। लेकिन कभी-कभी गुजर चुके दादा-दादी लोग भी सपनों में दिखाईं पड़ते हैं। लेकिन इसका क्या संकेत है? क्या यह भविष्य में होने वाली अच्छी या बुरी चीजों के बारे में सकेंत देता है? यह आज हम स्वप्न शास्त्र से जानेंगे। इसके लिए भोपाल के पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा नामक ज्योतिषी यह समझाने में मदद करेंगे कि ऐसे सपनों का क्या मतलब हो सकता है।

सपने में मृत पूर्वजों का दिखना

पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार अगर आप सपने में अपने उन पूर्वजों को देखते हैं जो मर चुके हैं तो इसका मतलब यह हो सकता है कि आप उनके बारे में भूल गए हैं या कोई बड़ी गलती कर दी है। हो सकता है कि वे आपके सपनों के माध्यम से आपको कुछ महत्वपूर्ण बताने की कोशिश कर रहे हों, या फिर आपने कोई गलती कर दी है, जिससे उन्हें तकलीफ हुई हो भी वह सपनों में दिखाई दे सकते हैं। इसके लिए आपको उनसे माफी मांगना या एक विशेष अनुष्ठान करना एक अच्छा तरीका हो सकता है। यह आप अमावस्या के दिन नदी के किनारे दीपक जलाकर करें। आप किसी ऐसे व्यक्ति को कपड़े दें, जिसके पास कुछ नहीं है। जब सपने में हमारे पूर्वज हमारी ओर बढ़ते हुए दिखें तो इसका मतलब है कि वे हमारे जीवन में आने वाली समस्याओं से चिंतित हैं और उन्हें बेहतर बनाने में मदद करना चाहते हैं। पितरों का हमारी तरफ हाथ बढ़ाते हुए दिखना यदि सपने में हमारे पूर्वज हमारी तरफ हाथ बढ़ाते हुए दिख रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह हमारे जीवन में होने वाली समस्याओं से परेशान हैं और उन्हें कम करना चाहते हैं। अगर सपने में पूर्वज कुछ मांगते हुए नजर आ रहे हैं तो आप किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद को भोजन पका कर खिला सकते हैं।

जानें कौन से सपने का क्या मतलब

गुजर चुके दादा-दादी अगर सिर के पास खड़े होते हैं तो इस सपने का मतलब है कि आपके जीवन की मुसीबतें कम होने वाली हैं। वहीं यदि पैरों के पास खड़े दिखाई देते हैं तो इसका मतलब है कि आपके जीवन में मुसीबतें आने वाली हैं। अगर वह आपके सिर पर हाथ फेरते हैं तो इसका मतलब है कि वे आप से संतुष्ट हैं और आपको आशीर्वाद देना चाहते हैं। अगर वह दिख कर तुरंत गायब होते हैं तो इसका मतलब है कि आपके जीवन में कुछ समस्या आने वाली है जिसके लिए आपको तैयार रहना चाहिए। सपने में अगर आपके पूर्वज नाराज होते हुए नजर आ रहे हैं तो यह सपना पैतृक संपत्ति से जुड़े बड़े नुकसान को दर्शाता है।

सूर्य उपासना का सही समय क्या है?

सर्दियों में सूर्य देव की पूजा का जानें धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

पौराणिक काल से ही सूर्य को देवता का दर्जा प्राप्त है। पंचदेवों में सूर्य ही एकमात्र ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देते हैं। कहते हैं जो रोज सूर्य देवता को जल चढ़ाते हैं उन्हें यश-पुण्य, सुख-सौभाग्य और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है। हिंदू धर्म में व्रत का शुभारंभ भी सूर्योदय से ही मान्य होता है। सूर्य को जल चढ़ाने का एक नियमित समय है तभी ये पूजा फलित होती है। आइए जानते हैं सूर्य उपासना का सही समय क्या है, सर्दियों में सूर्य देव की पूजा का जानें धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व।

सूर्य को जल चढ़ाने का सही समय

ऋग्वेद के अनुसार सूर्योदय होने के 1 घंटे के अंदर उन्हें अर्घ्य देना चाहिए, क्योंकि इस दौरान सूर्य देव शीतल स्वभाव में होते हैं। इस समय सूर्य की किरणें साधक को रोगों से मुक्ति दिलाती है और इसके साथ ही उसे कार्यों में सफलता , आत्म बल मे वृद्धि , राजकृपा का आशीर्वाद भी मिलता है। जब सूर्य की रौशनी तेज हो या

चुभने लगे तब जल देने से कोई लाभ नहीं होता है , पूजा भी फलित नहीं होती।

सूर्य पूजा का धार्मिक महत्व

ज्योतिष के अनुसार, सूर्यदेव को अन्य सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। प्राचीन काल से देखा जा सकता है कि सिर्फ मनुष्य ही नहीं देवता भी सूर्य की पूजा के बाद ही अपनी दिनचर्या आरंभ करते थे। लंका जाने से पहले भगवान श्रीराम ने भी सूर्य को जल चढ़ाकर पूजा की थी, भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र को सूर्य पूजा का महत्व बताया है। श्रीकृष्ण के पुत्र सांब भी सूर्य की उपासना करके ही कुष्ठ रोग दूर कर पाए थे। सूर्य पूजा से कई ऋषियों को दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ है।

ज्योतिष में सूर्य पूजा का महत्व

ज्योतिष के अनुसार सूर्य को नवग्रहों में प्रथम ग्रह और पिता के भाव कर्म का स्वामी माना गया है। पिता-पुत्र के संबंधों में विशेष लाभ के लिए सूर्य साधना पुत्र को करनी चाहिए। सूर्यदेव की कृपा होने पर कुंडली में नकारात्मक प्रभाव देने वाले ग्रहों का प्रभाव कम हो जाता है। सूर्य को जल चढ़ाने से बिगड़े काम बन जाते हैं। नेतृत्व क्षमता में वृद्धि और राजसुख मिलने के योग बढ़ते हैं

सूर्य पूजा का वैज्ञानिक महत्व

सर्दियों में सूर्य देवता ग्यारह हजार रश्मियों के साथ तपकर सर्दी से राहत देते हैं। ऐसे में इस दौरान सूर्य देव की पूजा करने धर्म लाभ के साथ स्वास्थ लाभ भी मिलता है। शीत ऋतु में ठंड के कारण शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, जो हमें सूर्य की किरणों से मिलता है। ऐसे में जब सूर्य पूजा के दौरान उसकी किरणें शरीर पर पड़ती हैं तो त्वचा की बीमारियों का खतरा भी कम होता है और विटामिन डी की कमी भी पूरी हो जाती है। पाचन शक्ति भी बढ़ती है। सर्दी के मौसम में सूर्य को किए जाने वाले नमस्कार को सर्वांग व्यायाम कहा जाता है। इसे करने से अच्छी सेहत के साथ-साथ मानसिक शांति भी मिलती है।

रावण के जन्म का क्या है रहस्य कैसे इतना ज्ञानी बन गया राक्षस

श्रीरामचरित मानस में रावण को बुराइयों का प्रतीक माना गया है। रावण के अधार्मिक कामों की वजह से उसका और उसके वंश का नाश हो गया है। रावण की छवि हमारे जहन में एक राक्षस की बनी हुई है लेकिन क्या आप जानते हैं। रावण शिव का परम भक्त होने के अलावा एक प्रकांड विद्वान ब्राह्मण, महाज्ञानी, राजनीतिज्ञ, महाप्रतापी, महापराक्रमी योद्धा था। रावण में सत्व, रज और तम तीनों ही गुण थे। आखिर रावण का चरित्र एक विद्वान ब्राह्मण था लेकिन फिर वो राक्षस कैसे बन गया आइए जानते रावण के जन्म से जुड़ा ये रहस्य

रावण के जन्म की कथा

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, रावण पुलत्स्य मुनि के पुत्र महर्षि विश्रवा और राक्षसी कैकसी का पुत्र था। पौराणिक काल में माली, सुमाली और मलेवन नाम के 3 क्रूर दैत्य भाई हुआ करते थे। ब्रह्म देव से बलशाली होने के वरदान पाकर इन्होंने चारों ओर अत्याचार मचा रखा था। जब इनका अत्याचार बढ़ गया तब ऋषि-मुनि और देवतागण भगवान विष्णु के पास गए। श्रीहरि ने दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए उनसे युद्ध किया। श्रीहरि ने युद्ध में माली सहित कई अन्य राक्षस का नरसंहार किया लेकिन सुमाली और मलेवन अपने परिवार सहित पाताल में छुप गया। माली ने देवताओं पर विजय प्राप्ति के लिए एक योजना बनाई। उसने अपनी पुत्री का विवाह ऋषि विश्रवा से करने का विचार किया ताकि उनसे एक शक्तिशाली पुत्र का जन्म हो ब्राह्मण भी हो और राक्षसों के कहने पर देवताओं के साथ युद्ध करके उन्हें हरा सके।

देवों पर विजय पाने राक्षसी पुत्री का ऋषि से विवाह कराया

सुमाली अपनी पुत्री कैकसी के पास पहुंचा और उससे कहा कि राक्षस वंश के कल्याण के लिए मैं चाहता हूं कि तुम परमपराक्रमी महर्षि विश्रवा के पास जाकर उनसे विवाह करो और पुत्र प्राप्त करो। कैकसी ने पिता की बात स्वीकार ली लेकिन जब वह ऋषि विश्रवा से मिलने पहुंची तब शाम हो चुकी थी। आश्रम पहुंचक कैकसी ने ऋषि को मन की इच्छा बतलाई।

ऐसे रावण ब्राह्मण होते हुए भी राक्षस बना

ऋषि विश्रवा उससे विवाह करने को तैयार हो गए लेकिन उन्होंने कहा कि कैकसी तुम कुबेला में मेरे पास आई हो, अतः मेरे पुत्र क्रूर कर्म करने वाले होंगे। उन राक्षसों की सूरत भी भयानक होगी लेकिन मेरा तीसरा पुत्र मेरी ही तरह धर्मात्मा होगा। इस तरह ऋषि विश्रवा और कैकसी ने रावण, कुंभकर्ण, पुत्री सूपर्णखा का जन्म हुआ। सबसे आखिर में और तीसरे पुत्र के रूप में धर्मात्मा विभीषण का जन्म हुआ।

सुबह उठते ही कर लें ये 5 काम, दूर होगी जिंदगी की हर समस्या

हिन्दू धर्म में प्रातः उठना सबसे शुभ माना जाता है। कहते हैं कि प्रातः उठने के वैज्ञानिक लाभ तो होते ही हैं, साथ ही धार्मिक लाभ भी होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसके दिन की शुरुआत बहुत अच्छी हो जिससे पूरा दिन सकारात्मक रूप से गुजरे। शास्त्र के अनुसार, प्रातः उठकर कुछ विशेष काम करने चाहिए जिससे पूरा दिन खुशनुमा गुजरता है।

कहते हैं कि हर मनुष्य को जीवन ईश्वर ने ही दिया है इसलिए प्रातः सबसे पहले उठते ही प्रभु का स्मरण करें। जीवन की अच्छी चीजों के लिए शुक्रिया अदा करें।

ईश्वर का स्मरण करने के बाद अपनी हथेलियों को रगड़ें तथा अपनी हथेलियों के दर्शन करें। कहते हैं कि हथेलियों में धन की देवी मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और प्रभु श्री विष्णु का वास होता है।

बिस्तर छोड़ने के पश्चात अपने मां बाप के चरण स्पर्श अवश्य करें। ऐसा करने से आपका भविष्य उज्जवल होगा और माता पिता को सम्मान प्राप्त होगा।

कहते हैं कि सूर्यदेव को अर्घ्य देने से जीवन की सभी समस्याएं नष्ट हो जाती हैं।

प्रातः उठते ही सबके साथ मीठी वाणी का प्रयोग करें। क्रोध न करें। साथ ही कठोर शब्दों का इस्तेमाल न करें।

इन गुणों वाला व्यक्ति जीवन में कभी नहीं होता असफल, हर कदम पर मिलती है कामयाबी

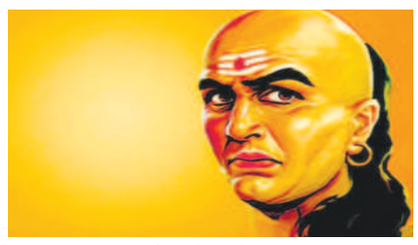

महान विद्वान, शिक्षक और कुशल कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति शास्त्र में मनुष्य के जीवन से जुड़ी तमाम पहलुओं के बारे में जिक्र किया है। आचार्य चाणक्य द्वारा बताई गई नीतियां आज भी लोगों के काम आती हैं। उनकी नीतियां लोगों को सही मार्ग दिखाती हैं। कई बार हम किसी काम को करने में अपना जी जान लगा देते हैं, लेकिन फिर भी उसमे सफल नहीं हो पाते हैं। आचार्य चाणक्य के अनुसार असफलता के पीछे स्वयं व्यक्ति का ही हाथ होता है। इसलिए उन्होंने अपनी नीति शास्त्र में कई मंत्र बताए हैं, जिसका पालन करके व्यक्ति अपनी असफलता को सफलता में आसानी से बदल सकता है।

मेहनत

मेहनत करने वाले लोग कभी भी असफल नहीं होते हैं। एक न एक दिन मेहनत का फल अवश्य मिलता है, इसलिए कभी मेहनत से जी न चुराएं। कड़ी मेहनत ही सफलता का ही मूल मंत्र होता है।

ज्ञान

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि किसी प्रकार से अर्जित किया गया ज्ञान कभी भी बेकार नहीं जाता है, फिर चाहे वह किताबी ज्ञान हो या किसी काम को करने से मिला अनुभव का ज्ञान। एक न एक दिन आपका यह अनुभव जरूर काम आता है। ज्ञानी व्यक्ति कभी भी जीवन में असफल नहीं होता है।

धन

जीवन में अच्छा और बुरा समय आता जाता रहता है, लेकिन पैसे की जरूरत हमेशा होती है। इसलिए जीवन में सफलता पाने के लिए हमेशा आपके पास अतिरिक्त धन रहना चाहिए।

सतर्कता

जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए सतर्कता बहुत जरूरी है। आप जहां भी रहें या जो भी काम करें आंख कान खुले रखना चाहिए। हमेशा सतर्क रहने वाला व्यक्ति कभी भी असफल नहीं होता है।

खुशी कपूर बचपन से हो रहीं ट्रोल्स की शिकार सुर्खियों में 'द आर्चीज' अभिनेत्री का बड़ा बयान

बोनी कपूर की लाडली बेटी और जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर, जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से अपना अभिनय डेब्यू करने जा रही हैं। खुशी कपूर डेब्यू से पहले से ही अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। खुशी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जहां एक तरफ खुशी के फैंस उनकी हर एक अदा और एक्टिविटी पर प्यार लुटाते हैं। तो वहीं, ट्रोल्स कोई न कोई कमी निकालकर उन्हें ट्रोल भी करते हैं। वहीं, अब खुशी ने ट्रोल्स पर चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दे दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है।

दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान खुशी ने एक इंटरव्यू में सोशल मीडिया की चुनौतियों से निपटने का अपना अनुभव साझा किया, जिसका सामना वह छोटी उम्र से कर रही हैं। उन्होंने खुलासा किया कि समय के साथ, उन्होंने एक लचीला रवैया विकसित कर लिया है, अब वह नकारात्मक टिप्पणियों को खुद पर उतना प्रभाव नहीं डालने देती। खुशी ने स्वीकार किया कि वह बहुत कम उम्र से ही इसके संपर्क में आ गई थीं और वह इसके प्रति काफी हद तक असंवेदनशील हो गई थीं।

खुशी कपूर ने अपनी बदली हुई मानसिकता के बारे में बताते हुए कहा कि पहले वह कुछ नकारात्मक कमेंट पढ़कर दुखी हो जाती थीं। हालांकि, अब उन्होंने सीख लिया है कि इसे इतना दिल पर नहीं लेना है। वह वास्तव में हर चीज पर विचार नहीं करती हैं, और न ही उस पर ज्यादा सोचती हैं जैसा कि वह पहले करती थीं। वह स्वीकार करती हैं कि वह अन्य लोगों की राय को अधिक महत्व देती हैं, जो उनके लिए अधिक मायने रखते हैं।

आगामी फिल्म 'द आर्चीज' में बेट्टी कूपर की भूमिका में नजर आने वालीं खुशी ने साझा किया कि इस किरदार ने उन्हें खुद के प्रति दयालु होना सिखाया। बेट्टी के मधुर और संवेदनशील स्वभाव ने उन्हें शूटिंग के दौरान खुद पर थोपे गए दबाव को कम करने और अधिक दयालु होने के लिए प्रेरित किया।

जोया अख्तर की 'द आर्चीज' लोकप्रिय अमेरिकी कॉमिक बुक सीरीज पर आधारित फिल्म है। इसमें नवोदित सुहाना खान, अगस्त्य नंदा, वेदांग रैना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के टीजर, गाने ने पहले से ही फैंस का उत्साह बढ़ाया हुआ है। 'द आर्चीज' का प्रीमियर 7 दिसंबर को ओटीटी पर होने वाला है।

बॉक्स ऑफिस पर एनिमल को जबरदस्त सफलता मिलने से भावुक हुए बॉबी देओल

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म एनिमल को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से खूब सराहना मिल रही है। हर कोई फिल्म की जमकर तारीफ कर रहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए हैं। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी एनिमल तहलका मचा रही है। एनिमल में अभिनेता बॉबी देओल ने एक खतरनाक विलेन का किरदार निभाया है। फिल्म में उनके लुक और शानदार प्रदर्शन की खूब तारीफ हो रही है।

एनिमल को मिल रही अपार सफलता और प्यार के बाद बॉबी देओल ने हाल ही में खुद को भावनाओं से अभिभूत पाया। काफी समय के बाद इस स्तर के प्यार, समर्थन और सफलता का अनुभव करते हुए हाल ही में बॉबी देओल इमोशनल हो गए हैं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल में अभिनेता ने एक खतरनाक खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनका खतरनाक लुक देख हर कोई दीवाना हो गया है। एनिमल में बॉबी देओल के बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है।

बॉबी देओल ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन एक वक्त पर अभिनेता का करियर डगमगाने लगा था। मगर हाल ही के कुछ वर्षों में उन्होंने अपने करियर की गाड़ी को संभालते हुए कुछ सार्थक भूमिकाओं से खुद को दोबारा स्थापित करने के लिए जी तोड़ मेहनत की है। एनिमल उनके करियर के लिए एक नया मोड़ प्रतीत हो रही है। रणबीर कपूर स्टारर एनिमल बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है।

फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की तरफ से मिली प्रशंसा को देखते हुए रेस 3 अभिनेता बॉबी देओल हाल ही में अपनी कार में बैठते समय स्पष्ट रूप से भावुक नजर आए। फिर भी उन्होंने अपनी भावनाओं को संभालते हुए पैपराजी को अनदेखा नहीं किया। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर एनिमल शानदार प्रदर्शन कर रही है।

आलिया ने पहले रश्मिका को गले लगाया और फिर बनाया अजीब मुंह, वीडियो हुआ वायरल

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल'रिलीज के बाद से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. अपनी ओपनिंग के साथ ही यह फिल्म साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. फिल्म की रिलीज से पहले टीम ने फिल्म की स्क्रीनिंग रखी जिसमें इंडस्ट्री के कई लोग मौजूद थे, इस दौरान रणबीर कपूर की पत्नी आलिया भट्ट भी पहुंचीं. इस दौरान फिल्म की एक्ट्रेस रश्मिका भी वहां मौजूद थीं. दोनों एक्ट्रेस ने एक-दूसरे को गले लगाया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. बॉलीवुड की द मोस्ट अवेटेड फिल्म 'एनिमल'आखिरकार 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में हैं, फिल्म की कहानी पिता-पुत्र के रिश्ते की कहानी है, जिसमें रणबीर ने बेटे का किरदार निभाया है जबकि

अनिल कपूर ने उनके पिता की भूमिका निभाई है.'एनिमल' की टीम ने फिल्म के प्रीमियर की मेजबानी की और आलिया अपने परिवार के साथ शो देखने के लिए आईं. प्रीमियर में इंडस्ट्री के कई सितारें भी मौजूद रहे. जिसमें नीतू कपूर, महेश भट्ट, सोनी राजदान और शाहीन भट्ट के साथ नजर आईं. इस दौरान सभी की मुलाकात रश्मिका मंदाना से हुई.

इवेंट में आलिया ने अपने पति रणबीर कपूर और फिल्म 'एनिमल' को सपोर्ट करते हुए रणबीर कपूर के किरदार वाली टी-शर्ट पहनी थी. इस दौरान आलिया भट्ट की मुलाकात फिल्म की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से हुई. इवेंट के लिए रश्मिका मंदाना ने बॉडीकॉन ड्रेस चुनी. दोनों एक्ट्रेस ने गले मिलकर एक-दूसरे का स्वागत किया, गले मिलते वक्त आलिया के चेहरे के हाव-भाव आजीब था, जो लोगों को पसंद नहीं आए. अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. वायरल वीडियो पर फैंस कमेंट कर रहे है कि एक यूजर ने लिखा, इस अजीब तरीके से गले लगाने का क्या मतलब ह. वहीं दूसरे ने कहा कि आलिया चेहरा क्यों बना रही है. तीसरे ने कहा- वह उसकी आंखों में नहीं देख रही है. कुछ लोगों ने इसे 'फर्जी एटिट्यूड' भी बताया. फिल्म एनिमल का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है. यह एक बाप बेटे के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती कहानी है. इसमें अनिल कपूर ने पिता की भूमिका निभाई है, वहीं रणबीर ने बेटे की.

कपिल शर्मा ने सुनील ग्रोवर के साथ मिलाया हाथ, लड़ाई-झगड़े भूल दोबारा बने दोस्त

कॉमेडियन कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर का सालों से झगड़ा चल रहा था.ये झगड़ा अब खत्म हो गया है, दोनों के बीच अब ये लड़ाई खत्म हो गई है. कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर फिर से एक होने के लिए तैयार हैं. सितारों ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में एक अपडेट साझा किया है .नेटफ्लिक्स इंडिया द्वारा साझा की गई पोस्ट में लिखा है, दिल थाम के बैठे, जिस घड़ी का इंतजार था, वो आ गए हैं कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर एक साथ वापस. जल्द ही आ रहे हैं, केवल नेटफ्लिक्स पर. वीडियो की शुरुआत कपिल शर्मा द्वारा दर्शकों का अभिवादन करने से होती है.

190 से ज्यादा देश का करेंगे दौरा

वो कहते हैं,हाय दोस्तों, मैं कपिल शर्मा हूं. इस पर सुनील ग्रोवर कहते हैं, 'और आप जानते हैं कि मैं कौन हूं.' इसके बाद दोनों ने कहा कि वे नेटफ्लिक्स पर एक शो में एक साथ दिखाई देंगे. और भी चुटकुले आ रहे हैं - ₹तो हम 190 से अधिक देशों में होंगे, कपिल कहते हैं. सुनील प्रफुल्लित होकर कहते हैं, हालांकि ऑस्ट्रेलिया को भूल जाइए. . कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर के अलावा अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर भी हिस्सा हैं.

भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री में एक लोकप्रिय नाम सुनील ग्रोवर, सलमान खान और कैटरीना कैफ स्टारर भारत जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं. सुनील ग्रोवर ने विशाल भारद्वाज की कॉमेडी ड्रामा कहानी में सान्या मल्होत्रा और राधिका मदान की कोस्टार के रूप में भी रोल प्ले किया. आमिर खान की 2008 की सुपरहिट फिल्म गजनी, अक्षय कुमार की गब्बर इज बैक में भी उनका छोटा सा रोल था.

उन्होंने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज (सीजन 3) से टीवी इंडस्ट्री में डेब्यू किया. कपिल ने किस किसको प्यार करूं से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. उन्होंने नेटफ्लिक्स विशेष में भी रोल प्ले किया और नंदिता दास की ज़्विगाटो में अभिनय किया. इससे पहले उनका एक नेटफ्लिक्स स्पेशल भी आया था.

'द डर्टी पिक्चर' के 12 साल पूरे हुए इमरान हाशमी ने फिल्म को बोल्ड बताया

'द डर्टी पिक्चर' फिल्म को 12 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म 2012 की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इस मौके पर डायरेक्टर मिलन लुथरिया ने फिल्म के दौरान हुई परेशानियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म की कास्टिंग को लेकर भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। एक वक्त में तो उन्हें ऐसा लगने लगा था कि शायद फिल्म बन ही ना पाए। इसके अलावा इमरान हाशमी ने भी अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, 'द डर्टी पिक्चर फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं गर्व महसूस करता हूं कि उस दौरान इस फिल्म का हिस्सा बना।'

डायरेक्टर ने तीन इंसिडेंट्स बताए जहां उन्हें लगा था कि फिल्म नहीं बन पाएगी

मिलन लुथरिया ने फिल्म के दौरान अपनी यादों को शेयर करते हुए बताया कि ऐसा तीन बार हुआ जब मुझे लगा था कि यह फिल्म नहीं बन पाएगी। उन्होंने सबसे पहला इंसिडेंट 'द डर्टी पिक्चर' की कास्टिंग को लेकर बताया। हालांकि डायरेक्टर की चॉइस में हमेशा विद्या बालन ही इस रोल के लिए परफेक्ट थी।

दूसरे इंसिडेंट में उन्होंने कहा कि विद्या बालन की इमेज उनके किरदार से बिल्कुल अलग थी। इसे पर्दे पर दिखाना आसान नहीं था। लेकिन मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ ने अपनी स्किल्स से ये बखूबी कर दिखाया।

तीसरे इंसिडेंट में डायरेक्टर ने बताया कि डिस्ट्रिब्यटर्स ने फिल्म के टाइटल को लेकर ऐतराज किया था। वे चाहते थे कि इस फिल्म का टाइटल बदला जाए लेकिन एकता कपूर ने ऐसा होने नहीं दिया। एकता कपूर अपने डिसिजन पर अड़ी रहीं और अपना पैसा लगाकर फिल्म को 'द डर्टी पिक्चर' टाइटल के साथ ही रिलीज किया। इतना ही नहीं फिल्म के रिलीज के बाद फिल्ममेकर्स ने सिर्फ महिलाओं के लिए इस फिल्म का एक स्पेशल शो भी रखा था।

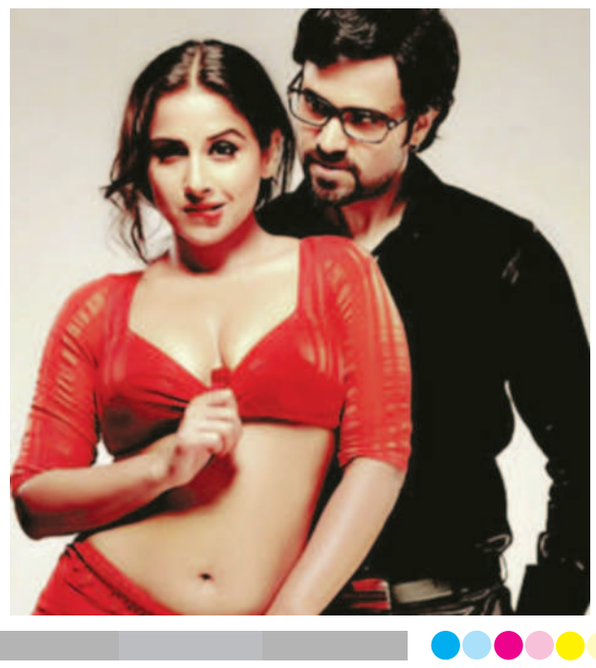

इमरान हाशमी ने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, '2012 में 'द डर्टी पिक्चर' जैसी फिल्म बनाना एक साहसी डिसिजन था। इस फिल्म की कहानी अपने समय से बहुत आगे थी। यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं गर्व महसूस करता हूं कि उस दौरान इस फिल्म का हिस्सा बना।' इमरान ने फिल्म में निभाए गए अपने किरदार के बारे में भी बताया कि वह किरदार उनके लिए हमेशा स्पेशल रहेगा।

डेटिंग की अफवाहों के बीच 'कपूर' टैग फ्लॉट करती दिखीं अनन्या पांडे

बॉलीवुड के रुमर्ड कपल अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर अक्सर शहर को अपने प्यार के रंग में रंगते नजर आते हैं. हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर खुलासा नहीं किया है. लेकिन दोनों को कई मौकों पर डिनर डेट के लिए बाहर निकलते देखा गया है. दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है, जिससे उनकी डेटिंग की अफवाहों को और भी बल मिलता है. अब एक बार फिर अनन्या पांडे ने आदित्य के साथ अपने रिश्ते को साफ करते हुए एक बड़ा साइन दिया है. जब वह एयरपोर्ट पर 'कपूर' लिखा हुआ टॉप पहने हुए दिखाई दीं.

अनन्या पांडे ने 'कपूर' टैग का प्रदर्शन किया

आदित्य रॉय कपूर के साथ डेटिंग की अफवाहों के बीच अनन्या पांडे ने 'कपूर' टैग का प्रदर्शन किया. कुछ समय पहले 2 दिसंबर को अनन्या पांडे को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था. पपराज़ी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में अभिनेत्री को गुलाबी ड्रेस में देखा गया था. एक्ट्रेस ने सेंटर पार्टीशन के साथ अपने बालों को खुला रखा और नो-मेकअप लुक कैरी किया. इसके अलावा वह अपने साथ एक बैग भी ले जाती नजर आईं.

कस्टमाइज्ड टॉप से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा

हालांकि, जिस चीज़ ने सभी का ध्यान खींचा वह था उनका कस्टमाइज्ड टॉप, जिस पर हिंदी में 'कपूर' लिखा हुआ था. वीडियो में एक्ट्रेस पार्किंग में अपनी कार की ओर बढ़ती नजर आ रही थीं. उन्होंने न केवल पैप्स के लिए पोज़ दिया. बल्कि फैंस के साथ तस्वीरें क्लिक करने के लिए भी समय निकाला. खास रूप से, इससे पहले कॉफ़ी विद करण 8 में सारा अली खान के साथ अभिनेत्री ने आदित्य रॉय कपूर के साथ डेटिंग की अफवाहों पर फीडबैक देते हुए उन्हें अपना 'सबसे अच्छा दोस्त' कहा था.

जब अन्नया पांडे की जुबान फिसल गई

इसके अलावा, अभिनेत्री से आगे पूछा गया कि वह अपनी 'रातें' कैसे मैनेज कर रही हैं. उन्होंने साझा किया, ईमानदारी से कहूं तो, साथ ही मेरे दिन भी मुझे लगता है कि मेरी रातें और दिन दोनों बहुत अच्छे से बीत रहे हैं. चैट शो के होस्ट, करण जौहर ने उनसे आगे पूछा कि क्या वह प्यार में थोड़ा 'गुमराह' हुई थीं. 'खो गए हम कहां' की अभिनेत्री ने जवाब दिया, आप जानते हैं कि आशिकी कैसे होता है, लेकिन जब उसने कहा, नहीं, बात करना बंद करो. तो उसकी जुबान फिसल गई.

फिटनेस ट्रेनर के रूप में बनाएं एक सुनहरा करियर

स्वस्थ शरीर और दिमाग दोनों ही फिटनेस को डिफाइन करते हैं। अगर हर दिन आप कसरत करते हैं तो कोई बीमारी आपको छू नहीं सकती है। कसरत कौन सी करें और कैसे करें इसके बारे में आपको फिटनेस ट्रेनर अच्छी तरह बता सकते हैं। आज के इस ब्लॉग के जरिए हम आपको बताएंगे कि फिटनेस ट्रेनर कौन होते हैं और फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए क्या करना पड़ता है। चलिए विस्तार से जानते हैं कि फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर कैसे बनाएं।

जैसे-जैसे लोग ठीक से व्यायाम करने लगते हैं, फिटनेस ट्रेनर उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्देश देते हैं और उन्हें जमकर प्रेरित भी करते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर एक या एक से अधिक क्षेत्रों में एक्सपर्ट हो सकते हैं और इस प्रकार, लोगों को उनके गाइडेंस में शारीरिक कसरत को करने में सहायता कर सकते हैं।

वे लोगों के एक ग्रुप को तैयार कर सकते हैं, या विशिष्ट क्लाइंट्स के साथ एक-के-बाद-एक सेशंस ले सकते हैं। यदि वे फिजिकल ट्रेनर बनने की इच्छा रखते हैं तो उनके पास संबंधित स्किल्स होना आवश्यक है क्योंकि नौकरी के लिए रोज़ाना के आधार पर क्लाइंट डीलिंग की आवश्यकता होती है।

फिटनेस ट्रेनर के कार्य

फिटनेस ट्रेनर का काम होता है अपने क्लाइंट्स को एक्सरसाइज कराना उसके अनुसार डाइट प्लानिंग कराना या बताना।

कसरत से आधारित सभी जानकारी अपने क्लाइंट्स को देना फिटनेस ट्रेनर के लिए आवश्यक होता है।

सभी ट्रेनिंग से संबंधित उपकरणों की नॉलेज होना बहुत आवश्यक है।

व्यक्ति के अनुसार तथा शरीर के मुताबिक कसरत और डाइट प्लान को बताना होता है।

फिटनेस ट्रेनर को पोषण, वजन प्रबंधन, तनाव कम करना, वजन घटाना, वजन बढ़ना, आहार से संबंधित आदि विषयों पर ध्यान देना होता है।

फिटनेस ट्रेनर के प्रकार

ऐसे कई अलग-अलग क्षेत्र हैं जिनमें एक ट्रेनर स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकता है। आइए नीचे जानते हैं फिटनेस ट्रेनर के प्रकार-

वेट मैनेजमेंट ट्रेनरः लाइफस्टाइल और वेट मैनेजमेंट सभी की एक आम चिंता बन गई है, इस प्रकार, ऐसे ट्रेनर लोगों को उनके सेट टारगेट के अनुसार वजन कम करने या बढ़ाने में मदद करते हैं और एक संतुलित लाइफस्टाइल प्राप्त करने में भी उनकी मदद करते हैं।

ऑर्थोपेडिक ट्रेनरः ऑर्थोपेडिक ट्रेनर उन क्लाइंट्स को अटेंड करते हैं जिनके पास विशेष रूप से घुटनों में मेडिकल कंडीशंस हैं और उनकी चिकित्सा स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विशेष एक्सरसाइज और निर्देव की आवश्यकता होती है।

मेडिकल ट्रेनरः एक मेडिकल फिटनेस ट्रेनर उन लोगों का मैनेजमेंट करता है जो मेडिकल ट्रीटमेंट से गुजर रहे हैं या उन्हें कोई बीमारी है। जिसके कारण उन्हें एक निश्चित स्तर की फिजिकल फिटनेस बनाए रखनी होती है।

स्पेशल या सेलिब्रिटी ट्रेनरः फिटनेस ट्रेनर जो एडवांस ट्रेनिंग में स्पेशलाइजेशन रखते हैं, वे आमतौर पर लोकप्रिय सेलेब्स के साथ काम करते हैं और एक भूमिका के लिए उनकी बॉडी को प्राप्त करने में उनकी मदद करते हैं।

फिटनेस ट्रेनर बनने ले लिए टिप्स?

आवश्यक स्किल्स प्राप्त करेंः फिटनेस क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए, आपको फिट होने और दूसरों को भी ऐसा करने में मदद करने के लिए समर्पित होना चाहिए। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को कसरत करने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर के लिए मजबूत इंटरपर्सनल स्किल्स की आवश्यकता होती है।

क्वालिफिकेशन परीक्षा देंः किसी मान्यता प्राप्त संघ द्वारा सर्टिफिकेशन फिटनेस इंडस्ट्री में शामिल होने का एक मानदंड है। कई संगठन लिखित और वास्तविकता मूल्यांकन के साथ स्वास्थ्य जांच प्रोग्राम प्रदान करते हैं।

स्पेशलाइजेशनः आप अपने चुने हुए क्षेत्र में विशेष कोर्स को करके अपने ट्रेनिंग अनुभव का विस्तार करते हैं। यदि आप वेट लिफ्टिंग या फंक्शनल फिटनेस में शामिल हैं, तो उस क्षेत्र के लिए विशिष्ट एडवांस्ड कोर्सेज के लिए एनरोल करें।

ऑन-द-जॉब ट्रेनिंगः यदि आप एक प्रोफेशनल फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो कार्य अनुभव एक आवश्यकता है। कई कंपनियां स्पेशलाइजेशन के आधार पर लोगों को भर्ती करती हैं। प्रैक्टिक अनुभव प्राप्त करने के लिए फ्रेशर्स ट्रेंड फिटनेस प्रोफेशनल्स के साथ असिस्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं।

फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए स्पेशलाइजेशन

स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच
ग्रुप एक्सरसाइज इंस्ट्रक्टर
फिटनेस मैनेजर
सीनियर फिटनेस स्पेशलिस्ट
यूथ फिटनेस स्पेशलिस्ट
वेट लॉस ट्रांसफॉर्मेशन स्पेशलिस्ट
बॉडीबिल्डिंग स्पेशलिस्ट
करेक्टिव एक्सरसाइज स्पेशलिस्ट

फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए स्टेप बाय स्टेप गाइड

फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए स्टेप बाय स्टेप गाइड नीचे दी गई है-

फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए कोर्सेज

दुनिया भर की यूनिवर्सिटीज कई कोर्सेज ऑफर करती हैं जो आपको एक फिटनेस ट्रेनर बनने में मदद करते हैं।

पहली नौकरी ज्वॉइन करने से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

हर व्यक्ति के जीवन में पहली नौकरी की अलग ही अहमियत होती है। प्राइवेट सेक्टर्स की नौकरियों में ग्रोथ के लिए लोग समय-समय पर नौकरियों को बदलते रहते हैं। हालांकि, पहली नौकरी के दौरान लोगों को खास सतर्कता की जरूरत होती है। क्योंकि अगर पहली नौकरी की शुरुआत अच्छी होती है तो आगे रास्ता आसान हो जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि पहली नौकरी के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

नई चीजों के एक्सेप्ट करें

पहली नौकरी के दौरान नई चीजों को एक्सेप्ट करना चाहिए। क्योंकि इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सेंट गोबेन इंडिया के एचआर विभाग के पी पद्मकुमार के मुताबिक, हमारे विचार और ज्ञान हमारे काम के हिसाब से होने चाहिए. नई चीजों की स्वीकार करने में देर नहीं करनी चाहिए.

धैर्य रखें

पहली नौकरी हो या फिर दूसरी या फिर तीसरी या फिर 10वीं नौकरी धैर्य बहुत जरूरी होती है। क्योंकि हर संस्थान की काम करने की अलग शैली होती है। ऐसे में किसी भी काम को लेकर हड़बड़ी न करें। क्योंकि कई बार काम के दौरान दबाव में आकर हम गलत फैसले ले लेते हैं।

खुद का बनाएं नेटवर्क

पहली नौकरी हो या फिर दूसरी या फिर तीसरी नौकरी....नौकरी के दौरान खुद का नेटवर्क जरूर बनाना चाहिए। क्योंकि प्राइवेट सेक्टर्स में नेटवर्क होना बहुत जरूरी है। नेटवर्क की मदद से आप नौकरियों को आसानी से बदल सकते हैं। वहीं, ऑफिस में भी सबसे कनेक्ट रहने की कोशिश करें। क्योंकि इससे काम आसानी से सीखा जा सकता है।

समय-समय पर करते रहे प्रयोग

वूपलर के सीईओ अर्जुन जाचरिया कहते हैं, कोई चीज चलन में है, इसी वजह से उसका साथ न दें। नए आयामों का प्रयोग करने से परहेज न करें। ऐसे में पहली नौकरी के दौरान समय-समय पर प्रयोग करते रहें। जबभी मौका मिले उसे जरूर भुनाएं।

भरोसेमंद बनिए

पहली नौकरी के दौरान भरोसमंद बनने की कोशिश करें। कोशिश करें कि काम के दौरान किसी को कहने का मौका न दें। हालांकि, अपने अधिकारों के प्रति भी सजक रहें और किसी भी परेशानी में जवाब देने के लिए तैयार रहें। पद्मकुमार कहते हैं कि आपकी पहली नौकरी ही आपके प्रति धारणा तैयार करती है। ऐसे में दूसरों का आप पर विश्वास करना जरूरी है। कोई आपके द्वारा कमाए पैसा याद रखे या नहीं, मगर आपकी छवि को जरूर याद रखता है। इसलिए भरोसेमंद बनने की कोशिश करना चाहिए।

'बनारसी कपडों को नए अंदाज में पहने

कुछ फैशन सदाबहार होते हैं, जैसे बनारसी सिल्क का फैशन। भारतीय महिलाओं 1 में बनारसी सिल्क साड़ी का केज हर सीजन में ही देखने को मिलता है। खासकर साऊथ इंडियन महिलाएं काजीवरम-बनारसी साड़ी बहुत पसंद करती है। इस साड़ी में महिलाओं की लुक टेडीशनल के साथ रॉयल लगती है। दादी-नानी अपने जमाने में जितना इस ट्रैडीशनल साड़ी को पसंद करती थीं, उतना ही मॉडर्न लड़कियां भी इसे पसंद कर रही है।

किसी भी महिला के वॉर्डरोब में आपको एक-आध सिल्क की साड़ी तो मिल ही जाएगी। साड़ी को मॉडर्न ट्विस्ट देकर नए और स्टाइलिश तरीके से भी पहना जा रहा है। बनारसी साड़ी को नया रूप देकर रीयूज करने का ट्रेंड इन दिनों काफी चलन में है। अगर आपके पास अपनी मा या दादी-नानी की साड़ी है और इसे आप साड़ी के रूप में कैरी नहीं करना चाहती तो स्टाइलिश डेसेज स्टिच करवा सकती है।

बोल्ड लुक के लिए सलवार सूट

बनारसी सिल्क में कुछ वैस्टर्न पहनने का सोच रही है तो बी-टाऊन की कुछ दीवाज से आइडियाज ले सकती है। एक्ट्रैस क्षेता तिवारी की तरह आप रेड गोल्ड बनारसी वर्क सलवार सूट ट्राई कर सकती हैं। ट्रेडीशनल में बोल्ड अंदाज आपको भीड़ में हटके लुक देगा।

स्टाइलिश लुक देगा गाऊन

नीता मुकेश अम्बानी कल्चरल सेंटर ईवेंट में शामिल हुई सबा आजाद ने पुरानी बनारसी साड़ी। के साथ बना रेड गाऊन पहना था। यह गाऊन सिम्पल था लेकिन इसमें दिया गया बनारसी टच गाऊन को और भी फ्लोरिश कर रहा था। ऐसे में यदि आप भी अपने गाऊन को एक नया लुक देना वाहती है, तो इस तरह का गाऊन टाई कर सकती हैं।

अगर पहननी हो ट्रेडीशनल अंदाज में

अगर आप बनारसी साड़ी को टेडीशनल अंदाज में ही पहनने की सोच रही हैं तो अपनी लुक को निखारने और हटकर बनाने के लिए इसके साथ कुछ खास तरह की एक्सेसरीज का उपयोग कर सकती हैं, जैसे कि पोटली बेग। इस तरह के बैग काफी टैंड में है।

बनारसी में ट्राई करें प्लाजो सूट्स

हाल ही में दीवाली पार्टी का हिस्सा बनी करिश्मा कपूर भी बनारसी में ग्लैमरस अंदाज दिखाती हुई नजर आई थीं। पर्पल गोल्डन कलर की शर्ट और मैचिंग प्लाजो में वह काफी सुंदर दिख रही थी। बनारसी शरारा अनारकली, जैकेट और प्लाजो सूट, आप कुछ भी अपनी पसंद के हिसाब से स्टिच करवा सकती हैं।

ड्रैप्ड साड़ी का ट्रेड

ड्रैप्ड साड़ी साड़ी इन दिनों काफी ट्रेंड मेंहै। पुरानी बनारसी सिल्क साड़ी को आप स्टाइलिश तरीके से कैरी करना चाहती हैं तो इसे हैण्ड करके पहनें। बी-टाऊन में आपको दृष्ड साड़ी के बहुत से उदाहरण मिल जाएंगे।

क्लासी लुक देगा लहंगा-चोली

बनारसी साड़ी का फैशन तो एवरग्रीन है लेकिन बनारसी ब्रोकेड सिल्क का लहंगा- चोली भी खूब पसंद किया जा रहा है। बी- टाऊन में बहुत सी दीवाज बनारसी लहंगा पहनकर लाइमलाइट बटोर चुकी हैं। ट्रेडीशनल फंक्शन के लिए बनारसी लहंगा-चोली वैस्ट ऑप्शन्स में से एक है।
-

इंटीरियर डिज़ाइनर कैसे बनें?

इंटीरियर डिजाइनिंग व्यवसाय को समझने से पहले आपको जानना होगा कि आखिरकार एक इंटीरियर डिज़ाइनर होता क्या है, यह वह व्यक्ति होता है जो कि अपनी क्रिएटिविटी, कौशल और ज्ञान के आधार पर किसी स्थान को दूसरे स्वरूप में परिवर्तित कर देता है। अर्थात उस स्थान को खराब दिखने वाले स्थान से अच्छा दिखने वाला और आंखों को लुभाने वाला स्थान के रूप में परिवर्तित कर देता है।

आपने कई बार यूट्यूब वीडियो देखते हुए एक चीज नोटिस की होगी कि, वीडियो बनाने वाले क्रिएटर के पीछे एक बहुत ही खूबसूरत बैकग्राउंड लगा होता है। यह बैकग्राउंड मुख्यतया इंटीरियर डिजाइनर लोगों के द्वारा ही तैयार किया जाता है और इसके लिए वे अच्छी खासी फीस भी वसूल करते हैं,अलग-अलग स्तर की क्रिएटिविटी के लिए रेट कम या ज्यादा होता है।

हमेशा से ही खुद का व्यवसाय शुरू करना बहुत से लोगों का एक सपना होता है और वह सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक की नौकरी करने में विश्वास नहीं रखते है।आपके के ही आस पास ही के क्षेत्र में बहुत से ऐसे लोग पहले सफल हो चुके हैं,जो कि अपनी पेचीदा नौकरी को छोड़ कर खुद का व्यवसाय शुरू कर सफलता हासिल कर चुके हैं।

परंतु कई बार उनका यह कदम उनके लिए बैकफायर भी कर देता है,क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि हर व्यवसाय में नई शुरुआत करने पर आपको सफलता मिलेगी ही, कई बार आपको बार-बार हार का सामना करना पड़ेगा परंतु फिर भी निरंतर दृढ़ता के साथ मेहनत करने पर आप अपनी सफलता तक पहुंचेंगे यह तो तय है।

इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कुछ इम्पोर्टेन्ट बातें

1. यह तय करें कि आप कौन सी सेवा प्रदान करना चाहते हैं

यह बात तो आपने बहुत बार सुनी होगी कि किसी भी व्यवसाय को करने के लिए पहले एक बेहतर बिजनेस प्लान बनाना होता है, इसी प्रकार इस व्यवसाय में भी आप पहले से तय करें कि आप किस प्रकार की सेवा अपने कस्टमर तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आप सिर्फ किचन और बाथरूम को ही डिजाइन करना जानते हैं तो आप उसी के अनुसार ग्राहक तक अपनी सेवाएं पहुंचाएं, जैसे कि अलग डिजाइनिंग के लिए 3D रेंडरिंग, मोड बोड्र्स एंड प्लेट्स इत्यादि की सहायता डिजाइनिंग की जाती है।

2. हमेशा अपनी स्टाइल और विशेषताओं पर फोकस करें

यह बात ध्यान में रखें कि कोई भी व्यक्ति आज तक किसी भी व्यवसाय में बिल्कुल परफेक्ट नहीं हुआ है और वह अपनी गलतियों से ही सीखता रहता है। आप में भी अपना एक विशेष गुण है,इस बात को ध्यान में रखते हुए उसी गुणवत्ता पर ज्यादा फोकस करें और आपकी उसी विशेषता को प्रमोट करें,जो कि आप दूसरे लोगों की तुलना में बेहतर कर सकते हैं।

3. टारगेट कस्टमर बेस

अपने टारगेट किये हुए कस्टमर बेस को हमेशा ध्यान में रखते हुए उनको पसंद आने वाली डिजाइनिंग को ही तवज्जो देवें, क्योंकि कई बार ऐसा होता है कि आप कितना भी बेहतरीन काम करें परंतु फिर भी लोगों को पसंद नहीं आता है इसलिए इसे एक बिजनेस के तौर पर लेवें, और यह तो आपको पता है कि बिजनेस का मकसद होता है मुनाफा कमाना।

4. बिजनेस नेम चुने और उसे रजिस्टर करवाएं

ऊपर बताये गए काम करने के बाद आप अपनी एजेंसी या फिर संस्था का एक नाम चुनकर उसे सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमोट कर सकते हैं तथा इसे आपको अपने राज्य में स्थानीय सरकार के द्वारा बनाए गए कानूनों के तहत रजिस्टर भी करवाना होगा।

5. इंटरनेट की सहायता :-

इंटरनेट की सहायता से अपनी एक वेबसाइट बनाएं क्योंकि यह तो आप जानते ही है कि फिजिकल फॉर्म में लोगों तक पहुंचना इंटरनेट माध्यम की तुलना में कहीं अधिक कठिन होता है। साथ ही अपनी वेबसाइट पर अपना एक पोर्टफोलियो बनाकर तैयार रखें, जिसमें आपने जिन बड़ी और छोटी कंपनियों के इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर काम किया है, उसे भी साझा करें।

वेबसाइट के अलावा आप एक ब्लॉग भी शुरू कर सकते हैं, जो कि आने वाले समय के नौजवान होती हुई युवा पीढ़ी के साथ आपके संपर्क को सुदृढ़ करेगा और आपको पता होना चाहिए कि आने वाली युवा पीढ़ी ही आपका एक नया टारगेट कस्टमर बेस भी होगा।

इस प्रकार हमने जाना इंटीरियर डिजाइनिंग व्यवसाय से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें, आइए अब हम जानते हैं इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको कितने निवेश की जरूरत होगी और आप उस निवेश के आधार पर कितना मुनाफा कमा पाते हैं, आइए जानते हैं :-

लागत

इंटीरियर डिजाइनिंग व्यवसाय शुरू करने के लिए आपको बहुत ही थोड़े निवेश की आवश्यकता होगी परंतु आपके पास स्किल का होना बहुत जरूरी है, क्योंकि आप कम निवेश के साथ अपना एक छोटा व्यवसाय तो शुरू कर पाएंगे, लेकिन कम स्किल के साथ कभी भी उसे सफल नहीं बना पाएंगे।

मुनाफा

हाल ही में कुछ समय इंटरनेट पर लोकप्रिय हुई एक स्टोरी के बारे में तो आपने पढ़ा ही होगा (इसे आप एक लोकप्रिय वेबसाइट योर-स्टोरी पर जाकर पढ़ भी सकते हैं) ,जिसमें बताया गया है कि एक एंतरप्रेन्योर प्रदीप सिंघवी ने कैसे केवल 18 महीने में ही दो करोड़ से भी ज्यादा का मुनाफा कमाया और वह भी इंटीरियर डिजाइनिंग व्यवसाय के माध्यम से।

आप यह मानकर चलिए की शुरुआत में आपके पास एक महीने में केवल चार से पांच क्लाइंट ही आते हैं,परंतु आने वाले पांच से छह महीने में आपके पास लगभग दस से पन्द्रह क्लाइंट हर महीने आने लगेंगे और जितना बड़ा आपका व्यवसाय होता जाएगा उतनी ही बड़ी आपको एक टीम भी बनानी पड़ सकती है।

सही जगह का चुनाव

एक बात तो आप जानते हैं कि ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए आपको अपना एक ऑफिस बनाना होगा और ज्यादा फायदा इसी बात में है कि, आप अपना ऑफिस उसी इलाके में बनाए जहां पर आप आसानी से ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं अर्थात जहां पर शहर का मुख्य मार्केट स्थित हो।

शुरुआत में आप भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपना ऑफिस लगा सकते हैं, परंतु एक बार आपका इस व्यवसाय में पैर जमने के बाद आप इसे शहर के किसी कम ट्रैफिक वाले इलाके में भी लगा सकते हैं ,क्योंकि आप के काम से प्रभावित होकर लोग बिना प्रमोशन के भी आपके शॉप तक पहुंच जाएंगे पर यह तभी होगा जब आप अपने ग्राहकों को अच्छी रेट पर अच्छा काम प्रदान कर पाएंगे।

समर्स बोले- ओपन एआई का काम बेहद महत्वपूर्ण

सरकार के साथ सहयोग के लिए तैयार रहना होगा, हाल ही में बोर्ड में शामिल हुए हैं लैरी

सैनफ्रांसिस्को, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के बोर्ड मेंबर लैरी समर्स ने कहा कि कंपनी का काम असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। उसे रेगुलेटरी इश्यू, नेशनल सिक्योरिटी इश्यू, टेक्निकल इश्यू के डेवलपमेंट पर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहना होगा। यह टिप्पणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी सचिव समर्स सिलिकॉन वैली स्टार्टअप में क्या काम करने की योजना बना रहे हैं। कंपनी के को-फाउंडर ऑल्टमैन की वापसी के बाद समर्स हाल ही में ओपनएआई के नए बोर्ड में शामिल हुए हैं। समर्स ने यह भी कहा कि वह इस साल की शुरुआत में दिए गए अपने बयान पर कायम हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई कुछ लोगों की नौकरियां ले सकता है। उन्होंने वाइट कॉलर जॉब्स के जाने का अंदेशा जताया था। डेस्क से काम

करने वालों को वाइट कॉलर वर्कर कहा जाता है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट रह चुके हैं समर्स

68 साल के समर्स क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन में 1999 से 2001 तक ट्रेजरी सचिव थे। 2009 में राष्ट्रपति ओबामा के चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर बने थे। उनकी इकोनॉमिक स्किल और वॉशिंगटन से उनके कनेक्शन ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। समर्स 2001 से 2006 तक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट रह चुके हैं।

वह वर्तमान में चार्ल्स डब्ल्यू. एलियट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और हार्वर्ड केनेडी स्कूल में मोसावर-रहमानी सेंटर फॉर बिजनेस एंड गवर्नमेंट के डायरेक्टर के रूप में काम करते हैं।

18 नवंबर को सैम ऑल्टमैन को बोर्ड ने निकाल दिया था

सैम ऑल्टमैन को 18 नवंबर को कंपनी ने निकाल दिया था। बोर्ड ने कहा था कि अब उन्हें ऑल्टमैन की काबिलियत पर भरोसा नहीं है। ऑल्टमैन के अलावा कंपनी के प्रेसिडेंट ग्रैग ब्रॉकमैन को बोर्ड ने पद से हटा दिया था।बाद में उन्होंने भी कंपनी छोड़ दी थी। हालांकि, एम्प्लॉइज और इन्वेस्टर्स के दबाव के बाद ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन की कंपनी में वापसी हुई। नया बोर्ड भी बनाया गया है। ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन को बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पिछले बोर्ड के 4 मेंबर्स में से 3 को हटा दिया गया। नए बोर्ड में इन 4 मेंबर्स में से केवल एक मेंबर एडम डी'एंजेलो बचे हैं। अब नए बोर्ड में सैम ऑल्टमैन, ग्रैग ब्रॉकमैन और एडम डी'एंजेलो के अलावा ब्रेट टेलर और लैरी समर्स है।

अगर आपने यहां लगाए होते बस 60000, पांच ही दिन में कमा लेते 50550!

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में कभी भी कुछ भी हो सकता है।बीता हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी बढ़िया रहा।टाटा ग्रुप ने करीब 19 साल बाद आईपीओ लाकर फिर से मार्केट का रुख किया।वहीं फ्लेयर, गांधार ऑयल और सरकारी कंपनी इरेडा के शेयर भी लिस्ट हुए।अगर बीते हफ्ते आपने शेयर बाजार में बस 60,000 रुपए लगाए होते, तो आपको 5 दिन में सीधे 50,550 रुपए की इनकम होती।चलिए बताते हैं कैसे? बीते हफ्ते में शेयर मार्केट में जितने भी कंपनियों के शेयर लिस्ट हुए।उन सभी को इश्यू प्राइस पर जबरदस्त प्रीमियम मिला।टाटा टेक्नोलॉजी जहां 140 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ।वहीं अन्य सभी कंपनियों के शेयर भी 50% से ज्यादा प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए।

ऐसे होती 50,550 की कमाई

सभी कंपनियों के आईपीओ में निवेश करने के लिए न्यूनतम 15,000 रुपए चाहिए थे।रिटेल इंवेस्टर्स के लिए शेयर्स का एक लॉट न्यूनतम 15,000 रुपए में ही मिलता है।अगर आपने सभी कंपनियों के आईपीओ का एक-एक लॉट खरीदा होता और वो आपको अलॉट हो गया होता, तो आप लिस्टिंग के साथ यानी 5 दिन के अंदर-अंदर 50,550 रुपए कमा लेते वो भी महज 60,000 रुपए के इंवेस्टमेंट पर.हालांकि शेयर बाजार संभावनाओं और अनुमान का बाजार है।

जरूरी नहीं कि आपने सभी कंपनियों के आईपीओ में एक-एक लॉट की बोली लगाई होती और आपको शेयर अलॉट ही होते।फिर भी बीते हफ्ते जिन भी लोगों को इन कंपनियों के शेयर अलॉट हुए, उन्होंने एक झटके में काफी पैसे कमाए हैं।शेयर बाजार में निवेश जोखिमभरा होता है।इसलिए बेहतर होता है कि निवेश से पहले आप किसी विशेषज्ञ से सलाह ले लें।

पांच आईपीओ की बड़ी सफलता के बाद अब ओला, ओयो, स्विगी ने कमर कसी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में आए 5 आईपीओ की सफलता ने बाजार में उत्साह बढ़ा दिया है कई कंपनियां इसे आईपीओ लाने का अच्छा समय मानकर चल रही है।आने वाले समय में कई आईपीओ आएंगे, जो कि बाजार में निवेशकों को कमाई के जबरदस्त मौके देने वाले हैं।ओला, ओयो, स्विगी, मोबिक्विक जैसी दिग्गज कंपनियां जल्द ही आईपीओ लाने एक एलान कर सकते हैं।इन जानी-मानी कंपनियों पर निवेशक जमकर पैसा लुटा सकते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक कर रही कॉरपोरेट रिस्ट्रक्चरिंग

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, ओला इलेक्ट्रिक के मालिक भावीश अग्रवाल कॉरपोरेट रिस्ट्रक्चरिंग कर रहे हैं।वह कंपनी को प्राइवेट लिमिटेड से पब्लिक कंपनी बनाने वाले हैं।इसके लिए पहला कदम आईपीओ ही होगा।इस आईपीओ की रेंज 800 से एक अरब डॉलर तक होगी।

ओयो का आईपीओ 600 करोड़ डॉलर का होगा

ओयो के मालिक रीतेश अग्रवाल इन दिनों प्राइवेट फंडिंग राउंड के जरिए लगभग 500 करोड़ डॉलर जुटाने में लगे हैं।इसके लिए उन्होंने कई कंपनियों से संपर्क किया है।कंपनी अपना आईपीओ लाने वाली है।इसके लिए वह नियामकीय मंजूरी का इन्तजार कर रही है।इस आईपीओ के जरिए कंपनी लगभग 600 करोड़ डॉलर इकट्ठे करेगी।

स्विगी ने सात इनवेस्टमेंट बैंक फाइनल

फ़ूड डिलिवरी की दिग्गज कंपनी स्विगी 2024 में आईपीओ लाने की पूरी तयारी कर चुकी है।

इस आईपीओ में सात इनवेस्टमेंट बैंकों का चुनाव हो चुका है।इनमें कोटक महिंद्रा बैंक, सिटी, जेपी मॉर्गन, बोफा सिक्योरिटीज, जेफ्रीज, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एडवांस कैपिटल शामिल हैं।

मोबिक्विक का आईपीओ रेडी

फिनटेक कंपनी मोबिक्विक भी आईपीओ लाने को तैयार है।इसके जरिए 84 मिलियन डॉलर जुटाए जाएंगे।रिपोर्ट के मुताबिक, डीएएम कैपिटल एडवाइजर लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को चुना है।दिसंबर के अंत तक सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी और अगले साल की शुरुआत में आईपीओ बाजार में आ जाएगा।

यूं ही नहीं रिकॉर्ड हाई पर है शेयर बाजार, यह है सबसे बड़ा कारण जान लीजिए

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दो महीनों तक शुद्ध बिकवाल रहने के बाद एफपीआई ने नवंबर में एक बार फिर भारतीय शेयर बाजारों का रुख किया है। उन्होंने करीब 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने पिछले महीने डेट मार्केट में 14,860 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जो छह साल का उच्चतम स्तर है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई का रुख काफी हद तक घरेलू बाजार के रुझान से तय होगा। घरेलू बाजार पर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का भी असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, इन राज्यों में नतीजे सत्तारूढ़ सरकार के लिए अनुकूल रहने से बाजार में तेजी आएगी। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशक भी उस तेजी का लाभ उठाने से नहीं चूकना चाहेंगे।

नवंबर में डाले 9000 करोड़

आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में कुल 9,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि, एफपीआई ने मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय इक्विटी में खरीदारी की और इन छह महीनों में 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था।

क्यों खरीदारी कर रहे एफपीआई?

भारतीय बाजार में एफपीआई के फिर से पैदा हुए आकर्षण की वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को माना जा सकता है। पिछले महीने बाजार में दो कंपनियों इरेडा और टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को निवेशकों का तगड़ा समर्थन भी मिला। मजर्स इन इंडिया के प्रबंध साझेदार भरत धवन ने कहा कि इन दोनों आईपीओ की बढ़िया लिस्टिंग संभावित रूप से विदेशी निवेशकों के लिए सकारात्मक रुझान का संकेत दे रही है।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट का असर

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट में को-फाउंडर एवं शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने एफपीआई को बेहतर रिटर्न के लिए भारतीय बाजार पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया होगा। इसके अलावा कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट ने भी सकारात्मक समर्थन प्रदान किया है।

इस साल आया 1.15 लाख करोड़ का निवेश

साल 2023 के लिए कुल मिलाकर रुझान अच्छा बना हुआ है। इस कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई ने 1.15 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। आंकड़ों से पता चलता है कि बॉन्ड को लेकर नवंबर में ऋण बाजार ने 14,860 करोड़ रुपये आकर्षित किए। यह अक्टूबर, 2017 के बाद से यह सबसे अधिक निवेश था, जब 16,063 करोड़ रुपये आए थे। जेपी मॉर्गन के उदीयमान बाजार सरकारी बॉन्ड सूचकांक में भारतीय प्रतिभूतियों को शामिल करने से घरेलू बॉन्ड बाजारों में विदेशी कोषों की भागीदारी बढ़ी है। इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार में शुद्ध रूप से 50,270 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

टाटा की शानदार स्कीम, सिर्फ 100 में करें गोल्ड इंवेस्टमेंट

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है।जब भी दुनिया में युद्ध, मंदी या कोई और उथल-पुथल मचती है।तब सोने के दाम अचानक से बढ़ने लगते हैं, क्योंकि डिमांड बढ़ जाती है।पहले के जमाने में सोना गहनों या सिक्कों के रूप में जमा किया जाता था।लेकिन बदलते वक्त के साथ सोने में निवेश के तरीके भी बदले हैं।अब आप सिर्फ 100 रुपए लगाकर सोने में निवेश शुरू कर सकते हैं और ऐसा मौका आपको टाटा ग्रुप भी देता है।टाटा ग्रुप का 'तनिष्क' ब्रांड देश के टॉप ज्वैलरी ब्रांड में से एक है।लेकिन अगर आप सोने की शॉपिंग नहीं करना चाहते और सिर्फ सोने में इंवेस्टमेंट करना चाहते हो, तो तनिष्क इसका भी मौका देता है।यहां आप सिर्फ 100 रुपए से गोल्ड इंवेस्टमेंट शुरू कर सकते हैं।

टाटा की डिजिटल गोल्ड स्कीम

टाटा ग्रुप अपने तनिष्क ब्रांड के तहत लोगों को डिजिटल गोल्ड में निवेश की सुविधा देता है।तनिष्क के शोरूम के अलावा लोग इसके लिए तनिष्क की वेबसाइट पर ऑनलाइन भी निवेश कर सकते हैं।इस डिजिटल गोल्ड स्कीम में लोग महज 100 रुपए लगाकर गोल्ड में निवेश करना शुरू कर सकते हैं।ये पूरी तरह से 24 कैरेट सोने जैसा ही होता है, बस डिजिटल फॉर्म में।

टाटा, एयरटेल, एचडीएफसी, आईटीसी.... सबने कमाया

केवल मुकेश अंबानी की रिलायंस ने गंवाया

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू बाजार में तेजी के बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में पिछले हफ्ते गिरावट आई। देश की टॉप 10 कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में बीते हफ्ते तेजी रही। इसमें अपवाद रिलायंस रही। नौ कंपनियों का संयुक्त मार्केट कैप पिछले सप्ताह 1,30,391.96 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे ज्यादा फायदे में भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। बीते सप्ताह बीएसई में तेजी का माहौल रहा और मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,511.15 अंक यानी 2.29 प्रतिशत उछल गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को छोड़कर देश की अन्य नौ शीर्ष कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में वृद्धि देखी

गई। टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप 23,746.04 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,466.88 करोड़ रुपये हो गया। वहीं देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 19,027.07 करोड़ रुपये बढ़कर 12,84,180.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप इस दौरान 17,881.88 करोड़ रुपये बढ़कर 11,80,588.59 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी का मूल्यांकन 15,159.02 करोड़ रुपये बढ़कर 5,61,159.09 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का पूंजीकरण 14,480.29 करोड़ रुपये बढ़कर 4,48,446.82 करोड़ रुपये हो गया।

रिलायंस को झटका

इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 12,085.42 करोड़ रुपये बढ़कर 6,63,370.71 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का मार्केट कैप 11,348.53 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,258.98 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 10,307.92 करोड़ रुपये बढ़कर 5,10,353.93 करोड़ रुपये और देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस का मार्केट कैप 6,355.79 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,747.01 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 574.95 करोड़ रुपये घटकर 16,19,332.44 करोड़ रुपये रह गया।

इसके बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष-10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर है। उसके बाद टीसीएस का नाम आता है। इनके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईटीसी, एसबीआई और बजाज फाइनेंस मौजूद हैं। दुनिया में मार्केट कैप के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनी ऐपल है जबकि माइक्रोसॉफ्ट दूसरे और सऊदी अरामको तीसरे नंबर पर है।

बायजु के 1000 कर्मचारियों की अटकी नवंबर की सैलरी, कंपनी ने कहा- इस कारण से मजबूर

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। शिक्षा क्षेत्र की चर्चित स्टार्टअप कंपनी बायजु एक के बाद एक नए संकटों में फंसती जा रही है।लगातार कई महीनों से विवादों का सामना कर रही कंपनी अब अपने कई कर्मचारियों को सैलरी देने में देरी के कारण चर्चा में है।ऐसी खबरें हैं कि बायजु के करीब एक हजार कर्मचारियों को नवंबर महीने की सैलरी में देरी हुई है और अब तक नहीं मिल पाई है.मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, बायजु अपने करीब 1 हजार कर्मचारियों को नवंबर महीने की सैलरी नहीं दे पाई है।हालांकि इस बारे में बायजु का कहना है कि सैलरी में देरी की वजह अचानक आई एक तकनीकी गड़बड़ी है।कंपनी का कहना है कि वह दिक्कत को दूर करने में लगी हुई है।

भोजन की थाली में कम नहीं होगी दाल, इस तरह से इंतजाम कर रही सरकार

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में दालों की मांग पूरी करने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रायसरत है।सरकार ने हाल ही में मोजाम्बिक, मलावी और म्यांमार से दालों का आयात करने के लिए समझोता किया था।

अब इंडिया ने दक्षिण अमरीकी देशों का रुख किया है।सरकार ने इस संबंध में अर्जेंटीना और ब्राजील से वार्ता शुरू कर दी है।भारत सरकार की कोशिश है कि इन देशों में तुअर और उड़द दाल की खेती की जाए और उसे भारत को दे दिया जाए।

दक्षिण अमरीकी देशों में दालों की खपत काफी कम

सूत्रों के मुताबिक, भारत और अर्जेंटीना के बीच वार्ता की प्रगति अच्छी दिशा में हो रही है।

इंडिया इन देशों में पैदा हुई दालों को खरीदने के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन करेगा ताकि इन दालों को कहीं और न बेचा जाए।हाल ही में ब्राजील के कृषि अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था।इस दौरान भारत ने इस सौदे को लेकर चर्चा की

थी।सरकार दालों के आयात के लिए कुछ देशों पर निर्भर है।अब इस निर्भरता को सरकार खत्म करना चाहती है।चूंकि, दक्षिण अमरीकी देशों में दालों की खपत काफी कम है।साथ ही दालों को उगाने के लिए एकदम उपयुक्त मौसम भी।

इसलिए भारत के लिए ये देश अच्छा विकल्प हैं।

2.28 मिलियन टन दालों का आयात हुआ

इस साल भारत ने 2.28 मिलियन टन दालों का आयात कर लिया है।इसमें 1.08 मिलियन टन मसूर, 0.77 मिलियन टन तुअर, 0.42 मिलियन टन उड़द या काली दाल शामिल है। इसमें से ज्यादातर आयात ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से किया गया है।ब्राजील में सालाना 3 मिलियन टन दाल का उत्पादन होता है।इससे न केवल घरेलू मांग पूरी हो जाती है।साथ ही वियतनाम, पाकिस्तान और इजिप्ट को निर्यात भी किया जाता है।भारत तुअर दाल की मांग को पूरा करने के लिए इथियोपिया और तंजानिया में संभावनाएं तलाश रही है।

चना और मूंग का पर्याप्त उत्पादन

देश में चना और मूंग का उत्पादन कुल खपत को पूरा कर देता है।हमें इसके आयात की जरूरत नहीं पड़ती।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	वृश्चिक.	05-17 बजे
चंद्र-	सिंह	में	धनु.....	07-30 बजे
मंगल	तुला	में	मकर..	09-36 बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ...	11-28 बजे
गुरु-	मेष	में	मीन ..	13-04 बजे
शुक्र-	कन्या	में	मेष--	14-41 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृष--	16-26 बजे
राहु-	मीन	में	मिथुन..	18-26 बजे
केतु-	कन्या	में	कर्क...	20-38 बजे
			सिंह...	22-51 बजे
			कन्या..	00-57 बजे
			तुला....	03-06 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-35 सूर्यास्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 21 -59 - तक उपरान्त अष्टमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , सोमवार 04 December
नक्षत्र - मघा - 00- 34 - तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - वैधृति - 21 - 46- तक उपरान्त विष्कुंभ
करण- विष्टि - 08 -41 - तक उप- बव
विशेष:- व्रत -त्योहार - जिनकान्ति सूरिः पुण्यः

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:56 से 09:19 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:35 - 07:56 शुभ	चंचल.	17:36 - 19:16 शुभ
काल	07:56 - 09:19 अशुभ	रोग.	19:16 - 20:53 अशुभ
शुभ	09:19 - 10:43 शुभ	काल.	20:53 - 22:30 अशुभ
रोग	10:43 - 12:06 अशुभ	लाभ.	22:30 - 24:06 शुभ
उत्पात	12:06 - 13:29 अशुभ	उत्पात	24:06 - 01:43 अशुभ
चंचल	13:29 - 14:53 शुभ	शुभ	01:43 - 03:20 शुभ
लाभ	14:53 - 16:16 शुभ	अमृत	03:20 - 04:57 शुभ
अमृत	16:16 - 17:36 शुभ	चंचल	04:57 - 06:35 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नहीं उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी ।आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोड़ा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खींचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

छत्तीसगढ़ में भाजपा को बहुमत

रायपुर में बुलडोजर पर सवार होकर पहुंचे कार्यकर्ता; रमन बोले-छत्तीसगढ़ महतारी की जय

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव महज 122 वोटों से चुनाव हार गए हैं। इसके साथ ही संभाग की बाकी 11 सीटों पर भाजपा आगे चल रही है। 2018 के चुनाव में यहां सभी सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भी हार का सामना करना पड़ा है। बैज 8433 वोटों से हारे हैं।

दूसरी ओर भाजपा को रायपुर की सभी 7 सीटों सहित 25 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। रायपुर में कार्यकर्ता उत्साह में ढोल और नगाड़ों के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे हैं। खास बात यह है कि कांकेर से भाजपा के आशाराम नेताम को महज 16 वोट से जीत मिली है। वहीं कांग्रेस सरकार के 5 मंत्रियों की प्रतिष्ठा अभी दांव पर लगी हुई है।

कांग्रेस से इनको मिली जीत

पाटन से भूपेश बघेल, कोंटा से कवासी लखमा, बिल्हा से अंबिका मरकाम, खरसिया में मंत्री उमेश पटेल, बीजापुर से विक्रम मंडावी, धरमजयगढ़ से लालजीत सिंह राठिया, सरायपाली से चातुरीनंद, कसडोल से संदीप साहू, खुज्जी से भोला राम साव जीते हैं।

भाजपा से इनको मिली जीत

कुरुद से अजय चंद्राकर, रायपुर दक्षिण से बृजमोहन अग्रवाल, ग्रामीण से मोतीलाल साहू, बिल्हा से धरमलाल कौशिक, लोरमी से अरुण साव, रामानुजगंज से रामविचार नेताम, सामरी से उद्धेश्वरी पैकरा, मुंगेली से पुन्नूलाल मोहले, मरवाही से प्रणव मरपच्ची, जगदलपुर से किरण देव, राजिम से रोहित साहू, पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव, तखतपुर से धर्मजीत सिंह, बेलतरा से सुशांत शुक्ला, बिलासपुर से अमर अग्रवाल, लुंड्रा से प्रबोध मिंज, प्रेमनगर से भूलन सिंह मराबी, जशपुर से विष्णु देव साय, कांकेर से आशाराम नेताम, बसना से संपत अग्रवाल, जशपुर से रायमुनि भगत, रायपुर उत्तर से पुरंदर मिश्रा, पश्चिम से राजेश मूणत, अभनपुर से इंद्र कुमार साहू व धरसींवा से अनुज शर्मा को जीत मिली है। भाजपा बहुमत की ओर तेजी से बढ़ रही है। रुझानों में भाजपा 56 सीटों और कांग्रेस 34 सीटों पर आगे है। पार्टी में जश्न का माहौल है। उनका कहना है कि देश में एक ही गारंटी चलती है, मोदी की।

वहीं कांग्रेस खेमे में मायूसी छाई हुई है। पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि अंधेरा छंट रहा है, कमल खिलने वाला है। कांग्रेस से डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव 5603 वोटों से पीछे चल रहे हैं। इनके अलावा मंत्री ताम्रध्वज साहू, मोहम्मद अकबर, अमरजीत भगत, रवींद्र चौबे, जय सिंह अग्रवाल, रुद्र कुमार पीछे चल रहे हैं। शुरुआती रुझान कांग्रेस की ओर थे, लेकिन फिर स्थिति बदलने लगी। पहले राउंड के बाद भाजपा और कांग्रेस में कांटे की टक्कर थी।

सरगुजा संभाग में कांग्रेस का सूपड़ा साफ, 122 वोटों से हारे टीएस सिंहदेव

अंबिकापुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के आज नतीजे आ रहे हैं, रुझानों में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है। इधर कांग्रेस की सत्ता जाने के साथ ही पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल राज्य के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव महज 122 मतों से चुनाव हार गए हैं। इसके साथ ही संभाग की 11 सीटों पर भाजपा आगे चल रही है। 2018 के चुनाव में यहां सभी सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत को भी हार का सामना करना पड़ा है।

दूसरी ओर भाजपा को रायपुर की सभी सात सीटों सहित 25 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव चुनाव हार गए हैं। भाजपा के राजेश अग्रवाल ने सिंहदेव को महज 122 वोटों से मात दी है। हालांकि सिंहदेव ने रिकाउंटिंग की मांग की है। बता दें कि सरगुजा संभाग में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। संभाग की 14 की 14 सीट कांग्रेस के हाथ से जा चुकी हैं।

कौन हैं टीएस सिंहदेव?

सरगुजा रियासत के राजा टीएस सिंहदेव उत्तर प्रदेश में जन्मे, मध्य प्रदेश में पढ़े लिखे और छत्तीसगढ़ की राजनीति में सिर्फ चेहरे के रूप में सामने नजर आए थे। बाद के दौर में उनका कद बढ़ता चला गया। शुरू से ही टीएस सिंहदेव की राजनीति में खासा रुचि नहीं थी। राजनीति में सक्रिय होने के बाद सिंहदेव पहली बार अंबिकापुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चुने गए। साल 2008, 2013 और साल 2018 में वह लगातार तीन बार विधायक चुने गए। इसके साथ ही साल 2014 में वह नेता प्रतिपक्ष रहे। साल 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद साढे.चार सालों तक छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के रूप के रूप में काम किया। बाद में पार्टी ने चुनाव से कुछ समय पहले टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बना दिया था।

यदि सीएम ने गलती नहीं की है तो उन्हें ईडी का सामना करना चाहिए

बाबूलाल मरांडी ने लगाए ये आरोप

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर कथित भ्रष्टाचार और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, अगर वह बेदाग हैं तो उन्हें ईडी का सामना करना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी ने शनिवार को धनबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, 'अपराधियों, कोयला चोरों और पुलिस के बीच सांठगांठ ने झारखंड में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब कर दी है। कोयला क्षेत्र धनबाद में पूरी मशीनरी कोयला चोरी में शामिल है और इसका हिस्सा सीधे मुख्यमंत्री को जाता है। मरांडी ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भाग रहे हैं।

उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री ने कुछ गलत नहीं किया है तो वह ईडी से क्यों भाग रहे हैं? अगर वह पाक साफ हैं और उन्होंने कोई काला धन नहीं कमाया है तो उन्हें ईडी का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा, झारखंड में अपराध और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। राज्य के युवाओं का पलायन जारी है। रोजगार की खराब स्थिति के कारण, झारखंड के 15 मजदूर, जो नौकरी के लिए उत्तराखंड गए थे, एक सुरंग में फंस गए। धनबाद सदर के भाजपा विधायक ने कहा, धनबाद में जबरन वसूली बढ़ रही है। दूसरी ओर, धनबाद के सांसद पीएन सिंह ने भी जिले में बढ़ते अपराध और कोयला लूट पर चिंता जताई।

सीजी में बागियों ने कितना खेल बिगाड़ा

कांग्रेस के 4 बागियों की जिद से बीजेपी प्रत्याशी निकले आगे, बीजेपी के बागी नुकसान नहीं पहुंचा पाए

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में मतगणना जारी है। बीजेपी प्रत्याशियों ने छत्तीसगढ़ में कमल खिला दिया है। कांग्रेस जो पिछली बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाकर आई वह करीब 35 सीटों पर सिमट रही है। इसमें बागियों ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। 13 सीटों कांग्रेस के बागी उतरे थे। इनमें 4 सीटों पर तो उन्हें अच्छे वोट मिले हैं।

इस विधानसभा चुनाव में बात करें, बागियों की तो पार्टी से नाराज होकर कांग्रेस के 13 बागी और बीजेपी के 5 बागी मैदान में उतरे थे। इसके अलावा चार से ज्यादा भितरघाती भी साइलेंट मोड में पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा रहे है। हालांकि कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं ने दावा किया था, कि बागी उनके प्रत्याशियों का कुछ नहीं कर सकते। लेकिन मतगणना के दौरान कांग्रेस के पांच बागियों की जिद के कारण पार्टी से निर्धारित किए गए प्रत्याशी संकट में दिख रहे है। इन पांच विधानसभा सीटों में कांग्रेस प्रत्याशियों से ज्यादा लीड लेकर बीजेपी प्रत्याशी आगे चल रहे है। हालांकि बीजेपी के नेताओं का दावा बिल्कुल सटीक बैठा है। बीजेपी के पांच बागियों ने चुनावी मैदान में ताल ठोकी थी। लेकिन इन बागियों को जनता का प्यार ना के बराबर मिला है।

रायपुर उत्तर सीट से कैसे बिगड़ा खेल

कुकरेजा पिछले चुनाव से ही यहां लड़ने की तैयारी कर रहे थे और बीते 5 साल भी क्षेत्र में मेहनत की। इस इलाके में बड़ी संख्या में सिंधी वोटर्स भी थे, कुकरेजा सिंधी समाज से ही आते हैं इसलिए यहां कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ।

यहां से कांग्रेस ने मौजूदा विधायक कुलदीप जुनेजा को ही रिपिट किया जो जीत नहीं पाए।

अंतागढ़ सीट से कैसे बिगड़ा खेल

इस सीट से अनूप नाग विधायक थे जिसे कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया जिसके बाद वे निर्दलीय खड़े हुए। रुप सिंह पोटाई को कांग्रेस ने टिकट दी। नाग की क्षेत्र में अच्छी पकड़ थी, नाग की रैलियों में भी भीड़ सबसे ज्यादा दिखाई दे रही थी। जिसका खामियाजा कांग्रेस को हुआ और विक्रम उसेंडी को फायदा। हालांकि अंतागढ़ में मंतूराम पवार को भी 13 हजार से ज्यादा वोट मिले हैं। जशपुर इलाके में ईसाई समुदाय में बड़ा नाम रखने वाले प्रदीप खेस्स ने कांग्रेस पार्टी से प्रत्याशी के रुप में आवेदन किया था। पार्टी ने टिकट नहीं दी, तो बागी बनकर मैदान में उतर गए। विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के ईसाई समुदाय वोटों को टारगेट बनाया। इनकी जिद के चलते जशपुर से बीजेपी को बढ़त मिली।

लोरमी सीट से कैसे बिगड़ा खेल

इस सीट से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सागर सिंह बैस टिकट के लिए दावेदारी कर रहे थे लेकिन पार्टी ने पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू को टिकट दिया। जिसके बाद सागर सिंह जेसीसीजे में शामिल हुए और चुनाव लड़ा। सागर सिंह के समर्थक अब तक कांग्रेस के लिए काम कर रहे थे साथ ही जिला अध्यक्ष होने की वजह से कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी पकड़ भी थी। बैस के बागी होने से कांग्रेस को इस सीट से नुकसान हुआ। हालांकि यहां बीजेपी से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव प्रत्याशी हैं जिनका खुद का जनाधार भी अच्छा है।

बागियों ने बढ़ाई थी चिंता

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस से 18 बागी 17 सीटों से चुनावी मैदान में उतर गए थे। इनमें से कई ने जोगी कांग्रेस का दामन थामा था, तो कुछ निर्दलीय डटे थे। जबकि कांग्रेस विधायक चिंतामणि महाराज ने बीजेपी में शामिल होकर उनके प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया था।

चार दिनों तक जिलों में होगी झमाझम बारिश किसान रहें सावधान

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ठंड दस्तक दे चुकी है और अब झारखंड में सुबह-शाम तो छोड़िए दोपहर में भी ठंड का एहसास हो रहा है. राजधानी रांची में सुबह कोहरा देखने को मिल रहा है, जिससे लोगों को मॉर्निंग वॉक में परेशानी आ रही है. वहीं, ठंड का प्रकोप अब और बढ़ने वाला है.

मौसम केंद्र के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य के कुछ जिलों में अच्छी-खासी बारिश का अनुमान है. रांची मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव बना हुआ है. यह निम्न दवा धीरे-धीरे हाई इंटेंसिटी का हो रहा है, जिसका असर झारखंड में भी देखा जा सकेगा.

झारखंड के मंत्री का बेटा चपरासी बना

सिविल कोर्ट में फोर्थ ग्रेड में सिलेक्शन, कहा-पिता राजनीति में तो जरूरी नहीं कि मैं भी रहूं

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के एक मंत्री के बेटे का चयन चपरासी पद के लिए हुआ है। सिलेक्शन चतरा व्यवहार न्यायालय में हुआ है। शुक्रवार 1 दिसंबर से ही इस बात की चर्चा है। जानकारी के मुताबिक झारखंड के श्रम नियोजन सह प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे का सिलेक्शन प्यून के लिए हुआ है। उनके बेटे का नाम मुकेश कुमार भोक्ता (28) है। वह मंत्री सत्यानंद भोक्ता के तीसरे बेटे हैं।

चतरा व्यवहार न्यायालय की तरफ से सिलेक्शन लिस्ट जारी की गई। इसी लिस्ट के पहले पेज के 13वें नंबर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे मुकेश का नाम है। सिलेक्शन ST कैटेगरी में हुआ है। मुकेश का कहना है कि पिता राजनीति में हैं। इसका मतलब ये नहीं कि मैं भी इसी में रहूं। मैं नौकरी करूंगा।

बेटे ने कहा-करूंगा नौकरी

राज्य के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे मुकेश ने आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया है। मुकेश भोक्ता का कहना है कि जिस पोस्ट के लिए मेरा चयन हुआ है, वही नौकरी करूंगा। फाइनल सिलेक्शन से पहले इंटरव्यू हुआ था, जिसमें शामिल होने के बाद अंतिम चयन सूची में नाम आया।

1 दिसंबर को आए रिजल्ट में 19 उम्मीदवारों का सिलेक्शन

चतरा कोर्ट की ओर से चपरासी, ट्रेजरी मैसेंजर, दफ्तरी और नाइट गार्ड पद पर नियुक्ति का रिजल्ट 1 दिसंबर को जारी किया गया। चार पन्ने में जारी रिजल्ट में उक्त चारों पदों के लिए 19 उम्मीदवारों का चयन किया गया। इसी रिजल्ट में प्यून पद की फाइनल सिलेक्टेड लिस्ट के 13वें नंबर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे मुकेश हैं। वहीं, लिस्ट में रामदेव कुमार भोक्ता भी हैं। रामदेव, मंत्री सत्यानंद भोक्ता के भतीजे हैं। इनका फाइनल सिलेक्शन तो नहीं हुआ, ये वेटिंग लिस्ट में हैं।

12 दिसंबर तक करना है जॉइन

चतरा कोर्ट की ओर से जारी रिजल्ट पत्र में कहा गया कि चयनित उम्मीदवारों को 15 दिसंबर या इससे पहले जॉइन करना होगा। सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को जॉइनिंग के वक्त ओरिजिनल डॉक्यूमेंट, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट देने होंगे। वहीं, उम्मीदवारों को यह लिख कर देना होगा कि वे ना तो दहेज लेंगे और ना ही देंगे। इस संबंध में मंत्री सत्यानंद भोक्ता से उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, पर बात नहीं हो सकी।

गिरिडीह में मां ने ही दुधमुंही बेटी को बेचा

गिरिडीह, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में एक मां द्वारा अपनी दूधमुंही बेटी को बेचने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मुफस्सिल थाना पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर मां और दो सहिया से पूछताछ के बाद नवजात को धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र के पंचगड़ी निवासी बिरेंद्र झा के घर से बरामद किया गया है। वहीं फिलहाल बच्ची को बाल संरक्षण केंद्र देवघर भेज दिया गया।

सहिया की भी भूमिका संदिग्ध

बच्चे की खरीद-बिक्री में बच्चे की मां गुड़िया देवी, बच्चे को गोद लेने वाले बिरेंद्र झा, सहिया गुड़िया देवी एवं चंद्रवती देवी समेत कुल आठ लोग शामिल हैं। पुलिस कतरास से बच्चे को बरामद कर ली है। वहीं बिरेंद्र झा को हिरासत में लेकर पुलिस गिरिडीह ले आयी है। दूसरी ओर बच्ची की मां समेत अन्य चार लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। शनिवार को मुफस्सिल पुलिस ने बच्चे को जिला बाल संरक्षण इकाई के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद बच्चे को बाल संरक्षण केंद्र देवघर भेज दिया गया।

ऐसे हुआ खुलासा

जानकारी के मुताबिक बच्ची की मां गुड़िया देवी (पति- शैलेश यादव) ने मुफस्सिल थाने में लिखित आवेदन दिया है कि उसकी नवजात बेटी को ग्राम सुग्गासार निवासी सहिया गुड़िया कुमारी (पति- संजय यादव) व चंद्रवति देवी (पति- शंकर यादव) ने रख लिया है। इसके बाद थाने की पुलिस नवजात बच्चे का मामला होने की वजह से जिले के एसपी दीपक शर्मा को जानकारी दी। जिसके बाद एसपी ने एसपी ने थाना प्रभारी को गंभीरता से मामले की जांच करने का निर्देश दिया।

बच्ची को बेचने में थी मां की सहमति

एसपी दीपक शर्मा की ओर से निर्देश मिलने के बाद थाना प्रभारी ने महिला पुलिस पदाधिकारी के साथ पड़ताल शुरू की। जांच के क्रम में दोनों आरोपित सहिया और बच्ची मां को थाने बुलाकर साथ-साथ पूछताछ की। जहां पता चला कि बच्ची को एक लाख से अधिक रुपये में बेच दिया गया है। ऐसा करने के लिए मां ने भी सहमति दी थी।

साइबर अपराधियों पर गिरिडीह पुलिस पड़ रही भारी

अश्लील वीडियो कॉलिंग का स्क्रीनशॉट भेज करते थे ठगी, पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

गिरिडीह, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस की ओर से इनदिनों साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। एक सप्ताह के अंदर एक दर्जन से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। रविवार को गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने में सफलता पाई है। गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से मिली गुप्त सूचना के बाद निमियाघाट, बिरनी, डुमरी एवं बेंगाबाद थाना क्षेत्र से साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में छापेमारी कर कुल चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही एक साइबर अपराधी को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इस संदर्भ में साईबर थाना में कांड संख्या 36/2023 के तहत प्राथमिकी भी दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी रविवार को पुलिस लाईन में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी दीपक कुमार शर्मा ने दी है।

डीएसपी के नेतृत्व में टीम गठन कर किया गया छापेमारी

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के निमियाघाट, बिरनी, डुमरी एवं बेंगाबाद थाना क्षेत्र में कुछ साइबर अपराधी लोगों से ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं, जिसके बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में शामिल पुअनि सह थाना प्रभारी साइबर अजय कुमार, पुअनि श्याम बाबू राठौर, पुअनि सरीज मंडल, पुअनि गौरव कुमार, सअनि संजय मुखियार, साकेत वर्मा, जितेन्द्र नाथ महतो ने संयुक्त रूप से छापेमारी की।

इनकी हुई गिरफ्तारी

डुमरी के नवाडीह कुरटों से पवन मंडल व कपिलदेव मंडल, बिरनी के राजेन्द्र नगर से पंकज वर्मा, जमुआ के सियाटांड़ से सूरज तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही बेंगाबाद के रहने वाले लक्ष्मण मंडल को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। बताया कि अपराधियों के पास से आठ मोबाईल फोन सेट, 10 सिमकार्ड, 10 एटीएम, 7 पासबुक व एक बाइक बरामद किया गया है।

मातृत्व लाभ दिलाने का देते थे झांसा

बताया कि साइबर अपराधियों के द्वारा लोगों से व्हाट्सप्प चौट एवं विडियों कॉलिंग के माध्यम से न्यूड विडियों कॉल कर उसका स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेल करते हुए पैसा की ठगी करते थे। साथ ही गर्भवती महिलाओं के मोबाइल पर कॉल कर उन्हें मातृत्व लाभ दिलाने का झांसा देकर रिमोर्ट एक्सेस ऐप आदि का लिंक भेजकर इंस्टॉल करवा कर ठगी करते थे।

मोरहाबादी में रसोइया-संयोजिका का महाजुटान

पांच सूत्री मांग को लेकर कर रहे प्रदर्शन, अनिश्चितकालीन आंदोलन पर जाने की कही बात

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के मोरहाबादी ग्राउंड में राज्य भर से आए रसोईया, संयोजिका और अध्यक्ष का महाजुटान हो रहा है। यह महाजुटान विभिन्न मांगों को लेकर किया जा रहा है। एकदिवसीय इस महा जुटान में राज्य के 24 जिलों से रसोईया, संयोजिका और अध्यक्ष पहुंच रहे हैं। संघ का कहना है कि हम लोगों के भविष्य के लिए सरकार ध्यान नहीं दे रही है। जबकि कई बार नियमावली बनाने और मानदेय सहित अन्य सुविधाएं देने की बात कही गई थी।

हर आंदोलन के बाद मिला आश्वासन

संघ का कहना है कि राज्य के गरीब, हरिजन और पिछड़ी जाति की महिलाएं सरकारी एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 2004 से बतौर रसोईया, संयोजिका और अध्यक्ष के रूप में काम कर रही हैं। आज एक रसोईया को एक दिन में 66.66 रुपए मानदेय मिल रहा है। जबकि संयोजिका और अध्यक्ष बिना मानदेय के अपनी सेवा दे रहे हैं। हमने अपनी मांगों को लेकर 2005 से लगातार आंदोलन करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित कराया। इसके बाद भी हम लोग के हित में किसी तरह का फैसला नहीं लिया गया। हमें आंदोलन के बदले आश्वासन ही मिला है। संघ की अनीता देवी केसरी ने बताया कि आंदोलन के दौरान 24 सितंबर 2022 को गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू की पहल पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के साथ पांच सूत्री मांग को लागू करने पर सहमति बनी थी। इसके बाद इन्हीं मांगों के साथ 10 अक्टूबर 2022 को दोबारा बैठक हुई। यह बैठक भी बेनतीजा साबित हुआ। इसके बाद फिर 29 जुलाई 2023 को विधानसभा के समक्ष हम लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। जिसके बाद 3 अगस्त 2023 को विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, विधायक अंबा प्रसाद और विधायक विनोद सिंह की अगुवाई में शिक्षा सचिव के रवि कुमार और मध्याहन भोजन निदेशक किरण कुमार पासी के साथ एक लिखित वार्ता हुई।

अक्टूबर तक लाभ देने की थी बात

संघ की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस लिखित वार्ता में कहा गया कि अक्टूबर 2023 तक स्थाई करने का नियम बनाया जाएगा। मानदेय में एक हजार रुपए की बढ़ोतरी की जाएगी। वहीं बातचीत के क्रम में कहा गया कि साल में दो सेट साड़ी दिया जाएगा। 10 महीने की जगह 12 महीने का मानदेय मिलेगा। रसोईया संयोजिका को विद्यालय में खाने के लिए चावल आवंटित किया जाएगा। इस समझौते को अप्रैल 2023 से मान्य होने की बात कही गई थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

बाइडन के खिलाफ महाभियोग जांच के लिए अमेरिकी सदन में जल्द होगा मतदान!

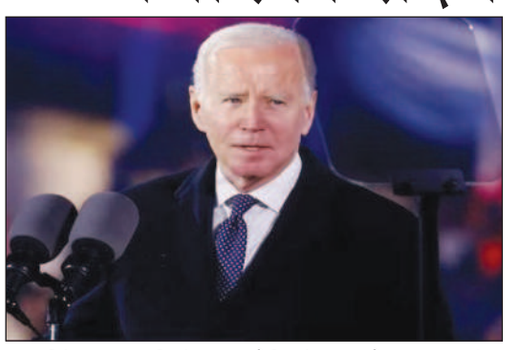

बढ़ सकती हैं मुश्किलें

वाशिंगटन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आने वाले समय में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की मुसीबते बढ़ सकती हैं। इसके संकेत अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने दिए हैं। उन्होंने कहा है कि रिपब्लिकन जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के लिए जल्द ही औपचारिक मतदान कर सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के पूर्व स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने सितंबर में जो बाइडन के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि रिपब्लिकन पार्टी जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग ला सकती है। वहीं, बाइडन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

क्या बोले माइक जॉनसन

अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने शनिवार को संकेत दिया कि रिपब्लिकन जो बिडेन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के लिए औपचारिक मतदान करने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हमें इस समय करना होगा। जीओपी सम्मेलन अध्यक्ष एलिस स्टेफनिक के साथ मौजूद माइक जॉनसन ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस जांच को अधिकृत करने के लिए पर्याप्त वोट थे। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस से जानकारी प्राप्त करने के लिए उठाया जाने वाला यह आवश्यक कदम था। माइक जॉनसन ने कहा कि एलिस और मैंनें दोनों ने डोनाल्ड ट्रम्प की महाभियोग रक्षा टीम में दो बार काम किया है। जब डेमोक्रेट्स ने इसका इस्तेमाल पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया था। ये बहुत अलग है।

जो बाइडन पर लगे हैं ये आरोप

बता दें कि केविन मैक्कार्थी ने आरोप लगाया है कि रिपब्लिकन पार्टी ने राष्ट्रपति बाइडन के खिलाफ कई गंभीर और विश्वसनीय आरोपों का खुलासा किया है। जिसकी जांच चल रही है। आरोप जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन के बेटे के विदेशी व्यापार को लेकर लगे हैं। हालांकि अभी तक जांच का दायरा साफ नहीं है। वहीं राष्ट्रपति बाइडन ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उन्होंने कभी भी हंटर बाइडन के व्यापार साझेदारों के साथ व्यापार को लेकर बात नहीं की। सितंबर 2023 में जब जब बाइडन से इस बारे में सवाल किया गया था तब बाइडन ने कहा था कि कट्टरपंथी रिपब्लिन पार्टी के नेता उनके खिलाफ महाभियोग चलाना चाहते हैं और सरकार को बंद करना चाहते हैं।

दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने जो बाइडन और उनके बेटे हंटर के व्यापारिक सौदों की कई महीनों से जांच कर रहे हैं। वे महाभियोग के आधार के लिए सबूतों को इकट्ठा कर रहे हैं। हालांकि अब तक की रिपब्लिकन जांच में कुछ भी ठोस नहीं निकला है। वहीं, पूरे सदन ने भी अभी तक महाभियोग जांच को औपचारिक रूप से अधिकृत करने के लिए मतदान नहीं किया है।

अल-अक्सा मस्जिद के इमाम के घर इजराइली सेना की रेड

गाजा में फैल रही ब्रेन डैमेज करने वाली बीमारी; पेरिस में फिलिस्तीनी समर्थक का हमला

दोहा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने अल-अक्सा मस्जिद के इमाम शेख इकरीमा साबरी के घर रेड की है। शेख साबरी येरूशलम में सुप्रीम इस्लामिक काउंसिल के प्रमुख भी हैं। जंग की वजह भी अल-अक्सा मस्जिद है। हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ ने कहा था- इजराइल पर हमला यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। दरअसल, इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंके थे।

वहीं, गाजा के स्कूलों में हेपेटाइटिस-A फैल रहा है। ये लीवर से जुड़ी बीमारी है और गंदा पानी पीने से फैलती है। समय पर इलाज न हो तो लिवर इन्फेक्शन बढ़ते हुए ब्रेन तक पहुंच जाता है। ब्रेन काम करना बंद कर देता है और लोगों की जान तक जा सकती है। इधर, शनिवार देर रात पेरिस में एफिल टावर के पास एक फिलिस्तीनी समर्थक ने चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया। इसमें एक जर्मनी के टूरिस्ट की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक हमलावर गाजा समेत पूरी दुनिया में हो रही मुस्लिमों की मौत पर नाराज था।

पुलिस ने कहा है कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। वहीं, एक टैक्सी ड्राइवर का कहना है कि जब आरोपी ने लोगों पर चाकू चलाए उस वक्त वो अल्लाह हू अकबर बोल

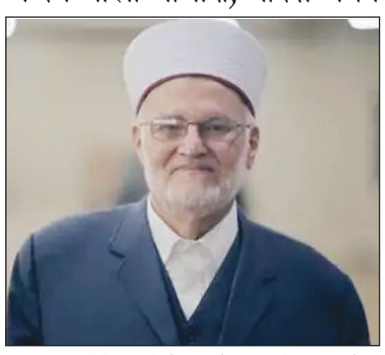

रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी ने 2016 में हमले की कोशिश की थी। उसे 2020 में छोड़ दिया गया था। वो साउथ पेरिस में अपने माता-पिता के साथ रहता है।

नेतन्याहू बोले- गाजा का शासन फिलिस्तीन को नहीं देंगे

वहीं, इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वो जंग खत्म होने के बाद फिलिस्तीनी हुकूमत को गाजा का शासन नहीं सौंपेंगे। नेतन्याहू का कहना है की फिलिस्तीनी हुकूमत इजराइल के अस्तित्व को इनकार करती है। उन्होंने ये भी कहा है कि जब तक हमास पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता हम जंग जारी रखेंगे।

इजराइल में कंट्रोल से बाहर आयरन डोम

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइल ने वेस्ट बैंक से अजान देते इमाम को गिरफ्तार कर लिया। उस पर हमास का समर्थन करने के आरोप लगे हैं। इमाम की गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई थी। वहीं, इजराइल में शनिवार देर रात आयरन डोम कंट्रोल से बाहर हो गया। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक आयरन डोम की तरफ से मिसफायर का मामला सामने आया है। डिफेंस फोर्सेस इस मामले की जांच कर रही हैं।

इजराइल-हमास में सीजफायर की संभावना खत्म

इजराइल और हमास के बीच दूसरी बार सीजफायर का मामला टल गया है। शनिवार को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बहुत जल्द दोबारा सीजफायर हो सकता है। हालांकि, देर रात इजराइल ने साफ कर दिया कि हमास ने महिलाओं और बच्चों की रिहाई का वादा पूरा नहीं किया। इसलिए कतर की राजधानी दोहा से बातचीत करने वाली टीम को वापस इजराइल बुला लिया गया है।

मोसाद के चीफ डेविड बार्निया ने कहा- प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कतर में सीजफायर की बातचीत करने गई इजराइली टीम को देश लौटने को कहा है। पिछले सीजफायर के दौरान हमास ने 105 बंधक रिहा किए थे। इनमें 81 इजराइली और 23 थाईलैंड के बंधक थे। इसके अलावा फिलिपींस का भी एक नागरिक छोड़ा गया था। हमास की कैद में अब भी 136 लोग बताए गए हैं। इनमें 114 पुरुष, 20 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 10 बंधकों की उम्र 75 साल या इससे ज्यादा बताई गई है।

इस्राइल हमास के बीच फिर से युद्धविराम कराने की कोशिशें तेज

दुबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्राइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम कराने की कोशिशें तेज हो गई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने कहा कि वह गाजा में फिर से हिंसा शुरू होने को लेकर चिंतित हैं। मैक्रां ने ये भी कहा कि वह कतर जा रहे हैं ताकि इस्राइल हमास के बीच एक और युद्धविराम कराया जा सके। बता दें कि इस्राइल हमास के बीच हुआ युद्धविराम शुक्रवार को खत्म हो गया, जिसके बाद हिंसा का दौर फिर शुरू हो गया है। 'हमास का सफाया होने में 10 साल लग सकते हैं'

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां COP28 सम्मेलन में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे हुए थे। इस दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इस्राइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम कराने की कोशिशें शुरू करने की बात कही।

मैक्रां ने कहा कि 'हम उस स्थिति में आ गए हैं, जब इस्राइल की सरकार को बेहद सटीकता से अपने उद्देश्य तय करने की जरूरत है। हमास का पूरी तरह से सफाया क्या हो सकता है? अगर ऐसा होगा तो इसमें 10 साल तक लग सकते हैं।'

मैक्रां ने कहा कि 'इस्राइल में फलस्तीनी लोगों की जिंदगी की कीमत पर शांति नहीं आ सकती। इसे लेकर स्पष्टवादी होने की जरूरत है।' फ्रांसीसी राष्ट्रपति के बयान पर इस्राइली पीएम के सलाहकार मार्क रीगव ने कहा कि 'इस्राइल भी नहीं चाहता कि लड़ाई होने पर गोलीबारी में गाजा में आम नागरिकों की मौत हो। इस्राइल हमास को निशाना बना रहा है, जिसने मासूम नागरिकों का नरसंहार किया। इस्राइल गाजा में आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी कोशिश कर रहा है।'

युद्धविराम की समाप्ति के बाद गाजा में फिर शुरू हुई हिंसा

बता दें कि इस्राइल हमास के बीच हुए पहला युद्धविराम 24 नवंबर से शुरू होकर करीब एक हफ्ते तक चला। इस दौरान दोनों तरफ से बंधकों को रिहा किया गया। यह युद्धविराम शुक्रवार को खत्म हो गया, जिसके बाद फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया है, जिस पर दुनियाभर के देशों ने चिंता जाहिर की है।

उत्तरी इस्राइल में हिजबुल्लाह का हमला जारी

सीरिया के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रही आईडीएफ

यरूशलम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्राइल सुरक्षा बल ने इस्राइल और हमास के बीच सात दिन के संघर्ष विराम के समाप्त होने के बाद शनिवार को दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। हालांकि, हिजबुल्लाह इस संघर्ष विराम में शामिल नहीं था, लेकिन पिछले हफ्ते उसने अपने हमले रोक दिए थे, इस वजह से इस्राइल को भी अपनी सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ी। लेकिन गाजा में संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद एक बार फिर इस्राइल के उत्तरी क्षेत्रों में हमले तेज हो गए।

उत्तरी इस्राइल में हिजबुल्लाह का हमला जारी

शनिवार को लेबनान की तरफ से दो मोर्टर शोमेरा में दागे गए। ये दोनों मोर्टर खुले क्षेत्र में गिरे, इस दौरान किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। दोपहर के समय कई रॉकेट भी दागे गए। इन हमलों की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह ने लिया है। इसकी जवाबी कार्रवाई में इस्राइल ने लेबनान के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला किया गया।

हिजबुल्लाह ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में हुए हमले के बाद से उनके 79 सदस्य मारे जा चुके हैं। वहीं इस्राइल में छह सैनिकों के साथ तीन स्थानीय लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख रमि अब्देल रहमान ने कहा, 'हिजबुल्लाह के लिए काम करने वाले दो सीरिया के लड़ाके मारे गए। वहीं संगठन के लिए काम करने वाले अन्य सात घायल हुए हैं।' हालांकि, सीरिया में हुए हमले को लेकर इस्राइली सैनिकों ने कोई बयान नहीं दिया है।

उन्होंने बताया कि संगठन के लिए आए हथियारों के शिपमेंट पर हमला किया गया था। इस्राइल द्वारा किए गए हवाई हमले लगातार सीरिया के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रही है।

भूटान की जमीन हथियाने की फिराक में चीन

रिपोर्ट का दावा-ड्रैगन ने भूटान के पश्चिमी इलाके में सड़कें बनाई, सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा कब्जा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। 2017 में भारत-चीन के बीच हुए डोकलाम विवाद के वक्त पश्चिमी भूटान के पास सिलिगुड़ी कॉरिडोर एक अहम रणनीतिक लोकेशन बनकर उभरा था। 5 साल बाद चीन अब भूटान के उत्तरी इलाकों पर नजर बनाए हुए है। सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि चीन तेजी से भूटान के उत्तरी इलाकों के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर रहा है। जाकरलुंग घाटी आने वाले समय में चीन के हाथों में जा सकती है। यह खुलासा ब्रिटेन के थिंक टैंक चैथम हाउस (रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंरनेशनल अफेयर्स) ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भूटान बड़ी रियायत के तहत, जकारलुंग और पड़ोसी मेनचुमा घाटी दोनों में चीन की कब्जाई अपनी जमीन उसी को दे देगा।

भूटान की स्ट्रैटजी- हमें चुप रहना है

भूटान की बेयुल घाटी में चीन ने सड़कों का जाल बुना है। कई सैन्य चौकियां भी बनाई हैं। इस इलाके में ज्यादातर लोग तिब्बती बौद्ध धर्म को मानते हैं। चीन ने पहले भी भूटान के इलाकों में रोड बनाने की कोशिश की थी। हालांकि, ये ज्यादातर पश्चिमी भूटान में हो रहा था। 2017 में चीन ने दक्षिण-पश्चिम में डोकलाम में रोड बनाने की कोशिश की। यहां उनकी भारतीय सैनिकों से झड़प हुई। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की ताकत के आगे भूटान घुटने टेकता दिख रहा है। भूटान मामलों के जानकार तेंजिंग लामसांग का कहना है कि चीन की हरकतों पर भूटान अपनी पुरानी चुप रहने की स्ट्रैटजी पर कायम रखेगा। उनके मुताबिक भूटान दो बड़ी ताकतों (भारत-चीन) के बीच फंसा देश है।

सीमा निर्धारित करेंगे चीन-भूटान

बेयुल के अलावा भूटान की मेनचुमा घाटी में भी चीन का कंस्ट्रक्शन देखा गया है। 2021 में तो कुछ समय तक इस घाटी पर चीन के कब्जे की खबरें आई थी। हालांकि, भूटान की रॉयल आर्मी ने इससे इनकार किया था। बेयुल और मेनचुमा के पास चीन की लिबरेशन आर्मी के स्टेशन भी हैं। भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोर्जी ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री से मुलाकात की थी। इसके तहत दोनों देशों ने अपनी सीमाओं को निर्धारित करने का फैसला लिया है।

मारावी के एक यूनिवर्सिटी में विस्फोट, तीन लोगों की मौत और नौ अन्य घायल

मनीला, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस से एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यहां के एक विश्वविद्यालय में विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, नौ लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। बता दें, मारावी शहर में मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में रविवार को एक कैथोलिक प्रार्थना के दौरान विस्फोट हुआ।

आतंकवादी हमलों की भी निंदा की जानी चाहिए

लानाओ डेल सुर प्रांत के गवर्नर मामिन्तल अलंटो अडियोंग जूनियर ने हमले की निंदा की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शैक्षिक संस्थानों पर आतंकवादी हमलों की भी निंदा की जानी चाहिए क्योंकि ये ऐसे स्थान हैं, जो शांति की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और हमारे युवाओं को इस देश के भविष्य के निर्माता के रूप में ढालते हैं।

वहीं, मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी का कहना है कि एक धार्मिक सभा के दौरान हुई हिंसा की घटना से विश्वविद्यालय बहुत दुखी और स्तब्ध है। उन्होंने भयावह कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। एक गवाह ने कहा कि उसने एक जोरदार विस्फोट सुना था। बाद में पुलिस और एंबुलेंस को इकट्ठे होते देखा तो समझ आया कि कुछ तो हुआ है।

विमान दुर्घटना में पराग्वे के नेता समेत तीन की मौत, उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

असंशियन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिणी अमेरिका के देश में एक विमान दुर्घटना में पराग्वे के नेता समेत तीन लोगों की मौत हो गई। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान क्रैश हो गया। इस घटना में कोलोराडो पार्टी के नेता वॉल्टर हार्म्स समेत उनकी पार्टी के तीन अन्य लोगों की मौत हो गई। विमान दुर्घटना के बाद पराग्वे के उप राष्ट्रपति पेड्रो अलियाना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक जताते हुए कहा, 'मुझे मेरे भाई और दोस्त वॉल्टर हार्म्स के निधन के बारे में दुखद समाचार मिला।' सोशल मीडिया पर विमान दुर्घटना की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार विमान उड़ान भरने के कुछ देर बार पेड़ से टकरा गई जिसके बाद उसमें आग लग गई और विमान जमीन पर गिर गया।

पेरिस में चाकू से हमले में एक की मौत, दो घायल

पेरिस, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरिस के 16वें अरोंनडिसमेंट में चाकू से किए गए हमले में एक की मौत हो गई और दो घायल हो गए। एक स्थानीय रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

हमलावर ने रात करीब 9:45 बजे एक जोड़े पर हमला किया। समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को एफिल टॉवर के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई और फिर गिरफ्तार होने से पहले उसने कम से कम दो अन्य पर्यटकों पर हथौड़े से हमला किया। साइट पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, फ्रांसीसी आंतरिक मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने कहा कि संदिग्ध, 26 वर्षीय फ्रांसीसी व्यक्ति को 2016 में चार साल जेल की सजा सुनाई गई थी। फ्रांसीसी राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि वह जांच का प्रभारी है। फ्रांस की प्रधान मंत्री एलिज़ाबेथ बोर्न ने एक्स पर कहा, हम आतंकवाद के आगे नहीं झुकेंगे।

काप 28 में पर्यावरण को बचाने का एक्शन प्लान रखेगा सिखों का संगठन, 850 पवित्र जंगलों का किया पौधरोपण

वॉशिंगटन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के एक सिख पर्यावरण संगठन ने लुधियाना में 850 पवित्र वन लगाने का काम पूरा कर लिया है। वह दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप 28) में इसकी प्रगति और कार्य योजना सबके सामने रखेगा।

सहयोग करने की करेंगे अपील

सिख संगठन इकोसिख के वैश्विक अध्यक्ष राजवंत सिंह जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पवित्र वन पहल का कॉप 28 में प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा वह सहयोग के लिए सरकारी समूहों से अपील करेंगे। बता दें, राजवंत सिंह को कॉप 28 के सीईओ अदनान जेड अमीन ने

अर्बन विजडम नामक एक पैनल को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है।

140 से अधिक राज्य प्रमुखों की मेजबानी करने की उम्मीद

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक की जयंती पर इकोसिख ने लुधियाना के केंद्र में 1,313 पेड़ों वाला 850 पवित्र वनक्षेत्र विकसित किया है। गौरतलब है, कॉप 28 दुबई में हो रहा है। यह इस साल के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण सम्मेलन में से एक है। कयास लगाए जा रहे हैं कि 60-80 हजार प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे। इसके अलावा 140 से अधिक राज्य प्रमुखों की मेजबानी करने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में ही इकोसिख अपनी प्रगति और कार्य योजना पेश करेगा।

बदलती जलवायु को रोकने की जरूरत

राजवंत सिंह ने कहा, 'हम सभी को तापमान के बदलते स्वरूप को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। हम इस बात का इंतजार नहीं कर सकते कि कोई संस्था या सरकार आपदाओं का समाधान ढूंढे। कई लोग अपनी भूमि खो रहे हैं। ऐसे में हम शांति से बैठकर तबाही होते नहीं देख सकते।'

आईडीएफ ने हमास के आतंकवादियों को मार गिराया

गाजा में सुरंग नेटवर्क को किया नष्ट

टेल अवीव, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि उन्होंने हमास के कई आतंकवादियों को मार गिराया है और गाजा में आतंकवादी समूह के कई सुरंग नेटवर्क को भी नष्ट कर दिया है। सात दिवसीय युद्धविराम के टूटने के बाद लड़ाई जारी है। आईडीएफ और इजरायल सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) ने संयुक्त रूप से घोषणा की थी कि हमास की शेजैया बटालियन के कमांडर वेसम फरहत हवाई हमलों में मारे गए, जो सैन्य और एजेंसी की खुफिया जानकारी के बाद किए गए थे। आईडीएफ और आईएसए के अनुसार, फरहत ने 7 अक्टूबर को नाहल ओज के किबुत्ज और समुदाय में एक आईडीएफ पोस्ट पर हमले की साजिश रची। उस हमले में छह आईडीएफ सैनिक मारे गए थे। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, फरहत ने 2010 में बटालियन पर अपनी कमान शुरू की थी और इससे पहले 2002 में मेचिनाट एट्जमोना पर आतंकवादी हमले और 2011 में नाहल ओज में एक नागरिक बस पर हमले की साजिश रची थी। इस बीच, आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा के लोगों को रफा सीमा पार के पास आश्रयों में जाने के लिए भी कहा है और खान यूनिस की ओर से भारी गोलाबारी की सूचना है। खान यूनिस हमास के वरिष्ठ नेता याह्या सिनवार का गृह नगर है, जिन्हें 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए नरसंहार और तबाही के पीछे का दिमाग माना जाता है। माना जाता है कि हमास के शीर्ष सैन्य नेता मोहम्मद दीफ भी खान यूनिस में सुरंग नेटवर्क में छिपे हुए हैं।

पाकिस्तान में यात्री बस पर आतंकियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 10 की मौत

रावलपिंडी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग पर आतंकियों ने एक यात्री बस पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डायमेर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (सेवानिवृत्त) आरिफ अहमद ने कहा कि घटना शनिवार शाम 6:30 बजे चिलास के हुदुर इलाके में हुई, जब आतंकवादियों ने बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई।

अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए अधिकांश यात्री देश भर से थे, जिनमें कोहिस्तान, पेशावर, ग़िज़र, चिलास, राउंडु, स्कर्दू, मनसेहरा, स्वाबी और सिंध के एक या दो लोग शामिल थे। डायमेर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमले में

मारे गए लोगों में दो सैनिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट का एक सदस्य भी घायल हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, डायमर के पुलिस अधीक्षक सरदार शहरयार ने कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले लोग काराकोरम हाईवे (केकेएच) पुलिस कर्मी थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने शवों और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य वाहनों को काफिले के रूप में वहां से ले जाया गया।

उन्होंने आगे कहा कि जिस जगह पर हमला हुआ था, वहां सबूत इकट्ठा करने के लिए घेराबंदी कर दी गई है। घायल लोगों को क्षेत्रीय मुख्यालय अस्पताल चिलास में भर्ती कराया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और गोलीबारी का मकसद स्पष्ट नहीं है। म

ुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना की निंदा की और यात्री बस पर हुए हमले को आतंकवाद की कायरतापूर्ण कार्रवाई करार दिया। उन्होंने घटना की गहन जांच के लिए एक विशेष जांच दल के गठन की घोषणा की।

भाजपा को बहुमत

भाजपा के 3 सांसद, कांग्रेस के 17 मंत्री हारे; पहली बार स्पीकर

नेता प्रतिपक्ष-उपनेता प्रतिपक्ष को एक साथ मिली शिकस्त

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड जारी है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत हासिल कर रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक भाजपा 115 और कांग्रेस 69 सीटों पर आगे है, वहीं 15 सीटों पर अन्य उम्मीदवार आगे हैं। भाजपा 88, कांग्रेस 48 और अन्य ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है।

इस बीच कांग्रेस ने अपनी हार मान ली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज शाम राजभवन जाकर इस्तीफा देंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी हार गए हैं। इसके साथ ही परसादी लाल मीणा, प्रताप सिंह खाचरियावास सहित कांग्रेस के 25 में से 17 मंत्री हार गए हैं। शांति धारीवाल जीत गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया भी हार गए हैं। भाजपा ने जिन 7 सांसदों को चुनाव लड़ाया था, उनमें से 4 आगे और 3 पीछे चल रहे हैं और दोनों सांसद तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। इस बार जनता ने फिर सरकार बदली है, लेकिन यह भी संयोग है कि विधानसभा अध्यक्ष समेत नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष दोनों ही हार गए हैं।

चुनाव नतीजों पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि राजस्थान की शानदार जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी की जीत है। वहीं हार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि काम करने के बाद भी हम कामयाब नहीं हुए, इसका मतलब यह नहीं है कि वे काम न करें। यह अप्रत्याशित परिणाम है। वहीं राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि नतीजे स्वीकार करते हैं, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।

इधर, काउंटिंग के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच कुछ विवाद भी हुआ। बहरोड़ विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी बलजीत यादव के साथ मारपीट की गई। काउंटिंग के बाद जब वे बाहर निकले तो मैदान में उन्हें लोगों ने घेर लिया और थप्पड़ मारे। राजस्थान में 199 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था। श्रीकरणपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत कुन्नर के निधन के कारण वहां चुनाव नहीं हुए हैं।

पति ने पत्नी, चाचा ने भतीजी को हराया, दामाद-ससुर जीते

नागौर से चाचा ने अपनी भतीजी को हरा दिया है। इस सीट पर कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा भाजपा की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा से जीत गए हैं। सीकर जिले की दांतारामगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह ने अपनी पत्नी और जननायक जनता पार्टी की प्रत्याशी रीटा सिंह को हरा दिया है। रीटा सिंह तीसरे नंबर पर रही हैं। वीरेंद्र सिंह ने 7997 वोट से भाजपा के गजानंद कुमावत को हराया।

धौलपुर सीट से कांग्रेस की शोभारानी कुशवाह ने अपने जीजा और भाजपा प्रत्याशी शिवचरण कुशवाह को हरा दिया है। वहीं, दामाद और ससुर ने एक साथ चुनाव में जीत हासिल की है। फुलेरा से कांग्रेस के विद्याधर सिंह चौधरी जीत गए, तो उनके दामाद और भाजपा प्रत्याशी शैलेष सिंह डीग-कुम्हेर से जीत दर्ज की है।

इस सीट पर पहली बार खुला भाजपा का खाता

झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ विधानसभा सीट पर पहली बार भाजपा का खाता खुला है। भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह जाखल ने कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार शर्मा को 23 हजार 180 वोट से हराया है। विक्रम सिंह को 1 लाख 12 हजार 37 वोट मिले, वहीं शर्मा को 88 हजार 857 वोट मिले।

न हां कहा, न ना... दीया कुमारी ने दे दिया संकेत!

क्या राजस्थान की कुर्सी सौंपने वाले हैं मोदी?

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी जीत की ओर अग्रसर है। तय हो चुका है कि बीजेपी राजस्थान में सरकार बनाने जा रही है। ऐसे में राजस्थान में मुख्यमंत्री के चेहरे की चर्चा शुरू हो चुकी है। इस रेस में दीया कुमारी का नाम चर्चा में है। दीया कुमारी से जब इसपर सवाल पूछा गया तो उन्होंने गोलमोल जवाब दिया।

राजसमंदः राजस्थान विधानसभा चुनाव में अब तक हुई वोटों की गिनती के बाद लगभग तय माना जा रहा है कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। इसके साथ ही सवाल उठने शुरू हो चुके हैं कि बीजेपी राजस्थान में किसे मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपेगी। इस रेस में विद्याधर नगर विधानसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर मैदान में उतरी सांसद दीया कुमारी का नाम चर्चा में है। राजस्थान विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद जब दीया कुमारी से पत्रकारों ने पूछा कि वह राजस्थान की अगली मुख्यमंत्री हैं तो वह इस सवाल पर गोलमोल जवाब देकर आगे निकल गईं।

राजसमंद सीट से सांसद रहते हुए विधायकी के चुनाव में उतरने वाली दीया कुमारी ने कहा, 'समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है, यह उसी का रिजल्ट है। इसलिए वह खुश हैं। हमारे प्रधानमंत्री की वजह से हम राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जीते हैं। हमें इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी, हमें उम्मीद से ज्यादा बड़ी जीत मिली है। इससे साफ है कि बीजेपी और पीएम मोदी पर देश की जनता को जरूरत से ज्यादा भरोसा है।' दीया कुमारी ने कहा कि मैं अभी भी सांसद हूं, इसलिए खुद को चुनाव प्रचार के दौरान महारानी के बजाय सेविका कहकर संबोधित किया। इस बार जयपुर की बेटी को जयपुर की जनता ने अपनाया है। इतने अच्छे वोटों से मुझे जीताया है।

मतगणना में पिछड़े तो रोने लगे बीजेपी प्रत्याशी

समर्थक के गले लग भावुक हुए अमीन कागजी

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा की 199 सीटों पर रविवार सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई।

शुरुआती रुझान में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलते देख समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कई प्रत्याशी सुबह-सुबह मंदिर पहुंचे तो कुछ उम्मीदवार सीधे मतगणना केंद्र पर पहुंचे। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर ढोल-नगाड़ों के साथ समर्थक जमकर झूमे। जैसे-जैसे उम्मीदवारों के मत-घट बढ़ रहे थे, समर्थक और प्रत्याशियों में खुशी और मायूसी साफ नजर आ रही थी। चुनाव में अपनी हार तय देखते ही दूदू से कांग्रेस प्रत्याशी बाबूलाल नागर मतदान केंद्र से निकल गए।

कोटा, उदयपुर समेत 5 जिलों में बारिश

जयपुर में भी बूंदाबांदी, बादल छाए

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। नया पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते रविवार को राजस्थान में बारिश हुई। कोटा में बारिश के कारण मतगणना कर्मचारियों को परेशानी हुई। सुबह जगह-जगह हल्का कोहरा छाया रहा। बांसवाड़ा, उदयपुर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ के कुछ हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। जयपुर में बूंदाबांदी हुई। दिनभर बादल छाए रहे। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- जयपुर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, अजमेर, दौसा समेत कई एरिया में जबरदस्त कोहरा छाया रहा। इससे तापमान में इजाफा हुआ है। पूर्वी राजस्थान में फतेहपुर का न्यूनतम तापमान 8.9 और पश्चिमी राजस्थान में सगरिया हनुमानगढ़ का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार को नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। शनिवार रात बांसवाड़ा जिले के जगपुरा में 5 मिमी, दानपुर में 2 मिमी, घाटोल में 1 मिमी, भूंगड़ा में 5 मिमी, गढ़ी में 5 मिमी, लोहारिया में 2 मिमी, अरथूना में 4 मिमी, बागीदौरा में 5 मिमी, सल्लोपाट में 6 मिमी, शेरगढ़ में 4 मिमी, कुशलगढ़ में 13 मिमीऔर सज्जनगढ़ में 6 मिमीबारिश हुई।

किसान की मौत मामले में कांस्टेबल निलंबित

पुलिस ने आरोपों को बताया निराधार, सीओ करेंगे जांच

हनुमानगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में टिब्बी पुलिस थाना इलाके के सूरेवाला पुलिस चौकी में चल रही पंचायती में शामिल एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का मृतक के शव के साथ चौकी के आगे धरना तीसरे दिन खत्म हो गया है। मृतक के परिजन और ग्रामीण पंचायती के दौरान अनावश्यक दबाव बनाने से मौत का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर रहे थे।

मामले को लेकर भारत की जनवादी नौजवान सभा तहसील कमेटी कार्यकर्ताओं की ओर से जिला मुख्यालय पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने एसपी का सांकेतिक पुतला दहन किया गया। अब कांस्टेबल के निलंबन और सीओ लेवल अधिकारी से जांच के आश्वासन के बाद धरना उठा लिया गया है। पुलिस की माने तो घटना के दौरान पुलिस चौकी प्रभारी एविडेंस पर गए हुए थे। चौकी में एक कांस्टेबल ही मौजूद था, जिसके पास परिवाद आने पर दोनों पक्ष चौकी परिसर में खुद ही आपस में पंचायती कर रहे थे।

डीवाईएफआई के तहसील अध्यक्ष वेदप्रकाश ने कहा कि सूरेवाला पुलिस चौकी में लगातार तीन दिन से धरना चल रहा है। पुलिस चौकी में चल रही पंचायत में किसान लालचंद कुम्हार को दुष्प्रेरित किया जाता है। इससे हार्ट अटैक आने से किसान की मौत हो जाती है। इस मामले में आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में टिब्बी पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ। इस घटना में दो पुलिसकर्मी भी संलिप्त हैं। लेकिन अभी तक इस मामले में पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। खुद पुलिस कप्तान भी चुप्पी साधे बैठे हैं। वेदप्रकाश ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं। महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। वन विभाग के एक रेंजर की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म किया जाता है, लेकिन उसके खिलाफ भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मृतक किसान लालचंद कुम्हार को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। इस मौके पर मोहन लोहरा सहित डीवाईएफआई के कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के कुछ समय बाद वार्ता में सहमति बन गई। कांस्टेबल को निलंबित करके जांच सीओ लेवल के अधिकारी से करवाने और पालनहार योजना के तहत मुआवजा दिलवाने की सहमति के साथ वार्ता सफल रही। वार्ता में बनी सहमति के बाद परिजन और ग्रामीणों ने शव को उठाने पर सहमति दे दी और पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

टिब्बी पुलिस ने आरोपों को गलत बताया है। टिब्बी एसएचओ फूलचंद शर्मा ने बताया कि चौकी प्रभारी कुलदीप मीणा एविडेंस के सिलसिले में दूसरे जिले में गए हुए थे। तभी चौकी में मौजूद कांस्टेबल के पास जमीन के ठेके के पैसों को लेकर परिवाद आया हुआ था। इसी परिवाद को लेकर दोनों पक्ष पुलिस चौकी पहुंचे थे। कांस्टेबल ने बताया कि वो अंदर किसी अन्य फाइल के सिलसिले में कार्य कर रहा था। तभी दोनों पक्ष चौकी परिसर में ही आपस में पंचायती कर रहे थे। इसी दौरान मृतक लालचंद को चक्कर और पसीना आने लगा तो उसे साथ आए ही व्यक्ति उठाकर अपनी कार में हॉस्पिटल लेकर गए। टिब्बी पुलिस ने कहा कि पुलिस ने किसी भी रूप से मृतक को प्रताड़ित नहीं किया था।

कल से शुरू होगा जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल

सिटी पैलेस में देशभर से 100 से अधिक स्कूल लेंगे हिस्सा

'एज्युकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' थीम पर होगा आयोजन

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की शिक्षा शाखा की ओर से 5 से 8 दिसंबर तक सिटी पैलेस जयपुर में वार्षिक जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल (जेएचएफ) का आयोजन किया जाएगा। इस चार दिवसीय फेस्टिवल की शुरुआत हर सुबह 8 .30 से प्रार्थना से होगी, जिसके बाद 10 .30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, एग्जीबिशन और क्राफ्ट वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी। वर्ष 2022 की थीम 'फड़ से पढ़' की सफलता के बाद इस साल फेस्टिवल 'एजुकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' पर आधारित होगा। जेएचएफ 2023 में कई गतिविधियां आयोजित होगी, जिसमें गंगा आरती, मॉन्यूमेंट फैशन शो, रॉकेट लॉन्च और 50 स्कूलों की ओर से मॉन्यूमेंट प्रजेंटेशन विशेष आकर्षण होंगी। इसके अतिरिक्त फड़ से पढ़ः कॉफी टेबल बुक, अन्ना मिलेट्स बुक, चाय पे क्रोसौं, ग्राफिक नॉवेल, आजादी के 75 वर्ष पुस्तिका, सड़क सुरक्षा पर ग्राफिक नॉवेल (11), इसरो ग्राफिक नॉवेल और अंग दान ग्राफिक नॉवेल का विमोचन होगा। एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय के चेयरमैन सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल के पिछले सफल आयोजनों की तरह इस वर्ष भी एक नई थीम 'एजुकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' के साथ जेएचएफ का आयोजन किया जाएगा। देशभर से विभिन्न स्कूलों के बच्चे इस फेस्टिवल में शामिल होने जा रहे हैं। यह फेस्टिवल बच्चों को मॉन्यूमेंट्स के माध्यम से हमारे देश की संस्कृति, इतिहास के बारे में सीखने और उसके पीछे की कहानियों से रू-ब-रू होने के लिए मंच प्रदान करेगा। जेएचएफ 2023 में देशभर से करीब सौ स्कूल पंजीकृत हैं, जिसमें जयपुर के 25 स्कूल और दिल्ली, गुड़गांव, वडोदरा, अहमदाबाद, जम्मू, रायपुर और उत्तर प्रदेश के 40 स्कूल, 194 स्मारकों पर अपना रिसर्च प्रस्तुत करेंगे। फेस्टिवल के लिए छात्रों और शिक्षकों को तैयार करने के लिए, ट्रस्ट ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इस 4 दिवसीय फेस्टिवल में 10 हजार से ज्यादा स्कूलों हिस्सा लेंगे। यह फेस्टिवल आधुनिक पैडागॉजिकल मैथड्स के साथ संरेखित है और बच्चों को सीखने के लिए अधिक सार्थक और दिलचस्प दृष्टिकोण प्रदान करेगा, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा उल्लिखित व्यापक विकास में योगदान देता है। जेएचएफ 2023- 'एज्युकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' स्कूलों को भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, भूगोल, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र जैसे विषयों को शामिल करके ऐतिहासिक आख्यानों से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसका उद्देश्य बच्चों को पाठ्यक्रम को जीवंत बनाते हुए स्मारकों की समग्र समझ प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि एनसीईआरटी एवं सीबीएसई द्वारा इस फेस्टिवल को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इसे एक सतत आयोजन बनाया जा सके। यह फेस्टिवल जनवरी 2024 में दिल्ली और मुंबई में आयोजित किया जाएगा और जम्मू संस्करण फरवरी 2024 में आयोजित किया जाएगा।

साइबर ठगी में शामिल तीन अंतरराज्यीय ठग गिरफ्तार

8.50 लाख रुपये की आनलाइन ठगी का खुलासा

दौसा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा में साइबर ठग अलग-अलग तरीके से लोगों को अपना शिकार बनाते हुए आमजन को लाखों रुपये का चूना लगाते थे। ऐसी ठगी करने के मामले में दौसा साइबर थाना पुलिस ने जिला पुलिस अधीक्षक दौसा वंदिता राणा के निर्देशानुसार सोहनलाल पुलिस निरीक्षक साइबर थाना एवं प्रेमनारायण प्रभारी साइबर सेल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम द्वारा साइबर ठगी के मुकदमे में वांछित तीन अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

पुलिस ने बताया, पीड़ित ने तीन दिन पहले इस आशय की रिपोर्ट दी कि उसने फेसबुक पर जीटीएल टावर के पेज पर रिलायंस जियो कंपनी का टावर लगाने के बारे में देखा। इस पर दिए गए मोबाइल नम्बरों पर कॉल करने पर आरोपियों ने उसकी जमीन पर मोबाइल टावर लगाने के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब आठ लाख 22 हजार 525 रुपये की आनलाइन ठगी की।

इस पर जिला पुलिस अधीक्षक दौसा ने इस प्रकार की हुई घटना को गंभीरता से लिया और पुलिस थाना साइबर व साइबर सेल जिला दौसा से एक विशेष टीम का गठन किया। इस पर टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण में पीड़ित के बैंक खाते से जिन खातों में राशि ट्रांसफर हुई है, उन खातों का पता लगाया और तकनीकी पहलुओं, वैज्ञानिक तरीकों से विश्लेषण कर, आधुनिक संसाधन का प्रयोग कर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए अनुसंधान करने से अपराधियों का ग्वालियर मध्यप्रदेश में होना ज्ञात हुआ था।

हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को बड़ी जिम्मेदारी, पार्टी ने राजस्थान में सौंपा ये काम

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भुपेंद्र हुड्डा को कांग्रेस पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. पार्टी ने उन्हें राजस्थान में ऑब्जर्वर नियुक्त किया है. इससे पहले पार्टी ने उन्हें हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी ही जिम्मेदारी सौंपी थी. जिसके बाद, उन्होंने सरकार बनाने में सुखविंदर सिंह सुक्खू और पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह में तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है.

भुपेंद्र हुड्डा के प्रयासों की बदौलत ही हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री को लेकर प्रतिभा सिंह और सुखविंदर सिंह सुक्खू के बीच चली आ रही खींचतान को केन्द्रीय नेतृत्व समाप्त कर पाया था. अब केन्द्रीय नेतृत्व को राजस्थान में भी ऐसे ही परिस्थितियां नजर आ रही है. राजस्थान में भी मुख्यमंत्री पद को लेकर हिमाचल प्रदेश जैसे हालात नज़र आ रहे है. वहां सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट में सीएम पद को लेकर लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है. ऐसे में इन दोनों के बीच तालमेल बिठाने की जिम्मेदारी भुपेंद्र हुड्डा को सौंपी गई है. बता दें कि हुड्डा सोनिया गांधी के साथ ही राहुल और प्रियंका के बेहद करीबी माने जाते हैं.

स्प्लेश-2023 में दिखेगी भारत के रंगों की हलचल

भारत के 50 से अधिक कलाकारों की पेंटिंग एग्जीबिशन

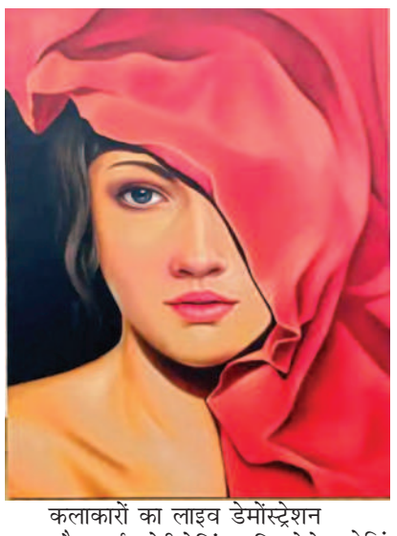

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गुलाबी नगर के कला फलक पर आगामी दिनों में रंगों की बेचेन हलचल यहां के कला प्रेमियों के दिल दिमाग को रोशन करेगी। रंगों का ये समागम यहां भारत के विभिन्न शहरों के 50 से भी अधिक कलाकार मिलकर उजागर करेंगे। मौका होगा, मुंबई के मात्र 23 वर्षीय आर्किटेक्ट और आर्ट प्रमोटर मितुल अग्रवाल के संयोजन में आयोजित होने वाली पेन्टिंग एग्जीबिशन 'स्प्लेश-2023' के आयोजन का। इस दौरान एग्जीबिशन के अलावा भी कई कलात्मक आयोजन होंगे, जिनमें आर्ट टॉक, देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन और आर्ट स्टोरी टेलिंग सहित ऐसे कई कार्यक्रम होंगे जो शहर के कला प्रेमियों को जवाहर कला केन्द्र में पूरा दिन बिताने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस दौरान एग्जीबिशन के अलावा भी कई कलात्मक आयोजन होंगे, जिनमें आर्ट , देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन और आर्ट स्टोरी टेलिंग सहित ऐसे कई कार्यक्रम होंगे।

इस दौरान एग्जीबिशन के अलावा भी कई कलात्मक आयोजन होंगे, जिनमें आर्ट , देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन और आर्ट स्टोरी टेलिंग सहित ऐसे कई कार्यक्रम होंगे।

पित्ती ट्रस्ट अग्रवाल सेवा दल का वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट अग्रवाल सेवादल का वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह चिराग अली लेन स्थित होटल रायलटन में आयोजित किया गया जिसमें वर्ष भर में सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले का सम्मान किया गया। आज यहां आयोजित कार्यक्रम महाराजा अग्रसेनजी की पूजा के साथ बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के चित्र पर माल्यार्पण कर आरंभ किया गया। अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब. पित्ती ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल ने मिल कर कई सेवा कार्यों को अंजाम दिया है। ट्रस्ट सभी का आभार प्रकट करता है। समाज सेवा में सहयोग प्रदान करने वालों में दो महिला संगठन अग्र महिला मंच, अग्रणी महिला मंच, पित्ती लैमिनेशंस के स्टाफ का सहयोग शामिल है। अग्रवाल सेवा दल कई क्षेत्र में सेवा दे रहा हैं। विधवा सहायता के अंतर्गत प्रति माह 750 रुपये की पेंशन करीब 72 विधवा बहनों को प्राप्त हो रही है। दूसरी सेवा अनाथ आश्रम एवं वृद्धाश्रम में सोलर पैनल लगाकर उनकी बिजली के बिल की बचत में सहयोग कर रहे हैं। कई सरकारी व अन्य स्कूल में टॉयलेट का निर्माण करवाया जा रहा है। नुमाईश मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार के मछली प्रसादम में तीन दिन का शिविर लगाकर भोजन उपलब्ध करवाया जाता है। जिसमें 80000 भोजन की सुविधा उपलब्ध करवाया। बत्तिनी परिवार बहुत ही उन्नत सेवा गत 185 वर्ष से कर रहे हैं। ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल के सहयोग से निशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है जिसमें मेडिकवर अस्पताल, एलसीएस डंडू नेत्र , संस्थान, बजाज फिजियोकेयर, इवेका डेंटल केयर आदि कई प्रकार की सेवा प्रदान की जाती है।

निशुल्क दवाई के साथ-साथ चश्में और मोतियाबिंद के ऑपरेशन किये जाते हैं। जिन लोगों को शरीर के हाथ पैर में परेशानी है उनके लिए कृत्रिम अंग की सेवा प्रदान की जाती है जिसमें डॉ.विजय भास्कर का उल्लेखनीय सहयोग रहता है। इसके अतिरिक्त डायलिसिस और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से भी सेवा प्रदान करने का कार्य किया गया है। उन्होने कहा कि शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस साल करीब 600 विद्यार्थियों को 60 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। शरद पित्ती ने कहा कि कोविड के समय में ट्रस्ट की ओर से भी कईयों को सेवा, वैक्सीन और भोजन तथा राशन किट्स का वितरण किया गया।

अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के प्रचार प्रसार संयोजक अजीत गुप्ता ने भी विस्तार से जानकारी देते हुए ट्रस्ट एवं सेवा दल के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि बदरी विशाल ने अपना जीवन सारा समाज की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके बाद वर्ष 2004 शरद पित्ती ने बदरीविशाल पन्नालाल ट्रस्ट की स्थापना की तब से लेकर अब तक 45 करोड़ की चैरिटी ट्रस्ट द्वारा की गई। इसका सारा पैसा बाहर अनुदान से नहीं लिया गया बल्कि पित्ती परिवार एवं ट्रस्ट का है। कार्यक्रम में पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल से जुड़ने वाले सभी अस्पताल, स्वयंसेवी, विद्यार्थी, संगठन, चिकित्सक आदि का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष आर.एन.गुप्ता, नरेश चौधरी, गोविन्द अग्रवाल, सुरेश कुमार सिंघल, विनय सी.अग्रवाल, एलसीएस डंडू आई इंस्टीट्यूट के किशोर छाबरिया, डॉ.विजय भास्कर, बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज, मेडिवकर अस्पताल के डॉ. दीपक, डॉ..के.साकेत, ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी, रायल पर्ल ईएनटी टीम के डॉ.अविनाश, ब्लू क्रॉस लैबोरेटरीज के महेश, बत्तिनी गौड परिवार के अजय गौड, गौरीशंकर, शिव शंकर, संतोष, शिवानंद गौड़, सेवा में सहयोग करने वाले पार्टनर अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा,यादव सेवा संघम, अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु शाखा, जोशी समाज , सीएसके ट्रस्ट, निर्मला देवी कैलाश चंद केडिया चैरिटेबल ट्रस्ट, तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति के राकेश जयसवाल, सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर समिति, युथ एसोसिएशन हैदरगुडा, टीएचसीपीसीएमए के शेष कुमार गोयल, बीबी.पाटिल फाउंडेशन के शेख फरीद, गांधी ज्ञान मंदिर के रविन्द्र कपाड़िया, अजय तुलस्यान आदि उपस्थित रहे।

शब्दाक्षर राष्ट्रीय साहित्योत्सव में प्रदान किए गए 'कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर सम्मान'

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शब्दाक्षर राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था के हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय शब्दाक्षर साहित्योत्सव काव्यसम्मेलन हरिद्वार में नगर के सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय हरिश्चन्द्र गुप्ता के परिवार द्वारा प्रायोजित "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर साहित्य श्री सम्मान" तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर काव्य श्री सम्मान" प्रदान किये गए । स्वर्गीय श्री हरिश्चंद्र गुप्ता हैदराबाद की वाचिक परम्परा की प्रथम पीढ़ी के प्रमुख कवि के रूप मे जाने जाते हैं। वर्ष 1960 तक हैदराबाद ऊर्दू मुशायरों के लिए जाना जाता था, हिन्दी के कवि-सम्मेलन यहाँ नहीं हुआ करते थे। आपने अपने कुछ कवि मित्रों के साथ मिल कर हैदराबाद में हिन्दी काव्य गोष्ठियों तथा कवि- सम्मेलनों का आयोजन करना प्रारंभ किया। हैदराबाद के कवि- सम्मेलनों के मंच पर सर्वाधिक पसंद किये जाने वाले कवियों में आपका नाम लिया जाता है। शब्दाक्षर की तेलंगाना प्रदेश अध्यक्षा ज्योति नारायण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2021-2022 में प्रकाशित मौलिक ग़ज़ल संग्रह, 'मिल्कियत मेरी' की रचियता नीता श्रीवास्तव , छत्तीसगढ़ को 51000 रुपये तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर साहित्य श्री सम्मान", प्रदान किया गया, तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले काव्य संग्रह की रचियता सुमन सुरभि, लखनऊ को 21000 रुपये तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर काव्य श्री सम्मान" से देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार बुद्धिनाथ मिश्र, राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, तेलंगाना प्रदेश के परामर्शदाता अजित गुप्ता, निर्णायक समिति के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ज्योति नारायण द्वारा संपादित, शब्दाक्षर तेलंगाना द्वारा प्रकाशित, शब्दाक्षर के सदस्यों के श्रेष्ठ गीतों के संकलन शब्दाक्षर गीतमाला तथा अन्य पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस तीन दिवसीय शब्दाक्षर राष्ट्रीय साहित्योत्सव में देश के लगभग 125 साहित्यकारों ने भाग लिया। तेलंगाना प्रदेश से ज्योति नारायण, अजित गुप्ता, प्रदीप देवीशरण भट्ट, गीता अग्रवाल तथा के पी अग्रवाल ने इस साहित्योत्सव में भाग लिया।

असम के सीएम बोले- चार राज्यों के नतीजों ने बताया प्रधानमंत्री मोदी 2024 में मारेंगे हैट्रिक

गुवाहाटी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन राज्यों में भाजपा की जबरदस्त जीत के जश्न में पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर के राज्य भी डूब गए हैं। जैसे-जैसे भाजपा जीत की ओर बढ़ती गई, ढोल, नगाड़ों संग यहां पर भी भाजपा के कार्यकर्ता और नेता जश्न मनाने सड़कों पर उतर आए। बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, अब की बार 400 पार। उन्होंने कहा, अभी मोदी सुनामी बाकी है। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला और नगालैंड में दीमापुर में विजय जुलूस निकालकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, चार राज्यों के नतीजों ने बता दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 में हैट्रिक मारेंगे। हम आने वाले लोकसभा चुनाव में 350 से अधिक सीटें जीतेंगे।

एक सवाल के जवाब में पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, यह पश्चिम बंगाल में भी होगा। यह राष्ट्रवादियों की जीत है। लोकसभा में देख लीजिएगा। बंगाल के लोग इसी तरह से लोकसभा चुनाव में भाजपा को विजयी बनाएंगे। भाजपा के कार्यकर्ता उत्साह, आनंद और कृतज्ञता का जुलूस निकालेंगे। चोर ममता के विदाई के दिन गिनती के रह गए हैं।

इस जीत पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, चार राज्यों के नतीजों ने बता दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 में हैट्रिक मारेंगे। हम आने वाले लोकसभा चुनाव में 350 से अधिक सीटें जीतेंगे।

भाजपा नगरसेवक जामबाग मंडल राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की प्रचंड जीत पर मिठाई बांटकर कर और पटाखे फोड़ कर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर शंकर यादव नगरसेवक बेगमबाजार, शैलेंदर यादव, दयानंद यादव, पारस यादव भी उपस्थित रहे।

भारत ने 4-1 से जीती सीरीज

5वें टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया, मुकेश कुमार ने झटके 3 विकेट

बेंगलुरू, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक 5वें टी-20 मुकाबले में 6 रन से हरा दिया। बेंगलुरू में टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने आखिरी 6 गेंदों पर 10 रन डिफेंड किया। उन्होंने शुरूआती 3 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया और कप्तान मैथ्यू वेड का विकेट भी लिया। टीम आखिरी ओवर में 3 रन ही बना सकी।

भारत के लिए मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए। जबकि अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। श्रेयस अय्यर ने 53 रन बनाए। 5वें टी-20 में जीत के साथ टीम इंडिया सीरीज 4-1 के अंतर से अपने नाम कर ली।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट पर 154 रन ही बना सका। बेंगलुरू में ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी-20 मुकाबला हारा, यहां टीम ने 3 टी-20 जीते हैं।

बिहार समाज सेवा संघ ने मनाई डॉ.राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ के तत्वावधान में चादर घाट चौराहे पर बिहार के गौरव भारत रत्न डॉ, राजेन्द्र प्रसाद जी का 139वीं जयंती मनाई गई। हैदराबाद के चादर घाट चौराहे पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी का प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई गई। बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार, सीवान जिला के जिरादेई गांव में हुआ था। जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया बल्कि स्वतंत्रता उपरांत भी भारत के पुनर्निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दिया। सांस्कृतिक संयोजक दीपक तिवारी के अनुसार गांधीवादी विचारधारा एवं आदर्शों को मानने वाले डॉ राजेंद्र प्रसाद का व्यक्तित्व नम्रता, सरलता और सादगी से धनी था जिसके कारण उन्हें जो प्रतिष्ठा प्राप्त थी वह बहुत कम लोगों को प्राप्त होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वतंत्र भारत के राष्ट्रपति पद पर नियुक्त होने के बाद भी उन्होंने कभी भी इन गुणों का त्याग नहीं किया। आज डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के जयंती विशेष पर उनके जीवन से जुड़ी कुछ घटनाओं को जानने का हम सभी भारतीय करते हैं। जयंती समारोह में बिहार समाज सेवा संघ राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, अध्यक्ष मनीष तिवारी, सचिव विकास सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, सांस्कृतिक संयोजक दीपक तिवारी, वरिष्ठ सदस्य पप्पू सिन्हा और अन्य संगठनों के लोग भी उपस्थित थे।

जुक्कल विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी विजयी

मदनूर हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विधानसभा आम चुनाव शांतिपूर्ण हो गया था। इसके बाद 3 दिसंबर को कामारेड्डी जिला केंद्र में मतों की गिनती की गई। इस गिनती में कांग्रेस-पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मीकांत राव को 64,489 बीआरएस पार्टी उम्मीदवार हनमंत शिंदे 63,337, बीजेपी उम्मीदवार कुमारी अरुणा तारा को 28437 मत प्राप्त हुए।

बीआरएस पार्टी उम्मीदवार हनमंत शिंदे से कांग्रेस उम्मीदवार थोटा लक्ष्मी कांत राव ने 1152 अधिक मत लेकर विजय प्राप्त की। इस समय जुक्कल विस क्षेत्र चुनाव अधिकारी मनु चौधरी ने लक्ष्मी कांत राव को जुक्कल विधान सभा चुनाव जीतने का प्रमाण पत्र दिया। जुक्कल विस क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार की जीत हासिल होने पर विविध गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक दूसरे में मिठाई बांटी।

जमानत के हकदार आरोपी को सीमित समय तक ही राहत देना अवैध

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कोई अदालत यह निष्कर्ष निकालती है कि कोई आरोपी मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक जमानत पाने का हकदार है तो उसे अल्प अवधि के लिए ही राहत देना अवैध है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे आदेश स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। बता दें कि एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत आरोपी एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उक्त टिप्पणी की।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने 29 नवंबर को दिए अपने आदेश में कहा कि हकदार होने के बावजूद अल्प अवधि के लिए जमानत देना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने ओडिसा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के जज ने भी माना था कि याचिकाकर्ता लंबे समय तक जमानत पाने का अधिकारी है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता को सिर्फ 45 दिन की अंतरिम जमानत दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने देखा है कि यह पांचवां या छठा आदेश है जो उसी हाईकोर्ट से आया है, जिसमें आरोपी को लंबे समय तक जमानत पर रिहा करने के योग्य माना गया था लेकिन इसके बावजूद याचिकाकर्ता को कम समय के लिए जमानत दी गई।

बिहार समाज सेवा संघ (पैराडाइज) ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर हैदराबाद के चादर घाट चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संघ के तेलंगाना अध्यक्ष दीपक सिंह, महामंत्री मनीष गुप्ता, संजय सिंह, संतोष यादव, मुकेश कुमार, विकास पासवान आदि उपस्थित रहे।

बेहतर कार्यकाल के लिये बिनय यादव हुए सम्मानित

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव का दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर समिति के महासचिव राज नारायण सिंह ने अपने सीमित के अनय सदस्यों के साथ उनका सम्मान किया।

इन दो वर्ष के दौरान श्री यादव के नेतृत्व में की उल्लेखनीय कार्य किया।

बिहार के फंसे लोगों को आसिफाबाद से बचाकर सकुशल बिहार भेजना, उत्तर भारतीयों के लिए रेल समस्याओं के लिए संघर्ष आदि प्रमुख कार्य है। इस मौके पर उपाध्यक्ष सागर भगत, बिजेंद्र गुप्ता, सचिव मनोज यादव, आंनद गुप्ता, हरीश यादव, सुनील भगत, राजेश यादव, दिपक गुप्ता, गोपाल भगत, मनोज भगत, सुनील ठाकुर, ललन मिश्रा एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ताओ ने बधाई दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

52% आबादी पर ...

मध्य भारत (एमपी, छत्तीसगढ़): बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की

मध्य प्रदेश में बीजेपी और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी। यहां कुल 420 विधायक चुने जाते हैं, जिसमें 144 बीजेपी के थे, यानी 34%। 3 दिसंबर को आए नतीजों के बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने सबसे ज्यादा बढ़त बनाई है। दोनों राज्यों में बीजेपी के करीब 70 विधायक बढ़ सकते हैं। इसी तरह कुल 40 में से 37 सांसद बीजेपी के हैं यानी 92%।

दक्षिण भारतः बीजेपी पूरी तरह से साफ

कर्नाटक की हार के बाद दक्षिण के 5 में से किसी राज्य में बीजेपी की सरकार नहीं। दक्षिण भारत के 5 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश से कुल 130 लोकसभा सांसद आते हैं। इनमें बीजेपी के केवल 29 सांसद है, यानी 22%। इनमें भी 25 सांसद कर्नाटक से और 4 तेलंगाना से हैं।

दक्षिण भारत के इन राज्यों की विधानसभाओं में कुल 923 विधायक हैं। कर्नाटक चुनाव से पहले तक इनमें से भी बीजेपी के पास कुल 135 विधायक थे। कर्नाटक में बीजेपी के 40 विधायक कम होने के बाद यह आंकड़ा भी घटकर 95 का बचा है। यानी दक्षिण भारत के कुल विधायकों में बीजेपी के सिर्फ 107 विधायक हैं।

कर्नाटक की सभी ... कोई खड़ा नहीं हो सकता हमारे सामने :

लिंगायत नेता ने कहा कि अब यह बार-बार साफ हो रहा है कि देश पर शासन करने के लिए भाजपा के सामने कोई खड़ा नहीं हो सकता है, न तो कांग्रेस और न ही कोई अन्य पार्टी। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को धूल चटाने की नींव रखी है।

पूरे कर्नाटक का दौरा करेंगे :

उन्होंने आगे कहा कि इन नतीजों के बाद हम कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीटें जीतने की पूरी कोशिश करेंगे और इसे प्रधानमंत्री मोदी को उपहार में देंगे। उन्होंने कहा कि वह बेलगावी में मौजूदा कर्नाटक विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद प्रचार के लिए पूरे कर्नाटक का दौरा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद उनके बेटे बी वाई विजयेंद्र का राज्य के सभी हिस्सों में जोरदार स्वागत हो रहा है, जो लोगों के बीच बने विश्वास का संकेत है।

अजित पवार ने ...

राकांपा नेता ने कहा, जब मैं पिछली सरकार में था, उस समय भी मेरा विचार था कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ असंभव है। केवल एक आदमी पड़े पैमाने पर इस तरह से ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं कर सकता है। आपको यह करने के लिए बहुत लोगों की जरूरत होगी। अगर कई लोग इस तरह के काम में शामिल होते, तो यह स्वाभाविक रूप से अब तक सामने आ गया होता। उन्होंने आगे कहा, अगर इन तीन राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान और राजस्थान) में ईवीएम को दोषी ठहराया जाए, तो तेलंगाना के बारे में क्या कहना है? अजित ने कहा, हमें यह स्वीकार करने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और उनके काम की लोग सराहना कर रहे हैं।

तेलंगाना में बीआरएस के कांग्रेस से पिछड़ने के बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने (बीआरएस प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव) अति आत्मविश्वास दिखाया और (अपनी पार्टी के आधार के) विस्तार के लिए महाराष्ट्र आए। अजित पवार ने कहा, उन्होंने (केसीआर) ने कई रैलियां और वादे किए। लेकिन, उन्हें उनके ही राज्य ने नकार दिया है। जनता का फैसला हमेशा सबसे ऊपर होता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2024 मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होगा

1166 प्लेयर्स ने कराया है रजिस्ट्रेशन, 25 की बेस प्राइस 2 करोड़

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी। ऐसा पहली बार होगा, जब आईपीएल का ऑक्शन देश से बाहर हो रहा है। आईपीएल प्रशासन ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। इस बार पिछले साल की तुलना में टीमों के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए पिछले साल की तुलना में 5 करोड़ रुपये ज्यादा होगी।

पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी के पास टीम के लिए 95 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी। इस बार टीम तैयार करने के लिए 100 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। साथ ही टीमों के पास पिछले सीजन यानी 2023 की बची हुई राशि भी होगी।

आईपीएल ऑक्शन के लिए 166 प्लेयर्स ने करवाया है रजिस्ट्रेशन

आईपीएल ऑक्शन के लिए 1166 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 830 भारतीय और 336 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नाम नहीं दिया।

मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, जेराल्ड कूट्जी और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी बड़े विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ियों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए के पार जा सकती है।

10 टीमों में 77 खिलाड़ियों की ही जगह खाली

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे, जिनमें 30 विदेशी रहेंगे। टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं, हर टीम का पर्स इस बार 100 करोड़ रुपए का रहेगा।

25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए

ऑक्शन में 25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, इनमें ऑस्ट्रेलिया के 7 और भारत के 4 खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है।

भारतीयों में हर्षल पटेल, केदार जाधव, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है।

99इनके अलावा 20 प्लेयर्स की बोली 1.50 करोड़ और 16 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी। बाकी 1105 प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 95 लाख रुपए के बीच है।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में 165 प्लेयर्स पर बोली लगेगी

104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी शामिल; 5 टीमों में 30 ही जगह खाली

मुंबई, 3 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन के लिए मिनी ऑक्शन 9 दिसंबर को मुंबई में होगा। ऑक्शन के लिए 165 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी हैं। विदेशियों में 15 प्लेयर्स एसोसिएट नेशंस की भी हैं।

5 टीमों में फिलहाल 30 प्लेयर्स की ही जगह खाली है, जिनमें 9 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए रिजर्व है। टूर्नामेंट अगले साल फरवरी के तीसरे सप्ताह में शुरू हो सकता है। इसके मार्च में दूसरे सप्ताह तक खत्म होने की संभावना है।

50 लाख की बेस प्राइस में 2 ही खिलाड़ी

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन लिस्ट में 2 ही प्लेयर्स की बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं। इनमें वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन और ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ शामिल हैं। 4 प्लेयर्स की बेस प्राइस 40 लाख रुपए हैं, इनमें इंग्लैंड की विकेटकीपर एमी जोन्स, साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल, ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहम

शामिल हैं।

30 लाख की बेस प्राइस में श्रीलंका की कप्तान

श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू 30 लाख की बेस प्राइस वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह पिछले सीजन अनसोल्ड रही थीं। पिछले सीजन की अनसोल्ड प्लेयर्स वेदा कृष्णामूर्ति, डैनी व्याट, फीब लीचफील्ड, ली ताहुहु और टैमी ब्यूमोंट भी इस बार 30 लाख रुपए की बेस प्राइस में ही रहेंगी।

165 प्लेयर्स में 109 अनकैप्ड प्लेयर्स

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराने वाली 165 प्लेयर्स में 56 को टी-20 इंटरनेशनल खेलने का अनुभव है। 109 प्लेयर्स अनकैप्ड हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है। ऑक्शन में 61 विदेशी प्लेयर्स रहेंगी, जिनमें एसोसिएट नेशंस की 15 प्लेयर्स भी शामिल हैं। एसोसिएट प्लेयर्स में अमेरिका की लेफ्ट आर्म पेसर तारा नॉरिस भी रहेंगी, जो सीजन-1 में दिल्ली से खेल चुकी हैं।

गुजरात जायंट्स के पास सबसे ज्यादा पर्स

डब्ल्यूपीएल की 5 टीमों में गुजरात जायंट्स के पास सबसे ज्यादा 5.95 करोड़ रुपए का पर्स बाकी हैं, जिससे उन्हें 10 प्लेयर्स खरीदने हैं। यूपी वॉरियर्ज को 5 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 7 खिलाड़ी खरीदने हैं। UP के पास 4 करोड़ और RCB के पास 3.35 करोड़ रुपए का पर्स बाकी है।

सीजन-1 की चैंपियन मुंबई इंडियंस के पास सबसे कम 2.1 करोड़ रुपए बाकी हैं, इससे उन्हें 5 प्लेयर्स खरीदने हैं। रनर-अप दिल्ली कैपिट्लस के पास 2.25 करोड़ रुपए बाकी हैं, इससे उन्हें महज 3 प्लेयर्स खरीदना है।

सभी टीमों के पास कुल 15 करोड़ रुपए का पर्स रहता है, लेकिन ऑक्शन के पहले टीमों ने कई खिलाड़ियों को रिटेन भी किया। रिटेन करने के बाद जो इनकम बाकी रही, पांचों टीमें उसी पर्स को लेकर ऑक्शन में उतरेंगी।

मुंबई ने दिल्ली को हराकर जीता था खिताब

विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन इसी साल 4 से 26 मार्च के बीच खेला गया था। मुंबई इंडियंस ने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। मुंबई की कप्तानी हरमनप्रीत कौर और दिल्ली की मेग लेनिंग ने की थी। पहले सीजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया था, दूसरे सीजन में भी 5 ही टीमें हिस्सा लेंगी।

वैशाली-प्रगनाननंदा दुनिया के पहले ग्रैंडमास्टर भाई-बहन

वैशाली ने 2500 की रेटिंग पार की; प्रगनाननंदा 12 साल की उम्र में बने थे ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनाननंदा और उनकी बहन वैशाली रमेशबाबू ने अनूठा इतिहास रचा है। वैशाली स्पेन में एललोब्रेगेट ओपन के दौरान 2500 रेटिंग को पार कर भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बन गईं। इस उपलब्धि के साथ वैशाली और उनके छोटे भाई प्रगनाननंदा इतिहास में दुनिया की पहली ग्रैंडमास्टर भाई-बहन की जोड़ी बन गए हैं।

साथ ही दोनों भाई-बहन ग्रैंडमास्टर बनने के बाद कैडेट्स भी बन गए हैं। दोनों अब वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप खिताब में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले भारत की कोनेरू हंपी और हारिका द्रोणावली महिला ग्रैंडमास्टर रह चुकी हैं। ग्रैंडमास्टर बनने के बाद उत्साहित वैशाली का कहना है कि मैं खिताब हासिल करने से काफी खुश हूं। वैशाली ने कहा कि जब से मैंने शतरंज खोलना शुरू किया था, तब मैं ग्रैंडमास्टर बनने का सपना देखती थी।

अब ये पूरा हो गया है। अभी मेरा

फोकस एललोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट जीतने पर है। 18 साल के प्रगनाननंदा ने 12 साल की उम्र में जबकि वैशाली ने 22 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब पाया है। भाई-बहन की यह जोड़ी शतरंज ओलिंपियाड में डबल ब्रॉन्ज और एशियाई खेलों में डबल सिल्वर मेडल भी जी चुकी है। कोच रमेश का कहना है कि दोनों भाई-बहन रोज 8 घंटे प्रैक्टिस करते हैं।

प्रगनाननंदा ने बड़ी बहन से सीखा था शतरंज

प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली ने भी छोटी उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू किया था। घर में बहन वैशाली को खेलता देख प्रगनाननंदा की भी शतरंज के प्रति रुचि बढ़ी। वैशाली ने ही छोटे भाई प्रगनाननंदा को शतरंज की बारीकियां सिखाईं।

वैशाली एक इंटरव्यू में बताती हैं- 'जब मैं करीब 6 साल की थी, तो बहुत कार्टून देखती थी। मुझे TV से दूर करने के लिए पेरेंट्स ने मेरा नाम शतरंज और ड्रॉइंग की क्लास में लिखा दिया।'बहन को चेस खेलता देख प्रगनानंदा भी उससे प्रेरित हुए और महज 3 साल की उम्र में शतरंज सीखने लगे। उन्होंने चेस की कोई क्लास नहीं ली और अपनी बड़ी बहन से खेलना सीखा।

पिता बैंक में काम करते हैं, मां हाउस वाइफ

प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं।

प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीत ली। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली।

वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और सबसे कम उम्र में यह उपाधि हासिल करने वाले भारतीय बने। इस मामले में प्रगनानंदा ने भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, वे 2016 में यंगेस्ट इंटरनेशनल मास्टर बनने का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। तब वे 10 साल के ही थे। चेस में ग्रैंडमास्टर सबसे ऊंची कैटेगरी वाले खिलाड़ियों को कहा जाता है। इससे नीचे की कैटेगरी इंटरनेशनल मास्टर की होती है।

प्रगनानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए एफआईडीई वर्ल्ड कप में रनर अप रहे थे। उन्होंने फाइनल में उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे।

प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे।

राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप

इलावेनिल वलारिवान ने महिला 10 मीटर एयर राइफल खिताब जीता, हरियाणा बना चैंपियन

नई दिल्ली, 3 नवंबर (एजेंसियां)। ओलंपियन निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने 66वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप अंतिम दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल खिताब अपने नाम किया। गुजरात की निशानेबाज इलावेनिल ने 253.4 अंक बनाये जबकि हरियाणा की रमिता जिंदल आठ महिला निशानेबाजों के फाइनल में 252.5 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। रमिता की साथी नैन्सी व्यक्तिगत स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने हेजल और श्रुति के साथ मिलकर टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

रमिता ने 254.9 अंक से जूनियर एयर राइफल स्वर्ण पदक भी जीता। मध्यप्रदेश की गौतम भनोट ने युवा स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा ने 15 स्वर्ण से कुल 26 पदक हासिल कर चैंपियनशिप जीती। पंजाब दूसरे और पश्चिम बंगाल तीसरे स्थान पर रहा। हाल में शानदार फॉर्म में चल रही इलावेनिल क्वालिफायर में 632.9 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। महाराष्ट्र की ईशा अनिल टकसाले 633.3 अंक से शीर्ष पर रहीं।

सलमान बट को पीसी सिलेक्शन कमेटी से हटाया

एक दिन पहले वहाब रियाज के सलाहकार बने थे, विवाद बढ़ा तो हटाया

इस्लामाबाद, 3 नवंबर (एजेंसियां)। स्पॉट फिक्सिंग के मामले में 5 साल का प्रतिबंध झेल चुके सलमान बट को पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सिलेक्शन कमेटी से हटा दिया गया है। टीम के चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज ने खुद इसकी जानकारी दी।

एक दिन पहले सलमान बट को वहाब रियाज का सलाहकार बनाया गया था। उसके बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स बट को सिलेक्शन कमेटी में शामिल करने की आलोचना कर रहे थे। ऐसे में पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने बट को सिलेक्शन कमेटी से हटाने का फैसला लिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान सलमान बट को नेशनल सिलेक्शन कमेटी में जगह दी है। ऐसे में क्रिकेट जगत में सलमान बट को सिलेक्शन कमेटी में शामिल किए जाने की आलोचना होने लगी।

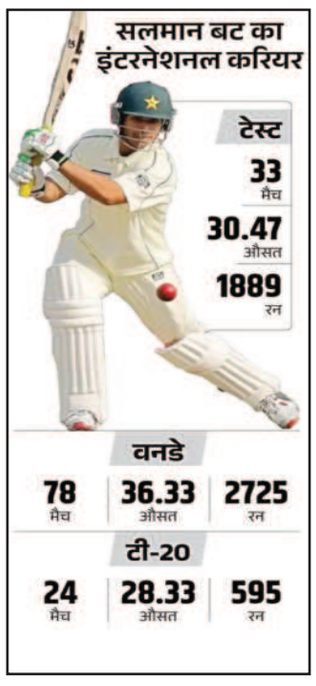

बट पर 2010 में लगा था 5 साल का बैन

सलमान बट पर 2010 में इंग्लैंड के साथ हुए मैच में फिक्सिंग के कारण 5 साल का बैन लगा, जो 2015 में खत्म हुआ। उन्होंने 2016 में घरेलू क्रिकेट में वापसी की और काफी सफल रहे, लेकिन राष्ट्रीय टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके।

बट ने पाकिस्तान से 33 टेस्ट खेले

सलमान बट ने पाकिस्तान के लिए 33 टेस्ट मैचों में 30.47 की औसत से 1889 रन बनाए हैं। उन्होंने 78 वनडे मैचों में 36.33 की औसत से 2725 रन बनाए हैं। जबकि 24 टी-20 मैचों में 28.33 की औसत से 595 रन बनाए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 7 आईपीएल मैच भी खेले हैं, इनमें वे 193 रन ही बना सके।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में काफी बदलाव हुए हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। जिसके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी।

टेस्ट टीम की कप्तानी अब शान मसूद को सौंपी गई है। जबकि टी-20 इंटरनेशनल की कमान शाहीन शाह अफरीदी को सौंपी गई। वहीं मोहम्मद हफीज को क्रिकेट डायरेक्टर नियुक्त किया गया। जबकि उमर गुल को तेज गेंदबाजी कोच और सईद अजमल को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

टेबल टेनिस चैम्पियनशिप: पुरुषों में मानव ठक्कर बने चैंपियन, महिलाओं में श्रीजा अकुला ने जीता खिताब

विजयवाड़ा, 3 नवंबर (एजेंसियां)। साथियान छठे गेम में पीठ में ऐंठन के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद मुकाबले से हट गए। पीठ में दर्द के बाद भी वह खिताबी मुकाबले के लिए चुनौती पेश करने उतरे और उन्होंने 2-1 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। दर्द बढ़ने के बाद भी उन्होंने खेल जारी रखा लेकिन फिर उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा।

शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ठक्कर ने चोटिल जी. साथियान को 4-2 से हराकर यहां यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया जबकि श्रीजा अकुला ने अर्चना कामथ को पराजित कर महिलाओं का खिताब जीता।

दूसरी वरीयता प्राप्त साथियान छठे गेम में पीठ में ऐंठन के कारण

0-2 से पिछड़ने के बाद मुकाबले से हट गए। पीठ में दर्द के बाद भी वह खिताबी मुकाबले के लिए चुनौती पेश करने उतरे और उन्होंने 2-1 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। दर्द बढ़ने के बाद भी उन्होंने खेल जारी रखा लेकिन फिर उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा।

महिला एकल में अर्चना करीबी मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त श्रीजा से 3-1 की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। श्रीजा ने पांचवें गेम में जीत दर्ज कर अंतर को पाटने के बाद छठे और सातवें गेम में दबाव में शानदार खेल दिखाया। निर्णायक गेम में अर्चना 10-8 से आगे थी और उन्हें जीतने के लिए महज एक अंक की जरूरत थी लेकिन श्रीजा ने लगातार चार अंक जुटाकर खिताब अपने नाम किया।

रिंकू सिंह ने बताया लंबे सिक्सर्स का राज: जिम ट्रेनिंग से मिली लंबे शॉट खेलने की स्ट्रेंथ, आईपीएल ने मेंटली स्ट्रॉन्ग बनाया

रायपुर, 3 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह भले ही लंबी-चौड़ी कदकाठी के न हों, लेकिन वे लंबे-लंबे छक्के जमाने की काबिलियत रखते हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ चल रही टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में 158 के स्ट्राइक रेट से 46 रन की पारी खेलने वाले रिंकू ने अपनी पावर हिटिंग के राज खोले।

मैच के बाद टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के साथ बातचीत में रिंकू ने कहा कि जिम में वेट ट्रेनिंग करने से उन्हें बड़े शॉट्स खेलने की स्ट्रेंथ मिली। साथ ही उन्होंने आखिरी के ओवर्स में दिमाग को कूल रखकर बैटिंग करने की अपनी क्षमता का श्रेय IPL को दिया है। मैच के बाद जितेश ने रिंकू से पूछा कि वे 100-100 मीटर के छक्के कैसे लगा लेते हैं। इसके जवाब में रिंकू ने कहा- कुछ खास नहीं। आपको पता है मैं आपके साथ ही जिम करता हूं। अच्छा खाना खाता हूं। मुझे वेट उठाने का बड़ा शौक है तो इससे नेचुरल पावर आई है मेरे पास।'

चाहे जिम हो या ग्राउंड, रिंकू अपनी वेट ट्रेनिंग के लिए साथी खिलाड़ियों में मशहूर हैं। वे दिन में 2 से 3 घंटे एक्सरसाइज करने में बिताते हैं। जितेश ने रिंकू ने आगे पूछा- आपको देखकर लगता नहीं है कि आप पहली सीरीज खेल रहे हैं। चौथे मैच में मैं खुद जब बैटिंग के लिए पहुंचा तो प्रेशर फील कर रहा था। आपने मुझसे शांत होकर खेलने को कहा। दबाव झेलना कैसे सीखा?

इस पर रिंकू ने कहा- मैं 5-6 साल से आईपीएल में

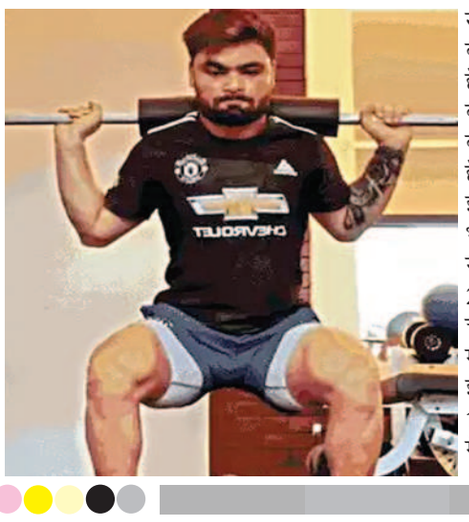

खेल रहा हूं। आईपीएल काफी चुनौतीपूर्ण लीग है। वहीं से मुझे हर तरह की सिचुएशन को हैंडल करने की लर्निंग मिली है। अब वह लर्निंग इंटरनेशनल क्रिकेट में भी काम आ रही है। रिंकू सिंह ने चौथे टी-20 में 29 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। इनमें से एक छक्का 100 मीटर का था। इसी मैच में जितेश ने 19 गेंदों पर 35 रन बनाए।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में 20 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया। भारत ने 136वां टी-20 जीता, टीम ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, जिसके नाम 135 टी-20 जीत हैं।

रायपुर में चौथा टी-20 जीतने के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़ बना ली। पांचवां और आखिरी टी-20 तीन दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा। रायपुर में टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। भारत से रिंकू सिंह ने 46 रन बनाए, जबकि अक्षर पटेल ने 3 अहम विकेट लिए।

आईपीएल 2023 में रिंकू सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आखिरी ओवर में लगातार 5 छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। आखिरी ओवर में कोलकाता को जीत के लिए 29 रन की जरूरत थी। गुजरात की ओर से गेंदबाजी यश दयाल कर रहे थे। पहली बॉल पर उमेश यादव ने सिंगल लिया। उसके बाद आखिरी 5 बॉल पर 28 रन की जरूरत थी। रिंकू ने लगातार 5 छक्के जमाकर टीम को जीत दिला दी।

रिंकू सिंह ने आईपीएल में 2018 में डेब्यू किया था। पांच साल में आईपीएल के खेले 31 मैचों में इन्होंने 142.16 की स्ट्राइक रेट से 725 रन बनाए हैं। इनका औसत 36.25 का रहा है। रिंकू ने 54 चौके और 38 छक्के भी जड़े हैं।

आज ही हो सकता है नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से नए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी के बारे में पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), एडीजी सीआईडी से चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही राज्यपाल से मिलेंगे। पीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि वे सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह पर विचार कर सकते हैं। हलांकि पहले बताया गया है, वे 9 दिसंबर को शपथ ले सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने को भी कहा है। उन्होंने डीजीपी को बताया कि एलबी स्टेडियम में आयोजित होने वाले समारोह में दिल्ली के कई मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। डीजीपी ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक विजेता उम्मीदवार को 2+2 पीएसओ मिलेगा। वरिष्ठ पदाधिकारियों को उच्च श्रेणी का सुरक्षा तंत्र मिलेगा। सुरक्षा विंग को सभी निर्वाचित उम्मीदवारों के लिए खतरे की धारणा रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

डीजीपी ने सीपी हैदराबाद, एडिशनल सीपी विक्रम, एडिशनल सीपी (यातायात) बाबू, आईएसडब्ल्यू आईजीपी तफसीर के साथ संजय जैन और महेश भागवत के साथ बैठक की और एलबी स्टेडियम समारोह के लिए प्रभावी बंदोबस्त की योजना बनाई।

रेवंत रेड्डी ने कोडंगल में शानदार जीत दर्ज की

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने अपने कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में जीत हासिल की। कोडंगल में बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार पटनम नरेंद्र रेड्डी को रेवंत रेड्डी ने हराया। रेवंत रेड्डी के हर राउंड में आगे रहने के कारण पटनम नरेंद्र रेड्डी पहले ही मतगणना केंद्र से चले गए। सभी राउंड की गिनती के अंत में रेवंत रेड्डी ने 30 हजार से ज्यादा वोटों की भारी बढ़त के साथ जीत हासिल की। मालूम हो कि रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना चुनाव में दो जगहों से चुनाव लड़ा था। रेवंत ने कामारेड्डी में सीएम केसीआर के खिलाफ भी चुनाव लड़ा, लेकिन कामारेड्डी में बीजेपी उम्मीदवार के हाथों हार गए।

केटीआर ने विधानसभा चुनाव जीतने पर कांग्रेस को बधाई दी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने विधानसभा चुनाव जीतने पर कांग्रेस पार्टी को बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। रविवार को केटी रामा राव ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राज्य में लगातार दो कार्यकाल देने के लिए तेलंगाना के लोगों की आभारी है। आज के नतीजे से दुखी नहीं हूं, लेकिन आज के नतीजे से निश्चित रूप से निराश हूं, लेकिन निश्चित रूप से निराशा हुई है क्योंकि यह हमारे लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं था। लेकिन हम इसे स्वीकार करेंगे।" हम सीखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और वापसी करेंगे। उधर, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के परिणाम 'निराशाजनक' हैं, लेकिन वह 'दुखी' नहीं हैं। रामाराव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में तेलंगाना में सरकार बनाने की ओर अग्रसर दिख रही कांग्रेस पार्टी को बधाई दी।

उन्होंने लिखा, भारत राष्ट्र समिति को दो बार लगातार सरकार में आने का मौका देने के लिए तेलंगाना की जनता के आभारी हैं। आज के परिणाम से दुखी नहीं हूं, लेकिन निश्चित रूप से निराश हूं, क्योंकि हमें ऐसी अपेक्षा नहीं थी। लेकिन हम इसे सबक के तौर पर लेंगे और फिर से वापसी करेंगे।

छात्रा की मौत के मामले में अल्पसंख्यक आयोग में सुनवाई जारी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने एक छात्रा की मौत के मामले की सुनवाई जारी है। यह मामला अर्शिया अंजुम पुत्री अशरफुल्ला खान से जुड़ा है। तेलंगाना की रहने वाली अर्शिया अंजुम एमबीबीएस छात्रा थी। मंडी, हिमाचल प्रदेश में अध्ययन करने के दौरान उनका निधन हो गया। तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने इसकी जांच की है। आयोग के अध्यक्ष तारिक अंसारी ने आयोग के समक्ष सुनवाई के लिए आए डॉ विश्वजीत सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, (एनेस्थीसिया) मंडी अस्पताल, डॉ लोकेश वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर (मेडिसिन) मंडी अस्पताल, डॉ परधु भरत नीला गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ आयोग के समक्ष उपस्थित हुए हैं और स्पष्ट रूप से बताया है। मृतका को मंडी और अन्य स्थानों पर दिए गए उपचार के बारे में पीजीआईएमईआर और यह भी कि किन परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हुई। गौरतलब है कि इससे पहले आयोग ने कहा था कि तेलंगाना सरकार परिवार कल्याण निदेशक दो डॉक्टरों की नियुक्ति करेंगे। वे मेडिकल की जांच में आयोग की सहायता कर सकते हैं। रिपोर्ट, उपचार सारांश और सभी संबंधित रिकॉर्ड मृत्यु से संबंधित की छानबीन करेंगे। परिवार कल्याण निदेशक ने उस्मानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद के डॉक्टर डॉ. पी.वी. राजशेखर- मेडिसिन के प्रोफेसर, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज एम.डी. (जनरल मेडिसिन), डॉ. के. पावनी - एनेस्थिसियोलॉजी, उस्मानिया के प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेज - एमडी (एनेस्थिसियोलॉजी), डॉ. जी. शिव कुमार - जनरल सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर उस्मानिया मेडिकल कॉलेज को नियुक्त किया है। वे आयोग के समक्ष भी उपस्थित हुए और चर्चा में भाग लिया। सभी डॉक्टरों ने राय दी कि मृतक की मौत दुर्लभतम मामलों में से एक है और अंगों की बहु विफलता के साथ "सेप्सिस" के कारण होता है। डॉक्टरों ने स्थानीय लोगों को रिपोर्ट और केस रिकॉर्ड दिखाए हैं। डॉक्टर भी उनके इलाज से संतुष्ट हैं। आयोग के निर्देशानुसार इससे पहले, महिला सुरक्षा विंग के पुलिस अधिकारियों की एक टीम पुलिस महानिदेशक कार्यालय, हैदराबाद भी रवाना हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश और उनके द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट एवं सी.सी. प्राप्त होने के बाद फुटेज, मामले की अंतिम सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। सुनवाई के बाद आयोग द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

सिंगापुर में चोरी के आरोप में दो और भारतीय छात्रों को जेल

सिंगापुर, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगापुर में दो और भारतीय छात्रों को एक खुदरा स्टोर से मूल्य टैग हटाकर एसजी 1 लाख रुपये से अधिक मूल्य के परिधान चुराने की साजिश रचने के आरोप में जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार ब्रह्मभट्ट कोमल चेतनकुमार और क्रिश्चियन अर्पिता अरविंदभाई को 1 दिसंबर को दुकान से चोरी के अपराध में दोषी ठहराया और उन्हें क्रमशः 40 और 45 दिनों की जेल की सजा सुनाई गई। पिछले महीने एक अदालत के फैसले में, सिंगापुर में छात्र पास पर मौजूद दोनों ने शुरू में कहा था कि उनका चोरी करने का कोई इरादा नहीं था। जिला न्यायाधीश यूजीन टेओ ने उनके कृत्य को 'अपमानजनक' बताया और उनसे दोबारा ऐसे अपराध न करने को कहा। कोमल और अर्पिता चार अन्य भारतीयों के साथ एक ही फ्लैट में रहती थीं, जो यूनीक्लो स्टोर से परिधान चुराने वाले समूह का हिस्सा थे। अदालत के दस्तावेजों में साजिश में तीन और भारतीय नागरिकों 24 वर्षीय भाविक, 23 वर्षीय विशाल और 22 वर्षीय दर्शन की पहचान की गई। भाविक और विशाल ने आउटलेट से चोरी करने की योजना बनाई और बाकी लोगों को भी योजना में शामिल कर लिया। उप लोक अभियोजक मैक्सिमिलियन च्यू ने पहले अदालत को बताया कि समूह 12 अक्टूबर को शाम करीब 6 बजे ऑर्चर्ड सेंट्रल में यूनीक्लो आउटलेट पर गया था। परिधान चुनने के बाद, उन्होंने रेडियो-फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) वाले मूल्य टैग हटा दिए, जो स्टोर के सुरक्षा अलार्म को बंद कर सकता था। फिर उन्होंने सेल्फ-चेकआउट क्षेत्र में परिधान को टोट बैग में भर दिया, और दिखावा किया कि उन्होंने अपनी सभी वस्तुओं के लिए भुगतान कर दिया है। कुल मिलाकर, समूह ने 64 परिधान चुनाए। अधिकारियों को कुछ दिनों बाद साजिश के बारे में सतर्क किया गया जब एक दूसरे समूह, जिसमें पहले समूह के कुछ सदस्य शामिल थे, ने उसी आउटलेट से कपड़े चुराने की कोशिश की।उनका प्रयास विफल हो गया क्योंकि एक स्टोर सुरक्षा अधिकारी ने उनके संदिग्ध व्यवहार को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से ग्रुप के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन भाविक, विशाल और दर्शन तब तक सिंगापुर छोड़ चुके थे। कोमल और अर्पिता, जिन्हें गिरफ्तारी के बाद से रिमांड पर लिया गया है, 1 दिसंबर को वीडियो लिंक के माध्यम से अदालत की सुनवाई में शामिल हुईं। समूह के चार अन्य शिहोरा रिधम मुकेशभाई, 20, हुन स्मित अशोकभाई, 21, कुवाडिया मिलन घनश्यामभाई, 26, और चौहान रुचि संजयकुमार, 25 को 22 नवंबर को 40 से 65 दिनों के बीच जेल की सजा सुनाई गई थी।

महिला विधायकों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई

लस्या नंदिता

हरिप्रिया

पद्मावती रेड्डी

सबिता इंद्रा रेड्डी

सीतक्का

सुनीता लक्ष्मा रेड्डी

पर्णिका रेड्डी

कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 1 दिसंबर 2024 को हुए विधानसभा चुनाव के बाद इस बार महिला विधायकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जहां पिछले कार्यकाल में केवल छह महिलाएं विधायक चुनी गई थीं, वहीं इस बार महिला विधायकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। इनमें से तीन नये सदस्य थे। राज्य विधानसभा में सिकंदराबाद छावनी से लस्या नंदिता, पालकुर्थी से ममीडाला यशस्विनी, नारायणपेट से पर्णिका रेड्डी, आसिफाबाद से कोवा लक्ष्मी, नरसापुर से सुनीता लक्ष्मा रेड्डी, महेश्वरम से सबिता इंद्रा रेड्डी, पूर्वी वारंगल से कोंडा सुरेखा, मुलुगु से सीताक्का, कोडाडा से पद्मावती रेड्डी प्रवेश करेंगी। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में, सबिता इंद्रा रेड्डी, गोंगिडी सुनीता, हरिप्रिया नाइक, रेखा नाइक, सीतक्का, पद्मा देवेंद्र रेड्डी ने विधायक के रूप में सदन में प्रवेश किया। इस चुनाव में, जबकि बीआरएस पार्टी ने सात महिलाओं को टिकट दिया, केवल तीन - लस्या नंदिता, कोवा लक्ष्मी और सबिता इंद्रा रेड्डी चुनी गईं।

इटेला राजेंदर दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव हार गए

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी के प्रमुख नेता और पूर्व मंत्री इटाला राजेंदर को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने दो विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा और हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र हुजूराबाद के साथ-साथ गजवेल से भी चुनाव लड़ा, जिसका प्रतिनिधित्व सीएम केसीआर करते हैं। लेकिन इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में इटेला राजेंदर हार गए। हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र में एटाला राजेंदर बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार पाडी कौशिक रेड्डी से हार गए। गजवेल में भी राजेंदर केसीआर से हार गए। चूंकि राजेंद्र दो स्थानों पर नहीं जीत सके, इसलिए भाजपा के कार्यकर्ताओं और अनुयायियों में गहरा असंतोष था। मालूम हो कि इटेला ने दावा किया है कि वह गजवेल में केसीआर के खिलाफ जरूर जीतेंगे. लेकिन उनमें से कुछ भी उसके काम नहीं आया।

स्पीकर के हारने के मिथक को तोड़ दिया पोच्चरम ने

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव जीतकर स्पीकर के चुनाव हारने के मिथक को तोड़ दिया। तेलुगु राज्यों में यह भावना रही है कि जिन लोगों ने संयुक्त आंध्र प्रदेश के अस्तित्व के बाद से विधानसभा अध्यक्ष के रूप में काम किया है, उन्हें दोबारा विधायक के रूप में नहीं चुना गया है। हालाँकि, तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी ने पहली बार विधायक सीट जीतकर इतिहास फिर से लिखा है। वह बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से 23,464 वोटों के बहुमत के साथ कांग्रेस नेता येनुगु रविंदर रेड्डी के खिलाफ विधायक चुने गए। संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय से लेकर आज तक तेलुगु राज्यों के इतिहास में, एक बार अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाला कोई भी नेता दोबारा विधानसभा के लिए नहीं चुना गया है। पिछले तेलंगाना विधानसभा चुनाव में, तत्कालीन अध्यक्ष मधुसूदन चारी, जो भूपालपल्ली से चुनाव लड़े थे, कांग्रेस नेता गंद्रा वेंकटरमण रेड्डी से हार गए थे। तत्कालीन आंध्र प्रदेश में राज्य विभाजन के दौरान स्पीकर रहे नादेंडला मनोहर भी 2014 के चुनाव में हार गए थे। वर्ष 1991 के बाद से विधानसभा के लिए एक भी अध्यक्ष दोबारा नहीं चुना गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलग होने के बाद आंध्र प्रदेश के तत्कालीन स्पीकर कोडेला शिवप्रसाद भी पिछले चुनाव में हार गए थे। इस भावना से डरकर, पिछले स्पीकर मधुसूदन चारी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में अपने कैडर के साथ बड़े पैमाने पर यात्रा की, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिला। आख़िरकार पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने दोबारा विधायक चुने जाने के बाद 'स्पीकर' की भावना को तोड़ दिया।

बीआरएस के पराजय के कारणों की होने लगी चर्चा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र में भाजपा शासन के खिलाफ संयुक्त मोर्चा से दूर रहने और वाम दलों के साथ अपनी पार्टी की दोस्ती तोड़ने को भी हार का एक कारण माना जा रहा है। राज्य सरकार विपक्षी प्रचार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफल रही कि राज्य बीआरएस शासन के तहत विकास दर्ज करने में विफल रहा है और बेरोजगारी भत्ता और प्रत्येक परिवार को एक नौकरी जैसे वादों को पूरा करने में केसीआर का लापरवाह रवैया और सत्ता विरोधी कारक को राज्य विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार के कारणों के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता है, जिसके परिणाम आज घोषित किए गए। राजनीतिक विश्लेषकों ने यह भी विचार व्यक्त किया कि छह गारंटी के साथ कांग्रेस के आक्रामक अभियान और पड़ोसी राज्य कर्नाटक में विधानसभा चुनाव जीतने वाली पार्टी ने मतदाताओं को लुभाया है, जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई है। ऐसा महसूस किया गया है कि बीआरएस शासन भारतीय रिजर्व बैंक, नीति आयोग और अन्य निकायों की रिपोर्टों को उजागर करने में विफल रहा है, जिन्होंने कृषि, सिंचाई और संबद्ध क्षेत्रों, ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में बीआरएस सरकार द्वारा हासिल किए गए विकास की सराहना की है। पर्यावरण, हरित पट्टी, आदि। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि तेलंगाना राज्य ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में देश के सभी राज्यों में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि नीति आयोग ने मिशन भागीरथ और मिशन काकतेय की प्रशंसा की थी। नीति आयोग ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि 2015-16 से 2019-20 तक की पांच साल की अवधि के दौरान राज्य में 27.61 लाख लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली है। राज्य ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों से कई पुरस्कार और सराहना भी जीती है; लेकिन सत्तारूढ़ बीआरएस उन्हें आक्रामक तरीके से प्रभावी ढंग से प्रचारित करने में बुरी तरह विफल रही है ताकि लोग राज्य में हुए विकास को समझ सकें।

वैजाग कार्तिक दीपोत्सवम-जेईओ (एच एंड ई) के लिए व्यवस्थाओं में तेजी लाएं

तिरूपति, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए टीटीडी जेईओ श्रीमती सदा भार्गवी ने संबंधित अधिकारियों को दानदाताओं को शामिल करते हुए कार्तिक के पवित्र महीने में 11 दिसंबर को वैजाग में कार्तिक दीपोत्सव आयोजित करने की व्यवस्था में तेजी लाने का निर्देश दिया। जेईओ ने शनिवार शाम को तिरुपति के श्री पद्मावती रेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जेईओ ने कहा कि कार्तिक दीपोत्सव के तहत टीटीडी के एसवी कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस के तत्वावधान में प्रभावशाली सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए और आवश्यक रिकॉर्डिंग कार्यों के लिए एसवी रिकॉर्डिंग प्रोजेक्ट का सहयोग लेने का सुझाव दिया। आवश्यक विभागों से कर्मचारियों को अग्रिम रूप से प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि इंजीनियरिंग अधिकारी सबसे पहले स्टेज, क्यू लाइन आदि का कार्य बिना किसी देरी के करें। उन्होंने भक्तों को प्रभावित करने के लिए विद्युत प्रकाश सजावट करने का भी सुझाव दिया। हिंदू धर्म प्रचार परिषद के पदाधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्य विभागों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया गया है। सतर्कता अधिकारियों को स्थानीय पुलिस की मदद से उचित सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। पीआरओ डॉ. टी. रवि को श्रीवारी सेवकों को आमंत्रित करने और मीडिया को समन्वयित करने का निर्देश दिया गया है। वैदिक पाठ के लिए तिरुमाला धर्मगिरि और एसवी वैदिक विश्वविद्यालय के वैदिक विद्वानों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। इसके बाद दानदाताओं के साथ वर्चुअल बैठक की गई और इस कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। दानदाताओं से यथाशीघ्र स्थल को अंतिम रूप देने का अनुरोध किया गया। एसवी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य रानी सदाशिवमूर्ति, धर्मगिरि प्राचार्य केएसएस अवधानी, धर्म प्रचार परिषद सचिव सोमयाजुलु, सभी धार्मिक परियोजनाओं के कार्यक्रम अधिकारी राजगोपाल, अन्नमाचार्य परियोजना निदेशक डॉ. विभीषण शर्मा, एसई-2 जगदीश्वर रेड्डी, दाताओं राजेश, हिमांशुप्रसाद, कृष्णा प्रसाद और अन्य ने बैठक में वस्तुतः भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.